Vol.21, Issue 1 | Annual Subscription ₹ 420

November 2021

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

Rotary

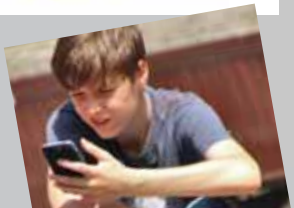

ADVT.

17th JJS
JAIPUR JEWELLERY SHOW
It's time to
sparkle
the
December
show
JECC, JAIPUR
24-27 DECEMBER, 2021
JAIPUR JEWELLERY SHOW
Gold Souk, TF-01, Third Floor, Adjoining Hotel Lalit, Jawahar Circle, Jaipur - 302017
+91 141 4035900 | info@jaipurjewelleryshow.org | www.jaipurjewelleryshow.org
Jewellery courtesy: Birdhichand Ghanshyamdas Jewellers

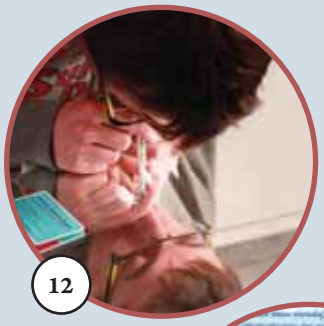

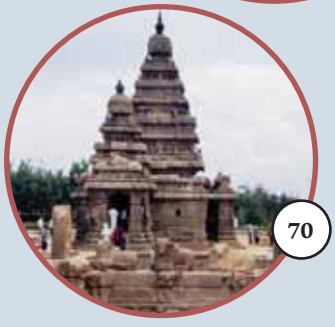

विषयसूची

12 एक रोटरी एक्शन ग्रुप व्यसन का मुकाबला करता है

PRIP कल्याण बेनर्जी, RAG-एडिक्शन प्रिवेंशन के माध्यम से, जिसके वह अध्यक्ष है, भारत के रोटरी क्लबों से बच्चों और वयस्कों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन एवं अन्य प्रकार के व्यसनों को तुरंत संबोधित करने का आह्वान करते है।

30 गुजरात के दो आदिवासी गांवों का कायाकल्प

एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से, रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो स्थानीय जल संसाधनों के दोहन के लिए दो गांवों में जल संरक्षण एवं संवर्धन परियोजनाओं को लागू करता है।

32 हैदराबाद में ₹14 करोड़ का एक रोटरी आश्रय

अपनी घरेलू देखभाल सेवाओं के अलावा, रोटरी क्लब बंजारा हिल्स द्वारा निर्मित यह नई सुविधा गंभीर रूप से बीमार लगभग 4,000 रोगियों को प्रशामक देखभाल प्रदान करती है।

38 AI-संचालित चश्मे दृष्टिहीनों की 'देखने' में मदद करते है

रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट स्मार्ट विजन चश्मे प्रदान करता है जो नेत्रहीनों की परिवहन में मदद करता है।

42 गुड्डे, गुड़ियाँ और आजीविका

तमिलनाडु के कांचीपुरम में कोविड महामारी ने पीढ़ियों से गुड़िया बनाने में कार्यरत परिवारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

58 लकड़ी एक दूसरी पारी की हकदार

इस महीने, हमारा गो ग्रीन कॉलम ताजी लकड़ी से बने नए फर्नीचर में निवेश करने के बजाय पुनर्चक्रित या फिर से सजाए गए फर्नीचर के इस्तेमाल को बढ़ावा देता है।

60 बांसुरी से जादू का सृजन

बिना किसी कलात्मक पृष्ठभूमि वाले परिवार में जन्म लेने के बावजूद, बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया एक उत्कृष्ट संगीतकार है जो अपनी हाज़िरजवाबी और मिलनसारिता के लिए भी जाने जाते है।

70 महाबलीपुरम में रिचार्ज और रिबूट

चेन्नई के पास स्थित यह तटीय शहर अपने एकाश्म एवं स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, और यह 2021 रोटरी ज़ोन संस्थान का आयोजन स्थल है।

कवर की रूपरेखा
एस कृष्णप्रतीश द्वारा

Scan our QR code & visit our Website

Scan our QR code & read our Magazine

आपके पत्र

रोटरी न्यूज़ के प्रशंसक और समीक्षक

नवंबर के कवर पर सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में जन्मजात हृदय दोष के इलाज के लिए नलियों के साथ उलझे एक नन्हे से बच्चे को देखना दिल छू लेने वाला है।

अब तक 16,000 बाल हृदय सर्जरियाँ कर चुके संजीवनी केंद्रों की कवर स्टोरी पढ़कर खुशी हुई। यह जानकर खुशी हुई कि रोटरी अफ्रीकी देशों को उनकी प्रगति और समृद्धि के लिए इतना महत्व देती है।

यह जानकार अच्छा लगा कि रोटरी ने 20 लाख भारतीयों के कोविड टीकाकरण में मदद की। संगीत के दिग्गज पंडित जसराज को हमेशा याद किया जाएगा। साथ ही, मंडल गतिविधियों की तस्वीरें खूबसूरत है।

फिलिप मूलप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि संजीवनी अस्पताल में रोटेरियन विवेक गौर और अन्य दो न्यासी छोटे बच्चों के गंभीर एवं जन्मजात हृदय रोगों का इलाज करके उनकी जान बचा रहे है। मैं स्वयं को इस संगठन का एक हिस्सा समझता हूं क्योंकि मैं भी एक अभ्यासरत डॉक्टर हूं। श्रीनिवासन राघवन का लेख बढ़ती उम्र के विषाद वर्तमान समय में बुजुर्गों को एक अच्छी सलाह देने हेतु प्रासंगिक है। इस पहाड़ी शहर की पूरी आबादी को कोविड का टीका लगाने के लिए रोटरी क्लब कोडैकनाल को बधाई।

डॉ बसव वराहलू
रोटरी क्लब रूज़ोल
मंडल 3020

रोटरी न्यूज़ के प्रत्येक पृष्ठ को भारत के प्रत्येक रोटरी क्लब द्वारा सँजोकर एक पुस्तकालय में रखा जाना चाहिए क्योंकि यह जानकारी से भरपूर होते है। यह रोटरी के आधारभूत तथ्यों और इसके द्वारा की जाने वाली सेवा के बारे में रोटरेकटरों को भी शिक्षित करेगा।

अभय किशोर चंदावर
रोटरी क्लब धनबाद मिडटाउन
मंडल 3250

जब से आपने *रोटरी न्यूज़* के संपादक की जिम्मेदारी संभाली है, आप लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने अनुभव और पेशेवर विशेषज्ञता के साथ एक अद्भुत काम कर रही है। हालाँकि, हाल ही के दिनों में, आपकी संपादकीय, घटनाओं के कवरेज में अत्यासक्ति, गैर-रोटरी लेखों को शामिल किए जाने और रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की तस्वीरों के प्रकाशन की अधिकता देखने को मिली जिससे ऐसा प्रतीत हुआ कि यह पत्रिका रोटेरियनों को रोटरी परियोजनों से अवगत कराने वाली एक विशेष पत्रिका के बजाय एक व्यावसायिक पत्रिका बन गई है।

सितंबर के अंक में, ज्यादातर पेज पर भारतीय रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की तस्वीरें दिखाई दी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप और आपकी टीम के साथी केवल वरिष्ठ नेताओं के गुणगान कर रहे है जो बिना कोई ढिंढोरा पीटे निस्वार्थ रूप से रोटरी की सेवा करने

परिवर्तन के एजेंट

लेख अफ्रीका के परिवर्तक एजेंट (सितंबर अंक) ने शांति निर्माण में अफ्रीका के रोटरी शांति निर्माताओं के योगदान को प्रदर्शित किया। कई शांति निर्माता अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद दुनिया भर में शांति निर्माण हेतु कार्यरत है। यह वास्तव में हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्यों न हम उन्हें नियुक्त करने के तरीके खोजें और अपने संकटग्रस्त कश्मीर में उनकी सेवाओं का उपयोग करें।

रामस्वमी एन पी
रोटरी क्लब रासीपुरम
मंडल 2982

रोटरी क्लब कोयंबटूर मेट्रोपोलिस ने एक अस्पताल के साथ साझेदारी में 600 से अधिक जले से पीड़ित लोगों तक पहुंचकर महत्वपूर्ण सेवा कार्य किया है। माउंट अन्नपूर्णा शिखर पर लहराता हुआ रोटरी का झंडा सभी रोटेरियनों के लिए एक गर्व का क्षण है।

डॉ पॉन मुथैया
रोटरी क्लब अदुथुरई - मंडल 2981

मेहता की मोदी से मुलाकात

सितंबर अंक के कवर पेज पर रो ई अध्यक्ष मेहता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिवादन करते हुए देख मुझे खुशी हुई। संपादक रशीदा भगत ने अपने संपादकीय *अफ़ग़ानी महिलाओं की सहायता कौन करेगा* में हमें अफ़ग़ानी महिलाओं की बेबसी, उनके डर और दर्द से रूबरू कराया।

अंगदान पर रो ई निदेशक महेश कोटबागी का संदेश महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर रिश्तेदार भी रक्तदान नहीं करते है। रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश के शब्द, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए, उल्लेखनीय है। सरकार के सभी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के साथ-साथ रोटरी को भी हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में प्रयासरत होना होगा।

आत्माराम गुप्ता
रोटरी क्लब महाराजगंज
मंडल 3120

आपके पत्र

वाले है। *रोटरी न्यूज़* को और अधिक पेशेवर होने की आवश्यकता है।

संपतकुमार
रोटरी क्लब कोयंबटूर एलीट
मंडल 3201

रोटरी न्यूज़ मुख्य रूप से केवल रोटरी से जुड़े मामलों के लिए है लेकिन मुझे यह देखकर दुख हुआ कि हाल ही के दिनों में धीरे-धीरे यह किसी अन्य पत्रिका में बदल रही है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण जुलाई अंक में दिलीप कुमार का कवरेज था। उन्हें इतने पन्नों का कवरेज देने की क्या आवश्यकता थी? इस एकतरफा रवैये के परिणामस्वरूप रोटेरियनों की वास्तविक घटनाओं को पत्रिका में उस तरह से प्रकाशित नहीं किया जा रहा है जैसे होना चाहिए।

बी देवदास राय
रोटरी क्लब मैंगलोर सेंट्रल
मंडल 3181

पहुँचाने वाली होप आफ्टर फायर परियोजना के लिए रोटरी क्लब कोयंबटूर को सलाम। इस परियोजना के तहत 1,000 से अधिक सर्जरी करने वाले डॉ राजा सबापति को धन्यवाद।

राज कुमार कपूर
रोटरी क्लब रूपनगर - मंडल 3080

रो ई अध्यक्ष मेहता का संदेश वंचित लोगों की आजीविका में सुधार लाने हेतु उचित रूप से केंद्रित है। रोटेरियन इन वंचित समुदायों के जीवन में सुधार ला सकते है। लड़कियों के सशक्तिकरण पर संपादक का संदेश अफ़ग़ानी महिलाओं के दुर्भाग्य की व्याख्या करता है। मेहता द्वारा अफ्रीकी देशों के त्वरित रूप से किए गए दौरे पर लिखित लेख उस महाद्वीप में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए स्वच्छता, लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति और अन्य महत्वपूर्ण अंतरों को पाटने में सामना की जाने वाली चुनौतियों के बारे में उचित रूप से बात करता है। अफ़ग़ानिस्तान की गंभीर स्थिति पर हम केवल तालिबान द्वारा एक अच्छे प्रशासन की प्रार्थना कर सकते है।

एस मुनियांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - मंडल 3000

रोटरी न्यूज़ प्लस को शाबाशी

यह ई-पत्रिका अखबारी कागज का उपयोग ना करके हमारे ग्रह को पर्यावरण अनुकूल रखने की एक अच्छी पहल होने के साथ-साथ क्लब परियोजनाओं और कार्यक्रमों को साझा करके रोटेरियनों को भी आपस में जोड़ती है।

विकल्प जैन
रोटरी क्लब वैनगंगा बालाघाट - मंडल 3261

कवर पेज पर रोटरी चक्र के साथ बड़े तिरंगे को दर्शाना एक शानदार चयन है। भारत के समस्त रोटरी क्लब सेवा परियोजनाओं के उचित चयन करने हेतु प्रशंसा के पात्र है।

नवीन गर्ग, रोटरी क्लब सुनाम - मंडल 3090

सुशील गुप्ता का निधन

यह घोषणा करते हुए हमें अत्यंत दुःख हो रहा है कि रो ई के पूर्व निदेशक सुशील गुप्ता का निधन हो गया है। जैसा कि रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने कहा, ''गुप्ता भारत में रोटरी के सबसे वरिष्ठ और सम्मनित शिखर पुरुष थे, सम्पूर्ण रोटरी जगत को उनकी कमी खलेगी।''

RNT के सभी सदस्य शोक संतप्त पत्नी विनीता और उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

मैं *रोटरी न्यूज़* का एक उत्साही पाठक हूँ क्योंकि आप हमें अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में उत्तम सामग्री प्रदान करते है। अफ़ग़ानी महिलाओं के बारे में पढ़ते हुए मेरे हाथ कपकंपा रहे थे क्योंकि उनका भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है।

रो ई अध्यक्ष मेहता ने लड़कियों की शिक्षा पर उचित जोर दिया है। शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने हेतु सरकार, समाज एवं अभिभावकों के मिले-जुले प्रयास आवश्यक है।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ ने अपनी बेटी की शिक्षा परियोजना के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। दोनों रो ई निदेशकों के संदेश सार्थक है। जले से पीड़ित 600 लोगों को लाभ

We welcome your feedback.
Write to the Editor:
rotarynews@rosaonline.org;
rushbhagat@gmail.com.
Mail your project details, along with hi-res photos, to
rotarynewsmagazine@gmail.com.

Messages on your club/district projects, information and links on zoom meetings/webinar should be sent only by e-mail to the Editor at
rushbhagat@gmail.com
or **rotarynewsmagazine@gmail.com.** WHATSAPP MESSAGES WILL NOT BE ENTERTAINED.

Click on **Rotary News Plus**
on our website
www.rotarynewsonline.org
to read about more Rotary projects.

SERVE TO CHANGE LIVES

TRF: मानवता का एक स्मारक

मैंने पहली बार सेवा के मूल्य को तब जाना जब मैंने देखा कि कैसे सरल कार्य जीवन बदल सकते है। इसकी शुरुआत तब हुई जब मैं अपने क्लब के अन्य लोगों के साथ हमारे शहर के पास के गांवों में शौचालय और स्वच्छ पेयजल लाने की परियोजना हेतु जुड़ा। यह तब आगे बढ़ा जब हमने स्वच्छता को बढ़ावा दिया, देश भर में शिक्षा के अवसर प्रदान किए और उन समर्थकों का उदार योगदान प्राप्त किया जिन्होंने हमारी परियोजनाओं पर अथक विश्वास जताया।

उस दरियादिली को याद करने के लिए साल का कोई भी महीना नवंबर से बेहतर नहीं हो सकता क्योंकि यह रोटरी संस्थान माह है।

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय की धर्मार्थ शाखा के रूप में, TRF उस इंजन की तरह है जो दुनिया भर की अनेक रोटरी परियोजनाओं को संचालित करता है। यह संस्थान आपके योगदानों को उन परियोजनाओं में बदलता है जो जीवन परिवर्तक होती है। यह संस्थान ही है जो हमें पोलियो उन्मूलन के हमारे लक्ष्य के करीब पहुंचने और अधिक लोगों को यह दिखाने में मदद करता है कि हम कैसे मूर्त कार्यों के माध्यम से शांति को बढ़ावा देते है और यह हमारे ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में हमारी परियोजनाओं के प्रभाव को भी प्रदर्शित करता है।

कुछ हालिया परियोजनाओं पर नज़र डालिए जिन्हें संस्थान द्वारा संभव बनाया गया था:

- ग्वाटेमाला ला रिफोर्मा, ग्वाटेमाला और कैलगरी, अल्बर्टा के रोटरी क्लबों को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए नर्सों एवं ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को प्रशिक्षित करने और ग्वाटेमाला के सात क्षेत्रों में एक स्थायी प्रणाली को लागू करने हेतु एक व्यापक योजना तैयार करने के लिए 80,000 डॉलर का वैश्विक अनुदान प्राप्त हुआ।
- होंडुरास के दो दर्जन से अधिक अस्पतालों ने अपने चिकित्सा कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण प्राप्त किए जो कि विला रियल डी तेगुसिगाल्पा, होंडुरास और वाल्डो ब्रुकसाइड-कैन्सास सिटी, मिसौरी के रोटरी क्लबों द्वारा प्रायोजित 169,347 डॉलर के वैश्विक अनुदान की वजह से संभव हो पाया।
- कोटोनऊ ले नौतिले, बेनिन और तौरनाई हाउट एस्काउट, बेल्जियम के रोटरी क्लबों को सोवे, बेनिन में बच्चों को एक केंद्र से जुड़े पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार पर्माकल्चर मिनी-फ़ार्म में कृषि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 39,390 डॉलर का वैश्विक अनुदान प्राप्त हुआ। इससे किसानों की नई पीढ़ी को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

मुझे ताजमहल से रोटरी संस्थान की तुलना करना पसंद है जो एक महिला के लिए एक पुरुष के प्रेम का स्मारक है। यह संस्थान पूरी मानवता के लिए हमारे प्रेम का एक गतिशील स्मारक है।

इस महीने मैं सभी रोटरी क्लबों से संस्थान की ओर ध्यान देने को कह रहा हूँ। यही दुनिया भर के सभी रोटेरियनों को जोड़ता है और हमारे सामूहिक उत्साह को उन परियोजनाओं में बदल देता है जो जीवन परिवर्तक होती है। *rotary.org/donate* पर जाएं; वहाँ पहुंचने पर आप सीधे उस कार्यक्रम में अपना योगदान दे सकते है जो आपके दिल के करीब है।

रोटरी को अपना सब कुछ देने के लिए धन्यवाद। आप ही वह कारण है जिससे रोटरी और अधिक करने और अधिक विकसित होने में सक्षम बन पाती है। आइए, इस महीने, इस साल और उससे आगे भी इस महत्वपूर्ण विरासत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखें क्योंकि हम *जीवन परिवर्तित करने के लिए सेवा* करते है।

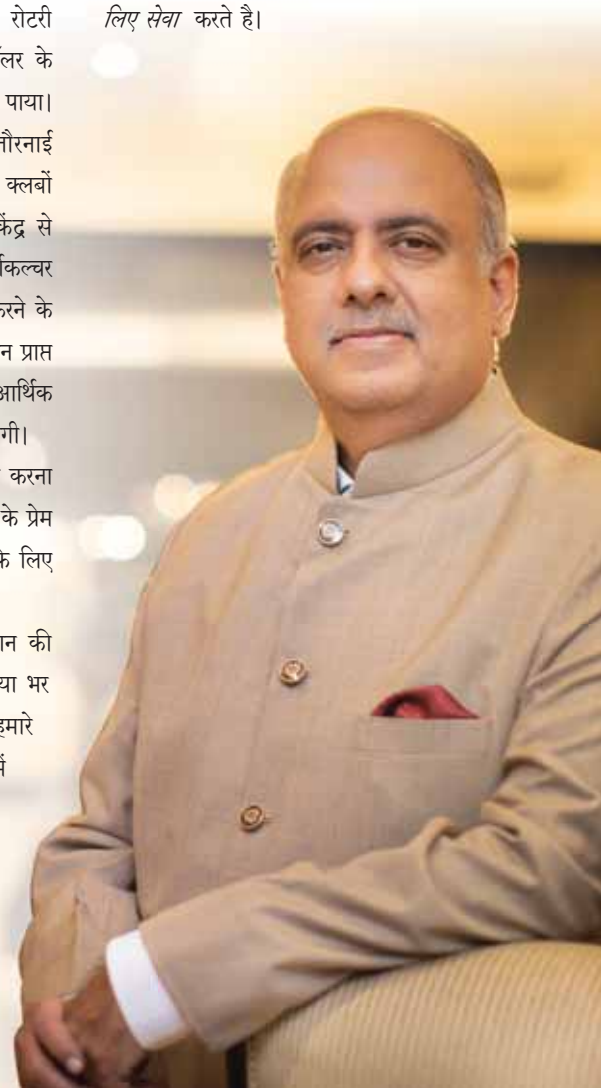

Shekhar Mehta

शेखर मेहता

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

रोटरी शैली में व्यसन से मुकाबला

आज भारत में हमारे युवा और उनके परिवार जिन समस्याओं से जूझ रहे हैं उन प्रमुख समस्याओं में से एक है तरह-तरह के नशे की लत; तंबाकू, शराब, ड्रग्स, और अब इंटरनेट। अंत में इसमें डार्क नेट भी शामिल हो गया है, जहाँ केवल विशिष्ट सॉफ़्टवेयर, कॉन्फ़िगरेशन कोड या प्राधिकृत तरीके से ही पहुंचा जा सकता है। सभी अनगिनत डरावनी, अवैध गतिविधियां जिनके बारे में आप सोच सकते हैं वो डार्क नेट पर उपलब्ध हैं और दुर्भाग्य से, ये उस युवा वर्ग को आकर्षित कर रही हैं जो निराश है, दुखी है, गुमराह है और गलत राह पर निकल चुका है और उनमें से कई तो अभी स्कूलों में ही पढ़ते हैं।

इस डार्क नेट पर, आप ब्लैक मार्केट के माध्यम से ड्रग्स खरीद सकते हैं, पोर्नोग्राफी देख सकते हैं, क्रेडिट और डेबिट कार्ड और बैंक खातों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, इस के माध्यम से असुरक्षित खाते हैक किये जा सकते है और यहां मानव तस्करी, मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त और हथियारों की भी तस्करी होती है। यहां तक कि डार्क नेट पर आत्महत्याएं भी हो चुकी है।

व्यसन की रोकथाम पर, पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी की अध्यक्षता में एक रोटरी एक्शन ग्रुप (RAG-AP) पिछले तीन वर्षों से काम कर रहा है, बेल्जियम के जोहान मार्टेंस ने दुनिया भर में नशीले पदार्थों के सेवन से लड़ाई में बहुत मशक्कत की है, विशेष कर यूरोप में। बनर्जी के नेतृत्व में काम करने वाली प्रमुख टीम, जिसका विवरण कवर स्टोरी में विस्तार से दिया गया है, जागरूकता फैलाने, रोकथाम, नशामुक्ति और पुनर्वास पर पूरी भाव प्रवणता से कार्य कर रही है।

जैसा कि पीडीजी उल्हास कोल्हाटकर (RID 3142), स्वयं एक बाल रोग विशेषज्ञ, कहते हैं कि युवाओं में नशे के अन्य तीन रूपों-तंबाकू, शराब और मादक द्रव्यों पर इंटरनेट की लत भारी पड़ रही है। कहाँ तो पहले डॉक्टर के पास आने वाले कक्षा 9 वीं 10 वीं कक्षा के 14-15 साल के छात्रों में इंटरनेट की लत नज़र आती थी, आज ये उम्र घटकर 12-13 साल तक पहुँच गई है। ''हम देख रहे हैं कि आज कक्षा सातवीं और आठवीं के बच्चों में भी पहले धूम्रपान फिर उसके बाद बीयर की लत ज़ोर पकड़ती जा रही है।''

जहां तक इंटरनेट की लत का सवाल है, मुश्किल से 5, 6 या 7 साल के छोटे बच्चे जिन के मोबाइल ज्ञान पर पहले हमें हर्षमिश्रित आश्चर्य होता था और जिसके बारे में हम अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को बता कर फूले नहीं समाते थे, आज विडंबना ये है कि यही बच्चे मोबाइल फोन और इंटरनेट की लत के शिकार हो रहे हैं। कोविड महामारी ने, माता-पिता को ये खतरनाक और व्यसनकारी उपकरण अपने बच्चों के हाथ में थमाने के लिए बाध्य कर दिया है, ऑनलाइन कक्षाओं के लिए। घरों में भी, मोबाइल फोन का उपयोग करने के लिए उन्होंने एक आयु सीमा निश्चित कर रखी थी, लेकिन अपने बच्चों की पढ़ाई के आगे घुटने टेकने पड़े हैं।

हालाँकि RAG की कोर टीम नशीले पदार्थों के व्यसन से मुकाबला कर रही है, पर हम भली भांति जानते हैं कि किसी भी रोटरी कार्यक्रम को वास्तव में प्रभावशाली बनाने के लिए, जमीनी स्तर पर या क्लब स्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता होती है। पोलियो उन्मूलन भारत में इसलिए संभव हो सका क्योंकि सम्पूर्ण राष्ट्र के रोटरी क्लब इस अभियान में शामिल हुए थे और आज भी राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवसों (NIDs) पर बच्चों के प्रतिरक्षण में सक्रीय हैं।

जैसा कि बेनर्जी और पीडीजी दीपक पुरोहित, इस परियोजना के एक अन्य शूरवीर कहते हैं, नशाखोरी या व्यसन एक खामोश क़ातिल है और कोरोना महामारी की तुलना में ये कहीं अधिक भारतीयों की जान ले रहा है, हमें इस समस्या से निपटने की जरूरत है। रोटरेक्टर और अन्य युवा भी इसमें शामिल हुए हैं और वे पोस्टर, वीडियो आदि के माध्यम से इस विकराल समस्या पर जागरूकता सामग्री तैयार कर उत्कृष्ट कार्य कर रहे है।

पीडीजी हिमांशु ठक्कर सरकार के साथ विभिन्न स्तरों पर बातचीत कर रहे हैं ताकि सरकार और रोटरी के बीच सहभागिता की जा सके और डॉक्टरों, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर मादक द्रव्यों के अभिशाप से सीधी लड़ाई लड़ी जा सके। यह लेख सुझाता है कि प्रत्येक क्लब किन साधनों का उपयोग कर कौन कौन से ठोस उपाय लागू कर सकता है, जिससे भारत में हर जाति, वर्ग और धर्म के इतने सारे परिवारों को इस तकलीफ से निजात मिल सके।

रशीदा भगत

Governors Council

RID 2981 S Balaji
RID 2982 K Sundharalingam
RID 3000 R Jeyakkan
RID 3011 Anup Mittal
RID 3012 Ashok Aggarwal
RID 3020 Rama Rao M
RID 3030 Ramesh Vishwanath Meher
RID 3040 Col Mahendra Mishra
RID 3053 Sanjay Malviya
RID 3054 Ashok K Mangal
RID 3060 Santosh Pradhan
RID 3070 Dr Upinder Singh Ghai
RID 3080 Ajay Madan
RID 3090 Parveen Jindal
RID 3100 Rajiv Singhal
RID 3110 Mukesh Singhal
RID 3120 Samar Raj Garg
RID 3131 Pankaj Arun Shah
RID 3132 Dr Omprakash B Motipawale
RID 3141 Rajendra Agarwal
RID 3142 Dr Mayuresh Warke
RID 3150 K Prabhakar
RID 3160 Thirupathi Naidu V
RID 3170 Gaurishkumar Manohar Dhond
RID 3181 A R Ravindra Bhat
RID 3182 Ramachandra Murthy M G
RID 3190 Fazal Mahmood
RID 3201 Rajasekhar Srinivasan
RID 3203 Shanmugasundaram K
RID 3204 Dr Rajesh Subash
RID 3211 Srinivasan K
RID 3212 Jacintha Dharma
RID 3231 Nirmal Raghavan W M
RID 3232 Sridhar J
RID 3240 Dr Mohan Shyam Konwar
RID 3250 Pratim Banerjee
RID 3261 Sunil Phatak
RID 3262 Santanu Kumar Pani
RID 3291 Prabir Chatterjee

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions — original content — is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced with permission and attributed to RNT.

विश्व पोलिओ दिवस पर एक स्मरण

1955 में, डॉक्टर जोनस एडवर्ड साल्क ने एक पोलियो वैक्सीन विकसित की जिसे 'सुरक्षित और प्रभावी' प्रमाणित किया गया और पांच साल बाद, अमेरिकी सरकार ने डॉक्टर अल्बर्ट साबिन द्वारा विकसित मौखिक पोलियो वैक्सीन को लाइसेंस दिया। 1979 में, रोटरी ने फिलीपींस में 6 मिलियन बच्चों के टीकाकरण की एक परियोजना के साथ पोलियो के खिलाफ अपनी लड़ाई का आगाज किया।

1985 में, रोटरी अंतर्राष्ट्रीय ने सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के लिए निजी क्षेत्र द्वारा समर्थित विश्व के प्रथम एवं सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समन्वित कार्यक्रम - पोलियोप्लस - की शुरुआत की जिसका प्रारंभिक धन संचयन लक्ष्य 120 मिलियन डॉलर था। दुनिया के लिए आंखें खोल देने वाला प्रदर्शन करते हुए, रोटेरियनों ने पोलियो उन्मूलन के लिए 240 मिलियन डॉलर जुटाए। इस प्रदर्शन ने दुनिया को जगाने एवं रोटरी की शक्ति को पहचानने पर विवश किया। 1988 में, रो ई और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल की शुरुआत की। उस समय, 125 से अधिक देशों में पोलिओ के 3,50,000 से अधिक मामले थे। 2009 में, पोलियो उन्मूलन में रोटरी का कुल योगदान 800 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। बिल और मेलिंडा गेट्स ने 355 मिलियन डॉलर के योगदान का वादा किया और रोटेरियनों को 200 मिलियन डॉलर जुटाने की चुनौती दी। इस उद्घोष के परिणामस्वरूप पोलियो उन्मूलन पहल के लिए 555 मिलियन डॉलर का संयुक्त कोष एकत्रित किया जाएगा।

2012 में, एक साल तक पोलिओ का एक भी मामला सामने नहीं आने के बाद भारत को पोलियो-स्थानिक देशों की सूची से हटा दिया गया था। 2014 में, भारत ने बिना किसी नए मामले के तीन साल पूरे किए, और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पूरे दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र को पोलियो मुक्त प्रमाणित कर दिया। 2019 में, नाइजीरिया ने पोलियो के नए मामलों के बिना तीन साल पूरे किए। आज, केवल अफगानिस्तान और पाकिस्तान का ही पोलियो से मुक्त होना बाकि है।

इन उपलब्धियों के बावजूद, रोटरी आराम से नहीं बैठ सकती। यदि हम अगले 10 वर्षों में पोलियो को पूरी तरह से जड़ से खत्म नहीं करते है, तो दुनिया भर में हर साल 200,000 नए मामलों की भयावह संभावना हमारे सामने खड़ी होगी; 99 प्रतिशत सफलता 100 प्रतिशत विफलता बन सकती है!

जिस कार्य की 10 साल में पूरा होने की उम्मीद की जा रही थी, उसमें 35 साल से अधिक का समय लगा है। अभियान के चरम के दौरान, भयावह संगठन LTTE भी पोलियो टीकाकरण के लिए श्रीलंका में संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गया था। आज, जब अफगानिस्तान अपने अशांत इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, तालिबान ने सहयोग का हाथ बढ़ाया है ताकि प्रत्येक अफ़ग़ानी बच्चे को प्रतिरक्षित किया जा सके।

विश्व पोलियो दिवस पर, मैं दुनिया के प्रत्येक रोटेरियन और रोटरी क्लब से यह याद रखने का आग्रह करता हूं कि पोलियो उन्मूलन के लिए दुनिया रोटरी को हमेशा धन्यवाद देगी। हमें इस कार्य को पूरा करना ही होगा। हमें पोलियो को दुनिया से हमेशा के लिए मिटाना ही होगा।

महेश कोटबागी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

चलिए हम कुछ बड़ा करें

हाल ही में दुनिया भर के रोटेरियनों ने विश्व पोलियो दिवस मनाया। लगभग 35 वर्षों से पोलियो उन्मूलन हमारी वैश्विक प्राथमिकता रहा है और हमनें लगभग इसे हासिल भी कर लिया है। हमारा दृढ़ संकल्प और सफलता कुछ ऐसी है जिस पर हम सभी को गर्व होता है। हालाँकि वर्तमान समय के अधिकांश रोटेरियनों को पोलियो के खिलाफ हमारी जंग में निर्णायक भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ। मैं अतीत के राष्ट्रीय टीकाकरण दिवसों को याद करता हूँ जब पूरा क्लब इसकी वकालत करते हुए बच्चों को बूथ पर लाने, या परा-चिकित्सकों की सहायता करने हेतु निकलता था। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस हम सभी को एक उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक साथ लेकर आए।

उस अनुभव को देखते हुए, मुझे लगता है कि हम सबको एक साथ आने के लिए ऐसे ही किसी मकसद की आवश्यकता है जो हमें प्रेरित करें और आने वाले वर्षों में इस संगठन को आगे ले जाए। जब तक दुनिया को पोलियो मुक्त घोषित नहीं किया जाता, तब तक रो ई द्वारा वैश्विक स्तर पर हमारे अगले प्रमुख कार्य क्षेत्र की घोषणा नहीं की जाएगी, इसलिए हमें पोलियो को समाप्त करने हेतु संसाधनों को जुटाने के प्रयासों से नज़र हटाए बिना स्वयं को उत्साहित रखने के लिए किसी अन्य गतिविधि की खोज करना चाहिए।

क्षेत्रीय रूप से क्लब या मंडल स्तर पर, हमें ऐसी गतिविधियों की पहचान करनी चाहिए जो प्रासंगिक, आवश्यक, प्रभावशाली और मापनीय हो। यह एक अस्पताल, एक स्कूल, ब्लड बैंक या एक बड़े जल स्रोत का संवर्धन या कुछ भी बड़ा और महत्वपूर्ण हो सकता है। रोटेरियनों को अपने क्षेत्र की समस्याओं की पहचान करने में सक्षम होना चाहिए। हमें छोटे-छोटे कामों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। माना कि वे लाभार्थियों के जीवन में परिवर्तन लाते है, मगर वे उस क्षमता के साथ न्याय नहीं करते जो हमारे पास एक संगठन के रूप में मौजूद है। रोटेरियनों का सामूहिक प्रयास इसके छोटे-छोटे प्रयासों के योग से बड़ा होना चाहिए। चूंकि इनमें से अधिकांश बड़ी पहलें रोटरी के सामान्य नेतृत्व कार्यकाल, एक वर्ष, में पूर्ण नहीं हो सकती, इसलिए मैं हर क्लब से आग्रह करता हूँ कि वे अपनी योजनाओं की एक स्पष्ट रणनीति तैयार करें ताकि उनके भावी नेतृत्वकर्ता उसे आसानी से समझकर उसे आगे क्रियान्वित करते रहें और कुछ बड़ा सोचने में सक्षम हो सकें।

हमें अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं को कम आंकते हुए खराब प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। हमारे अंदर मौजूद बड़ी, प्रभावशाली, उल्लेखनीय परियोजनाओं के माध्यम से समुदाय में बदलाव लाने की क्षमता ही सफलता की कुंजी है। जैसा कि कहा जाता है, जब आपका हस्ताक्षर एक ऑटोग्राफ बन जाता है तो आप सफल कहलाते है। उसी तरह, जब हमारी परियोजनाएं उल्लेखनीय परियोजनाएं बन जाती है तो रोटरी पर सबका ध्यान जाता है। शुभकामनाएं!

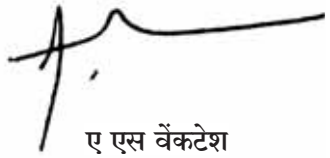

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

Board of Trustees

Shekhar Mehta — RID 3291
RI President

Dr Mahesh Kotbagi — RID 3131
RI Director &
Chairman, Rotary News Trust

A S Venkatesh — RID 3232
RI Director

Gulam A Vahanvaty — RID 3141
TRF Trustee

Rajendra K Saboo — RID 3080
Kalyan Banerjee — RID 3060
Panduranga Setty — RID 3190
Ashok Mahajan — RID 3141
P T Prabhakar — RID 3232
Dr Manoj D Desai — RID 3060
C Basker — RID 3000
Dr Bharat Pandya — RID 3141
Kamal Sanghvi — RID 3250

Executive Committee Members (2021–22)

Gaurish Dhond — RID 3170
Chairman
Governors Council

Anup Mittal — RID 3011
Secretary
Governors Council

Ramesh Meher — RID 3030
Secretary
Executive Committee

V Thirupathi Naidu — RID 3160
Treasurer
Executive Committee

Jacintha Dharma — RID 3212
Member
Advisory Committee

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Rotary News Trust
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Now share articles from
rotarynewsonline.org
on WhatsApp.

क्या आप अपने संस्थान को जानते है?

जब लोग मुझसे पूछते है कि रोटरी संस्थान क्या है, तो मैं उन्हें कहता हूं कि यह रोटरी का दिल है, एक समझदार दिल। संस्थान व्यावहारिक कार्रवाई के साथ संवेदना की हमारी भावनात्मक प्रतिक्रिया को जोड़ता है। दिल और दिमाग दोनों के माध्यम से, आप दुनिया को बदल सकते है।

नवंबर रोटरी संस्थान का महीना होता है, लेकिन क्या आप वाकई हमारे संस्थान को जानते है? सबसे पहले, यह सही मायनों में हमारा संस्थान है। रोटरी संस्थान मेरा या अन्य 14 न्यासियों का नहीं है, न ही रो ई निदेशक मंडल का है, और न रो ई अध्यक्ष का है। यह पूरी दुनिया में मौजूद हर एक रोटेरियन का है। हम माताओं और बच्चों को बचाते है, हम साफ पानी और स्वच्छता प्रदान करते है, हम बड़ी परियोजनाओं के प्रबंधन की क्षमता के साथ जोखिमपूर्ण समुदायों के लिए शांति, शिक्षा और आर्थिक स्थिरता हेतु समर्थन प्राप्त करते है।

संस्थान को देना में समझदारी भी है, क्योंकि ऐसा करने से आप उस दान के मूल्य को कई गुना बढ़ा देते है। आप ऐसे कितने संस्थानों को जानते है जो परियोजनाओं की पहचान करते है, उनका निधीयन करते है, और उसे कार्यान्वित करते है? मुझे ऐसे किसी अन्य संस्थान की जानकारी नहीं है। और यह सभी कार्य हम तुलनात्मक रूप से बहुत ही कम प्रशासनिक लागत पर करवाते है। यह एक कारण है जिसकी वजह से 'चैरिटी नेविगेटर' लगातार संस्थान को चार सितारा रेटिंग देता है।

हर साल, संस्थान में दान दें, जितना आप दें सकें उतना दें। कुछ के लिए, यह 100 डॉलर हो सकता है, और दूसरों के लिए इससे अधिक। जो बात महत्वपूर्ण है वह यह है कि आप कुछ दें, क्योंकि प्रत्येक उदार दान हमें वैश्विक अनुदान और हमारे अन्य कार्यक्रमों के लिए सदस्यों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करता है।

इस साल, हम पोलियोप्लस के लिए 50 मिलियन डॉलर जुटाना चाहते है, जो बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा हर 1 के लिए 2 में मिलाने के बाद कुल 150 मिलियन डॉलर हो जाएंगे। यदि प्रत्येक रोटरी क्लब केवल 1,500 डॉलर का योगदान दे, तो हम इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। हमारे पास अन्य लक्ष्य भी है - वार्षिक कोष, अक्षयनिधि और एकमुश्त उपहार - जिनका कुल योग 410 मिलियन डॉलर है।

एक कहावत है कि, मैं अकेला दुनिया नहीं बदल सकता, लेकिन मैं तरंगें पैदा करने के लिए पानी में एक पत्थर फेंक सकता हूं।

संस्थान वह पत्थर है, तो आइए हम अपने दिल और दिमाग का उपयोग करके इन तरंगों को बड़ी लहरों में बदल दें। फाउंडेशन ट्रस्टी चेयर

जॉन एफ जेर्म
फाउंडेशन ट्रस्टी चेयर

जीवन रक्षक का मिशन

टीम रोटरी न्यूज़

पीडीजी विजय अरोड़ा (बाएं से तीसरे) और डीजी परवीन जिंदल ने एंबुलेंस का लोकार्पण किया।

रोई मंडल 3090 के तहत, रोटरी क्लब श्री गंगानगर सिटी ने हाल ही में श्री गंगानगर के चैरिटेबल ट्रस्ट को ₹25 लाख की एक क्रिटिकल केयर एम्बुलेंस प्रदान की, जिसका उपयोग वंचितों के लिए मुफ्त किया जाएगा। यह सुविधा टीआरएफ और कैपलाबा रोटरी क्लब, ऑस्ट्रेलिया द्वारा समर्थित वैश्विक अनुदान की सहायता से प्रदान की गई थी। यह एक वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कंसंटेटर, डिफाइब्रिलेटर, बीपी मॉनिटर, नेबुलाइजर और इन्फ्यूजन पंप से लैस है, और इसका रखरखाव पूर्व अध्यक्ष शैलेश गोयल और रोटेरियन अजय झुंथरा द्वारा किया जाएगा। भानु प्रकाश इस प्रोजेक्ट चेयरमैन थे।

पीडीजी विजय गुप्ता ने डीजी प्रवीण जिंदल, पीडीजी विजय अरोड़ा, अश्विनी सचदेवा, संजय गुप्ता, डीजीएन घनशाम कंसल और डीआरएफसी धर्मवीर गर्ग की उपस्थिति में ट्रस्ट के प्रमुख रोटेरियन वीबी गुप्ता को यह वाहन सौंपा।■

District Wise TRF Contributions as on September 2021

(in US Dollars)

District Number	Annual Fund	PolioPlus Fund	Endowment Fund	Other Funds	Total Contributions
			India		
2981	31,354	736	0	151,814	183,904
2982	23,242	867	0	97	24,206
3000	3,630	11	0	1,000	4,640
3011	6,045	3,268	0	48,217	57,531
3012	16,219	3,734	25,041	158,478	203,472
3020	20,822	1,415	6,082	4,620	32,939
3030	11,641	267	15,027	0	26,935
3040	15,546	50	0	5,546	21,142
3053	2,065	200	0	0	2,265
3054	1,802	255	0	151,086	153,144
3060	29,340	149	0	59,607	89,095
3070	6,868	0	0	26,988	33,856
3080	7,006	3,304	0	703	11,013
3090	11,564	0	2,000	0	13,564
3100	6,574	0	0	0	6,574
3110	3,020	0	0	0	3,020
3120	7,542	0	0	0	7,542
3131	149,921	11,202	0	123,724	284,847
3132	8,132	800	5,000	507	14,439
3141	211,066	397	50,000	147,769	409,232
3142	114,462	344	8,145	24	122,975
3150	8,899	3,260	0	4,607	16,765
3160	4,414	423	17,264	0	22,100
3170	23,431	5,437	1,710	9,735	40,312
3181	4,347	30	0	0	4,377
3182	5,342	0	0	0	5,342
3190	42,584	4,728	30,411	0	77,723
3201	25,871	2,220	0	104,601	132,692
3203	14,149	9,948	6,086	132,702	162,884
3204	991	38	0	1,036	2,065
3211	12,280	280	0	10,632	23,193
3212	7,998	218	1,036	588	9,840
3231	5,952	647	0	2,851	9,450
3232	25,463	11,721	16,501	127,160	180,845
3240	15,123	2,123	0	2,597	19,844
3250	2,021	672	1,036	1,685	5,414
3261	3,645	24	0	0	3,669
3262	1,643	51	0	0	1,694
3291	43,700	1,022	11,171	0	55,893
India Total	**935,714**	**69,840**	**196,509**	**1,278,375**	**2,480,438**
3220 Sri Lanka	32,132	5,483	1,510	1,000	40,125
3271 Pakistan	308	316	0	3,155	3,780
3272 Pakistan	12,495	10,293	0	0	22,788
3281 Bangladesh	11,371	2,145	12,000	16,399	41,916
3282 Bangladesh	4,595	120	1,000	500	6,215
3292 Nepal	19,715	3,907	0	60,856	84,477
South Asia Total	**1,016,330**	**92,105**	**211,019**	**1,360,285**	**2,679,739**

Annual Fund (AF) includes SHARE, Areas of Focus, World Fund and Disaster Response. AF contributions count towards club annual giving goals and are included in per capita amounts. **Source:** RI South Asia Office.

एक रोटरी एक्शन ग्रुप व्यसन का मुकाबला करता है

रशीदा भगत

रोटरी एक्शन ग्रुप फॉर एडिक्शन प्रिवेंशन (RAG-AP) की वैज्ञानिक समिति के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष जोहान मार्टेंस ने जब मुझे इस एक्शन ग्रुप की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया, उन्हें लगा कि इस उद्देश्य के लिए मैं अधिकाधिक रोटेरियन को आमंत्रित कर इसमें जोड़ सकता हूँ, मैंने अपना ध्यान भारत पर केंद्रित करने का निश्चय किया क्योंकि मादक द्रव्यों की लत ने विकराल रूप धारण कर लिया है'', पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी ने ये कहते हुए जानकारी दी कि यूरोप के कई राष्ट्रों में रोटरी ने इस क्षेत्र में बहुत प्रशंसनीय काम किया है।

यह बात तीन साल पहले की ह; बेनर्जी ने दो पूर्व रो ई अध्यक्षों - जोनाथन मजीयाबे और गैरी हुआंग को उस बोर्ड में शामिल किया, भारत में एक कोर टीम का गठन किया और भारत के सभी रो ई मंडलों को पत्र भेजे, जिसमें रोटेरियनों को इस मुहीम में गंभीरता से शामिल होने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। ''हम एक ऐसा राष्ट्र हैं जहां तंबाकू, शराब, नशीले पदार्थों का सेवन एक बड़ा मुद्दा है जहां बड़ी संख्या में लोग नशे के शिकार हो रहे हैं। नशे की लत एक बढ़ता हुआ अभिशाप है जिससे सख्ती से निपटने की जरूरत है।''

लेकिन जैसे ही भारत में मादक द्रव्यों के व्यसन से निपटने के लिए रोटरी क्लबों को शामिल करने की शुरुआत हुई, उसी समय ये देश कोरोना महामारी की चपेट में आ गया और जैसे ही रोटेरियनों कोविड से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने लगे, ये प्रयास पीछे चले गए। परन्तु अब 40 रो ई मंडलों में से 20 ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की है, बेनर्जी कहते हैं।

''मेरा मुख्य उद्देश्य है भारत के प्रत्येक रोटरी मंडल में मादक द्रव्यों के सेवन और नशे की रोकथाम पर काम करने के लिए एक कोर ग्रुप का गठन करना है। यह सच है कि आज भारत में कोविड से मरने

रोटरी एक्शन ग्रुप एडिक्शन प्रिवेंशन प्रोग्राम, ठाणे में पीडीजी उल्हास कोल्हाटकर (बाएं से तीसरे)।

स्कूली छात्रों के लिए रोटरी क्लब सोलन, RID 3080 द्वारा नशामुक्ति संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

वालों की संख्या से कहीं ज्यादा लोग विभिन्न प्रकार के व्यसनों से काल के ग्रास बन रहे हैं। यह एक ऐसी भीषण समस्या है जिसके बारे में इससे प्रभावित लोगों और इससे पीड़ित परिवारों को छोड़कर ज़्यादातर लोग इस बारे में बात नहीं करते या इसकी चिंता नहीं करते हैं। मेरा मानना है कि अब इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि खासकर बच्चों और युवाओं में नशे की लत की संभावना अधिक रहती है'', उनका कहना हैं।

तीन पीडीजी, जो बेनर्जी के साथ कॉरपोरेट्स, अन्य समूहों और सरकार के साथ साझेदारी कर समाज के बड़े तबके में विभिन्न प्रकार के व्यसनों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने और नशा मुक्ति केंद्र बनाने के लिए काम कर रहे हैं, वे हैं पीडीजी उल्हास कोल्हाटकर (RID 3142) और पीडीजी हिमांशु ठक्कर (RID 3060) पीडीजी दीपक पुरोहित (RID 3131)। ''कोल्हटकर, स्वयं एक बाल रोग विशेषज्ञ हैं, उन्होंने छात्रों से बात करके, विशेष रूप से RID 3142 में और भारत में नशे की रोकथाम पर पहले से ही काम कर रहे अन्य समूहों को शामिल करके उल्लेखनीय काम किया है। पीडीजी पुरोहित भी छात्रों, शिक्षकों से बात कर, उन्हें शिक्षित करने के विभिन्न प्रयासों में शामिल हैं और छात्रों के बड़े समूहों से बात कर उन्हें नशे के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करने के लिए कार्यरत हैं'', बेनर्जी कहते हैं।

पीडीजी कोल्हाटकर, युवा और छोटे बच्चों में हर तरह के व्यसनों से बढ़ रही बीमारी को ले कर गंभीर रूप से चिंतित हैं; ''इसलिए अपना ध्यान हम स्कूली बच्चों पर केंद्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। निरपवाद रूप से, किसी भी प्रकार के व्यसन की शुरुआत सबसे पहले, विशेषकर बच्चों में, तम्बाकू से; दूसरी शराब से और इसके बाद ड्रग्स से होती है।''

बेनर्जी हस्तक्षेप करते हैं, ''आज, अफीम और अन्य दवाओं, तंबाकू और शराब के अलावा, छोटे बच्चों में बढ़ती हुई सबसे खतरनाक लत है इंटरनेट। इस लत की वजह से डार्क नेट पर कुछ युवाओं ने तो आत्महत्या तक कर ली है, जिसका समाधान खोजने की तुरंत आवश्यकता है। चिंता का विषय एक और भी है कि बच्चे हर समय या तो गेम खेल रहे हैं या पोर्नोग्राफी देख रहे हैं। लत कैसी भी हो, इंटरनेट हमारे देश में कुछ समूहों में अत्यधिक नशे की लत के रूप में उभरा है।''

वे बताते हैं कि पंजाब के साथ महाराष्ट्र सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक है, ''जैसा कि फिल्म उड़ता पंजाब में दिखाया गया है। हाँ, अच्छी खबर यह है कि नशे की रोकथाम पर काम कर रहे पंजाब के रोटेरियन मनमोहन सिंह पंजाब के नए सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के भाई हैं और रोटरी और सरकार के बीच हर जगह ऐसे सम्बन्ध स्थापित हो रहे हैं, जो काफी सहायक है।''

बेनर्जी कहते हैं कि भारत में मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम पर कार्य करने वाली रोटरी कार्यकारी समिति के एक मुख्य सदस्य सूरत के पीडीजी हिमांशु ठक्कर, RID 3060 से हैं। ''वह और उनकी पत्नी पिछले 20 वर्षों से गुजरात में नशामुक्ति पर काम कर रहे हैं और विशेष रूप से उन लोगों पर ध्यान दे रहे हैं जो नशा छोड़ चुके हैं और उन्हें नशे से दूर रहने में मदद कर रहे हैं। जैसा कि हम जानते हैं, नशे की लत दुबारा ना लग जाए इसके लिए व्यक्ति को लगातार सहायता की आवश्यकता पड़ती है और नशा छोड़ चुके व्यक्ति अपने अनुभव से भविष्य में नशे के गर्त में धकेले जा सकने वाले लोगो को जागरूक करने, इसके खतरे बताने और उन लोगों

तक संदेश पहुंचाने के सबसे अच्छे माध्यम हैं।''

कोल्हाटकर कहते हैं कि युवाओं के बीच अन्य तीन प्रकार के व्यसनों - तंबाकू, शराब और नशीली दवाओं की तुलना में अब इंटरनेट ने बढ़त ले ली है। पहले कक्षा 9 या 10 के 14-15 साल के छात्रों को इंटरनेट की लत पड़ती थी, लेकिन अब ये उम्र घटकर 12-13 साल हो गई है जो भयावह है। अब हम देख रहे हैं कि सातवीं और आठवीं कक्षा के बच्चे पहले तंबाकू के आदी होते हैं, और फिर बीयर इत्यादि के ...''

और जहां तक इंटरनेट की लत का सवाल है, वह तो अब 5 से 8 साल के बच्चों में भी पनप रही है, ''विशेष रूप से कोविड के दौरान ऑनलाइन चलने वाली कक्षाओं के कारण बच्चों को उनके घर में ही मोबाइल फोन की सुविधा मिल रही है जबकि पहले माता-पिता बच्चों को उन्हें सेल फोन देने के सख्त खिलाफ थे।''

व्यसन की रोकथाम के लिए अब RAG द्वारा सुझए गए, कई रोटरी मंडल मनोचिकित्सकों, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों और अन्य लोगों के लिए अनिवार्य रूप से नशा मुक्ति पर कार्यशालाएं आयोजित कर रहे हैं, और कोल्हाटकर ने बताया कि हाल ही में एक प्रशिक्षण सेमिनार ''हमारी पहल **हेल्थ कनेक्ट** के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था, वहां प्रतिभागियों ने 7, 8 और 9 साल के बच्चों के डार्क नेट के आदी होने के जो किस्से सुनाये वो वास्तव में तकलीफदेह था।''

चाइल्ड स्पेशलिस्ट कहते हैं, चिंता का विषय यह है कि मेरे पास रोज ऐसे बच्चे आते हैं जो मोबाइल फोन के आदी होते जा रहे हैं। अभी उन्हें व्यसन की श्रेणी में नहीं डाला का सकता क्योंकि वर्गीकरण करने के लिए यह अवधि बहुत कम है, लेकिन लक्षण साफ़ नज़र आ रहे हैं। वे चिड़चिड़े हो रहे हैं, स्थिर नहीं हैं और उनमें एडीएचएस (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी सिंड्रोम) के लक्षण परिलक्षित हो रहे हैं और उनमें से कुछ को एएसडी (ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर) के रूप में चिन्हित किया जा रहा है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वे वास्तव में इस के अंतर्गत आते हैं या फिर हम इसे इंटरनेट की लत के लक्षण समझें।''

PRIP बेनर्जी कहते हैं कि जैसे ही RAG ने नशे की रोकथाम पर काम शुरू किया, ''हमने पाया कि मुंबई के छात्रों में, नशीली दवाओं के सेवन की जबरदस्त लत है, विशेष कर झुग्गी झोंपड़ियों में। सबसे भयावह बात यह है कि झुग्गी-झोपड़ी के बच्चे भी नशे के आदी हो रहे हैं और मुंबई की झुग्गियों में वेंडर और पेडलर्स हर तरफ फैले हुए हैं। वे हर नुक्कड़ पर मौजूद रहते हैं। नतीजा ये कि झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के हाथ जो भी लगे, उसे बेच कर ड्रग्स खरीदने के लिए चुरा लेते हैं। पिता द्वारा अर्जित धन या परिवार के लिए भोजन खरीदने के लिए माँ द्वारा अलग रखे हुए रुपये भी, नशे के आदी ये बच्चे चुरा लेते हैं। माता-पिता बिल्कुल भी नियंत्रण नहीं रख पाते।''

कोल्हाटकर बताते हैं, ''बहुत सारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की ज़रुरत हैं। प्रशिक्षण की पद्धति के बारे में, वे कहते हैं, हम **स्कूल कनेक्ट** नामक एक कार्यक्रम विकसित कर रहे हैं और पहले चरण में यह चिकित्सकों, मनोचिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों को प्रशिक्षित करेगा ताकि हम कम से कम 50 लोगों को प्रशिक्षित कर सकें। यह पहला कदम है। ये लोग स्कूलों में जा कर पीटीए की बैठकों और शिक्षकों को संबोधित करेंगे; बाद में प्रशिक्षित करने के लिए हमारे पास अलग-अलग मॉड्यूल हैं। इसके बाद रोटेरियनों को प्रशिक्षित किया जाएगा और रोटरी के हस्तक्षेप के बाद छात्रों का प्रशिक्षण शुरू किया जायेगा। इसमें नशे की लत में पड़े बच्चों का पता

जुआन अल्वारेडो

आंकड़े साझा करते हुए, वे कहते हैं, चिंता का बड़ा कारण ये है कि भारत में, 20-30 आयु वर्ग का लगभग एक तिहाई या 33 प्रतिशत व्यस्क युवा तंबाकू सेवन का आदी हैं। ''इसके अलावा, आज दुनिया में धूम्रपान करने वालों की 12 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है; हमारी जनसंख्या का लगभग 27.5 करोड़ केवल तंबाकू का आदी है। इसलिए समस्या बहुत विकराल है। और तंबाकू हर तरह के कैंसर का मुख्य कारण प्रमाणित हुआ है।''

पुरोहित ने एक और चौंकाने वाला आंकड़ा दिया कि ''केवल पिछले तीन वर्षों में, भारतीयों युवाओं में शराब की खपत में तीन गुना वृद्धि हुई है। भारत में लगभग 62.5 मिलियन शराब के आदी हैं सामाजिक शराब सेवन नहीं बल्कि शराब की लत, जिसका सीधा सम्बन्ध लीवर सिरोसिस से है।''

विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों की लत के सम्बन्ध में भी ऐसे ही चौंकाने वाले आंकड़े सामने आते हैं। सिर्फ पिछले 10 वर्षों में, भारत में नशीले पदार्थों की लत में **30 प्रतिशत की वृद्धि** दर्ज की गई है। एक आँकड़ा कहता है कि पंजाब के 60 प्रतिशत से अधिक युवा किसी न किसी रूप में ड्रग्स ले रहे हैं, दुनिया में हर साल 600,000 लोग नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं के कारण मर रहे हैं, इसलिए नशा और मादक द्रव्यों का सेवन कोरोना से भी कहीं बड़ी समस्या है।

इन आंकड़ों की पृष्ठभूमि में, पुरोहित कहते हैं, ''पूर्व रो ई अध्यक्ष बेनर्जी के नेतृत्व में हमने 2020 की शुरुआत में मादक द्रव्यों के सेवन पर काम करने के लिए भारत में रोटरी मंडलों से संपर्क किया था। लगभग 20 ने इस में रुचि दिखाई थी। लेकिन फिर महामारी आ गई और स्कूल, कॉलेज लगाना शामिल होगा और इसके पश्चात नैदानिक मनोवैज्ञानिकों की मदद से इन बच्चों की लत छुड़ाने का काम शुरू हो जाएगा। इस सब की योजना तैयार है'', उन्होंने आगे कहा।

पीडीजी पुरोहित कहते हैं, ''2019 से - आज तीन साल हो गए - हम नशे की रोकथाम पर काम कर रहे हैं। जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो हमें आश्चर्य होता है कि अभी तक अपने समाज में व्यसन की इस गंभीर समस्या पर हमारा ध्यान क्यों नहीं गया। रोटरी में हम कई अलग-अलग फोकस क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं लेकिन मंडल के हमारे नियमित सामुदायिक सेवा कार्यों में व्यसन की रोकथाम से सम्बंधित कोई काम नहीं हो रहा। जब हमने इस पर काम करना शुरू किया तब जाकर हमें इस समस्या की गंभीरता का एहसास हुआ।''

रोटरी क्लब भोर-राजगढ़, RID 3131 द्वारा आयोजित एक पोस्टर प्रतियोगिता।

व्यसन के लक्षण

मैंने पीडीजी उल्हास कोल्हाटकर से पूछा कि आखिर एक माता-पिता को कैसे पता चले कि उनका बच्चा नशे की गिरफ्त में है, क्योंकि कई माता-पिता के पास ये जानने का कोई सुराग नहीं है, तो माता-पिता को चेतावनी देने के लिए वो कौन से लक्षण हैं जिनसे मालूम चले कि उनके बच्चे को किसी प्रकार का व्यसन है?

उनका उत्तर: ''सबसे पहले, नियमित अध्ययन करने में बच्चे रूचि नहीं लेंगे। अन्य संकेत हैं नींद न आना या अनिद्रा क्योंकि इनमें से कई बच्चे ज्यादातर रात के समय, सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम या डार्क नेट पर रहते हैं, जब माता-पिता सो रहे होते हैं।''

तीसरा लक्षण, जिस पर ध्यान देना चाहिए, वह यह कि ''चूंकि वे ऑनलाइन पर बहुत अधिक रहते हैं, अत्यधिक इंटरनेट पर रहने के कारण, वे एनोरेक्सिया से ग्रस्त हो जाते हैं या उनमें भूख में कमी हो जाती है। साथ ही धीरे-धीरे, उनके शैक्षिक स्तर में कमी होने लगती है, उनके ग्रेड कम हो जाते हैं और बच्चा उत्कृष्ट से औसत से खराब स्तर पर पहुँच जाता है और अंत में परीक्षा में फेल हो जाता है। अमूमन बच्चों में व्यसन की यात्रा इसी प्रकार रहती है।''

वह स्वीकार करते हैं कई माता-पिता में डिनायल सिंड्रोम होता हैं जो पहले तो कहते हैं कि हमारे बच्चे को किसी भी तरह की लत नहीं लग सकती। लेकिन निर्विवाद रूप से जब शिक्षक को बच्चे में जब कुछ लक्षण दिखेंगे तो वे और छात्र और माता-पिता दोनों से पूछेंगे। ''आम तौर पर पहले तो माता-पिता इस बात से इनकार कर देते हैं कि उनका बच्चा व्यसनी हो सकता है। इसके बाद, सांस्कृतिक वर्जनाएँ आती हैं और माता-पिता कहते हैं कि मैंने अपने बच्चे को बहुत अच्छी तरह से पाला है, परिवार के मूल्यों और शुद्ध संस्कारों के साथ बड़ा किया है, आदि, और ड्रग्स को तो ये बिलकुल भी हाथ नहीं लगाएगा। इसलिए हम उन्हें काउंसलरसे मिलने के लिए कहते हैं, जो माता-पिता को समझाता है कि बच्चे में किन किन लक्षणों को पर ध्यान देना है। बच्चे को डांटने या उसे भूखा रख सज़ा देने से कोई फायदा नहीं है; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।''

माता-पिता को प्रशिक्षित और दक्ष व्यक्तियों द्वारा एक व्यसनी बच्चे को संभालने की उचित तकनीक सिखाई जानी चाहिए... और बच्चा ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है। उन्होंने कहा कि उचित देखभाल, प्यार और स्नेह से बच्चे की नशे की लत छुड़ाई जा सकती है।

इसीलिए काउंसलिंग जरूरी है। निजी स्कूलों में काउंसलर उपलब्ध रहते हैं, लेकिन वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण, नगरपालिका और सरकारी स्कूलों में नहीं होते। हाँ, ''लेकिन निजी स्कूलों में, विशेष रूप से सीबीएसई और आईसीएसई स्कूलों में, परामर्शदाताओं को रखना लगभग अनिवार्य हो गया है, वे कहते हैं। लेकिन सरकारी और क्षेत्रीय भाषा के स्कूलों में, स्थानीय रोटरी क्लबों की मदद से हम परामर्शदाताओं की सेवाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रहे हैं।''

बंद हो गए।'' यह कार्य क्योंकि स्कूलों और कॉलेजों के साथ मिल कर और उनके माध्यम से किया जाना है, हमने प्रशिक्षणदेने और जागरूक करने के लिए जूम और इंटरनेट का सहारा लिया और एक रोटरी वेबसाइट *rotaryaddictionprevention.org* बनाई। यह चालू है और आसान परियोजनाओं का सुझाव देती है जिन्हें हमारे क्लब कर सकते हैं खुद की वेबसाइट खुद के लिए।''

मंडलों ने जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर प्रतियोगिताएं भी आयोजित की हैं जिसे आशातीत समर्थन मिला है, ''जिसका तात्पर्य है कि इसमें लोगों की रुचि है। इसके आलावा वीडियो प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं; व्यसन की रोकथाम पर रोटारैक्टर्स द्वारा बनाये गए 2.5 मिनट के वीडियो ने भी अच्छा प्रभाव डाला है'', उन्होंने आगे कहा।

RID 3131 में एक रोटेरियन द्वारा नशा मुक्ति केंद्र की शुरुआत हो गई है जहां 50 बच्चों का इलाज चल रहा है।

वर्तमान में, यह RAGअपना ध्यान जागरूकता बढ़ाने और रोकथाम पर केंद्रित कर रहा है और उन क्षेत्रों की पहचान कर रहा है जहां रोटरी क्लब और उनके सदस्य काम कर सकते हैं। हमें क्लबों को ऐसे प्रोजेक्ट मुहैया कराने होंगे जो आसान हों और जिसमें क्लब रोटारेक्टर्स को भी शामिल कर सकें, क्योंकि वे एक बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। हमने कुछ पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार किए हैं जिन्हें हमारी वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है और क्लब या डिस्ट्रिक्ट मीट में प्रदर्शित किया जा सकता है।

बेनर्जी कहते हैं कि ''मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम पर काम करने वाले और रोटेरियन का मार्गदर्शन करने वाले चिकित्सकों और विशेषज्ञों से संपर्क बनाये रखने के अलावा, हम अन्य गैर-रोटरी व्यसन निवारण समूहों जैसे अल्कोहलिक्स एनोनिमस और नारकोटिक्स एनोनिमस के संपर्क में हैं।''

कोल्हाटकर कहते हैं, ''हमने एक राष्ट्रीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति का गठन किया, जिसमें

पॉल नोरोन्हा

डॉ प्रतिमा मूर्ति, निदेशक निम्हंस, बेंगलुरु जैसे बड़े नाम और अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। । इन लोगों ने दो महीने तक दिन-रात काम किया है और दो खूबसूरत कार्यक्रम बनाए हैं - **हेल्थ कनेक्ट** और **स्कूल कनेक्ट** और हमारी राष्ट्रीय समिति के लिए अगला कार्यक्रम है **रोटेरियन कनेक्ट**।''

लेकिन, बेनर्जी कहते हैं, ''हमारा अंतिम संवाहक क्लब ही है, क्योंकि अंततः रोटरी के सभी कार्य क्लब के स्तर पर होते हैं। हम इस पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि किस प्रकार स्वयंसेवकों का आधार तैयार कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाए ताकि वे इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए तैयार हो सकें।''

कोल्हाटकर कहते हैं कि खुद कभी नशे के आदी रहे जो रोटेरियन ये लड़ाई जीत चुके हैं, जब वो नेतृत्व करने के लिए आगे आते हैं, तो बहुत फर्क पड़ता है। ''उदाहरण के लिए, हमारे बहुत वरिष्ठ व्यसन निवारण नेताओं में से एक खुले आम कहते हैं कि 30 साल पहले उन्हें शराब की लत लग गई थी लेकिन अब इस बुराई से छुटकारा पा चुके है, और वह हमारे मंडल के लिए बहुमूल्य सदस्य हैं।'' प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा, मूलभूत सुविधाएं और परिसर उपलब्ध करवाने के लिए कॉर्पोरेट भागीदारी की जा रही है। ''हमारे सहभागियों ने हमारे सभी नशामुक्ति कार्यक्रमों को प्रायोजित करने का आश्वासन दिया है।''

PRIP बेनर्जी कहते हैं कि ''नशे की रोकथाम में सरकार भी बहुत सक्रिय है और लगभग हर जिले में एक नशामुक्ति केंद्र है जो समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा चलाया जाता है, और पीडीजी हिमांशु ठक्कर उनके साथ काम करने की कोशिश कर रहे हैं।''

मादक द्रव्यों के नशे से लड़ने के लिए रोटेरियन, रोटरेक्टर्स जो लोगों को एक मंच पर लाने और उनका मार्गदर्शन करने के महत्व पर ज़ोर देते हुए, वे कहते हैं कि ''यह पहल विशेष रूप से महिलाओं के लिए बड़ी महत्वपूर्ण थी, क्योंकि पति जब नशे के आदी हो जाते हैं, तो सबसे ज्यादा तकलीफ और नुकसान

क्लब क्या कर सकते हैं

पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी, जो मादक द्रव्यों के सेवन पर रोटरी इंटरनेशनल के एक्शन ग्रुप के प्रमुख हैं ने क्लबों को तंबाकू, ड्रग्स, शराब, डार्क नेट आदि नशे की लत के मूल कारण समझने के लिए ये सुझाव दिए है।

इस कार्यक्रम में क्लब इस प्रकार जुड़ सकते हैं:

- सदस्यों को संबोधित करने के लिए बाहरी विशेषज्ञों को आमंत्रित करके उनके लिए व्यसन परिचय कार्यक्रम आयोजित करें।
- एक लघु व्यसन निवारण समिति का गठन करें।
- तंबाकू और इंटरनेट नशामुक्ति के क्षेत्र में AA (अल्कोहल एनोनिमस), NA (नारकोटिक्स एनोनिमस) या अन्य विशेषज्ञों की मदद से जागरूकता व्याख्यान आयोजित करें।
- प्रतियोगिताएं आयोजित करें - पोस्टर, निबंध, कविताएं, वीडियो आदि।
- जागरूकता रैलियां निकालें।
- साइबर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित करें (यहां RAG मदद कर सकता है)
- स्वास्थ्य शिविरों या प्रदर्शनियों का आयोजन करें।
- मैराथन साइक्लोथॉन, वॉकथॉन आदि का आयोजन करें।
- तंबाकू या शराब मुक्त होने पर छोटे संस्थानों, संगठनों को प्रमाण पत्र जारी करें।
- 'रोटरी एडिक्शन प्रिवेंशन चैंपियन अवार्ड्स' देकर अलग-अलग रोटेरियन की सेवाओं को मान्यता दें।
- नशामुक्ति क्लीनिक, पुनर्वास केंद्र आदि प्रारम्भ करें।

पत्नियों का ही होता है। हम जानते हैं कि उत्तर पूर्व में भी हमारे लिए ये बड़ी समस्या है और मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पूर्वोत्तर में असम, मेघालय, आदि जैसे स्थानों में हमारे रोटेरियन बहुत सक्रिय हैं और इसमें संलग्न हैं। दक्षिण में हम हैदराबाद के रोटरी मंडलों के साथ बेहतर संबंधों की उम्मीद कर रहे हैं।''

रोटरी क्लब ऑर्किड सिटी शिलांग की पूर्व अध्यक्ष, RAG-AP की एक कोर कमेटी सदस्य, डॉ जूडिता सिमलीह कहती हैं,''यह समस्या लंबे समय से मणिपुर और मिजोरम में व्याप्त थी, और अब हम शिलांग में भी नशे की लत देख रहे हैं। हम रोटेरियन्स को संवेदनशील बनाने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं इस क्षेत्र में काम करने की जरूरत पर समितियों का गठन किया गया है स्थानीय स्तर पर, और सरकार के साथ साझेदारी बनाने की भी कोशिश कर रहा है।''

1989 से ही, पीडीजी ठक्कर और उनकी पत्नी अरुणा, जो एक प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ता हैं, नशा मुक्ति पर लगातार कार्य कर रहे हैं, उन्होंने सूरत में एक एनजीओ की स्थापना की है - परिवर्तन डी एडिक्शन एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर। ठक्कर कहते हैं,''अरुणा को व्यसनी लोगों के साथ काम करने का अच्छा अनुभव है और 1989 से अभी तक उन्होंने लगभग 25,000 लोगों की संभाल की होगी।''

एनजीओ शुरू करने के बाद, जब अरुणा ने व्यसनी लोगों पर काम करना शुरू कर दिया, तब ठक्कर ने भारत सरकार से संपर्क कर मदद माँगी और परिणाम यह हुआ कि ''सरकार ने परिवर्तन को अनुदान कार्यक्रम के रूप में मान्यता दे दी है, और इसकी कार्य प्रणाली विकसित करने के आलावा मैं विभिन्न मुद्दों पर सरकार के साथ समन्वय करता हूं और व्यसन मुक्ति में अपना अनुभव और समृद्ध करता हूँ।''

उनका कहना है, ''बड़ी विडम्बना ये है कि ज्यादातर लोग यह नहीं समझते हैं कि आज किसी भी तरह की लत का इलाज संभव है, और इसी बारे में हम रोटेरियन को लोगों में जागरूकता पैदा करनी है। क्योंकि एक व्यसनी का इलाज करके हम सिर्फ एक जीवन ही नहीं बचा रहे, बल्कि एक परिवार भी खुशहाल बना रहे हैं। परिवर्तन के लिए यही हमारा लक्ष्य है, और यही रोटरी प्रोजेक्ट का भी होना चाहिए।''

इस युगल के पास कई दशकों का विशाल अनुभव है जिसमें स्किट, कठपुतली शो, नुक्कड़ नाटक, स्कूल और कॉलेज छात्रों के लिए कार्यशालाएं, रोड रैलियां और इसके आलावा किसी भी तरह के नशामुक्ति कार्यक्रम के लिए ज़रूरी विभिन्न कौशल विकसित करना शामिल हैं।

पीडीजी याद करते हैं कि 1995-96 में जब वे गवर्नर थे, अरुणा ने नशे की रोकथाम और उपचार दोनों पर जागरूकता पैदा करने के लिए हमारी क्लबों की यात्रा के दौरान, ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों का संचालन करने के लिए रोटारैक्टर्स और इनर व्हील सदस्यों की सहायता लेना तय किया था।

RAG - AP, समिति के अध्यक्ष, PRIP कल्याण बेनर्जी, समिति के सदस्यों के साथ। पीडीजी गण पिंकी पटेल, हिमांशु ठक्कर, उल्हास कोल्हाटकर, दीपक पुरोहित और अजय गुप्ता भी चित्र में शामिल हैं।

पीडीजी याद करते हैं कि 1995-96 में जब वे गवर्नर थे, अरुणा ने नशे की रोकथाम और उपचार दोनों पर जागरूकता पैदा करने के लिए हमारी क्लबों की यात्रा के दौरान, ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों का संचालन करने के लिए रोटारैक्टर्स और इनर व्हील सदस्यों की सहायता लेना तय किया था।

भारत में इस अभिशाप की रोकथाम और उपचार के लिए रोटरी कितनी प्रभावशाली हो सकती है: ये जोशीले समाज सुधारक इस सवाल का जवाब यूं देते हैं, रोटरी वो कर सकती है जो हमने पोलियो के लिए कर दिखाया है, और इसके लिए हमें मंडल के शीर्ष नेतृत्व को शामिल कर इस परियोजना पर उनके साथ काम करना होगा। उनका सुझाव है कि हैं कि प्रत्येक मंडल को तीन साल के लिए एक अध्यक्ष नियुक्त करना चाहिए, ''और सभी क्लबों में इस उद्देश्य के लिए समर्पित समितियां गठित की जानी चाहिएं। इसके बाद नशे की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करते हुए, समाज में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए हम, लोगों को चयनित कर उन्हें प्रशिक्षित कर सकते हैं जो बहुत ज़रूरी है।'' नशे के तीन चरण होते हैं - प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक - और इस तृतीयक चरण में नशामुक्त व्यक्ति का उपचार, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में जुड़ाव आता है। ''अंत में, रोटरी वास्तव में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।''

ठक्कर कहते हैं कि वह पहले से ही ''RAG के इस प्रयास में भागीदार बनने के लिए वे भारत सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं, हमारे जागरूकता अभियानों का समर्थन कर, हमें क्षेत्रीय भाषाओं में रोकथाम की अतिरिक्त सामग्री उपलब्ध करने और हमारे स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए। सरकार इस पहल में रोटरी का सहयोगी बनने के लिए बहुत उत्साहित है, मंत्री इसकी बहुत सराहना करते हैं और आशान्वित हैं, लेकिन सरकार कुछ समय तो लेती ही है!''

पीडीजी पुरोहित कहते हैं कि फिलहाल RAG का उद्देश्य अधिक से अधिक रोटरी क्लबों तक पहुंच कर सदस्यों को यह समझाना है कि मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ यह लड़ाई कितनी ज़रूरी है। हालांकि, ''अभी तक यह रोटेरियन की गतिविधि का केंद्र नहीं बन पाया है; जहां अभी यह शुरुआती दौर में है वहां हमें उन्हें किसी भी तरह के नशे की लत को छोड़ने के लिए, शुरू में ही प्रेरित करने की आवश्यकता है और जहां यह पहले बढ़ चुकी है वहां इसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है। खुशी की बात ये है कि हमारे रोटरेक्टर पहले से ही हमारे 'कनेक्ट' कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूलों और कॉलेजों के संपर्क में हैं, क्योंकि यही वो मुख्य स्थान हैं जो बुरी आदतों की जन्म स्थली है।''

जैसा कि बेनर्जी बताते हैं, ''रोटरी के पास संसाधन और लोग दोनों हैं, लेकिन हमारे पास माध्यम का अभाव है और हम इसी कमी को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से लड़ने के तरीकों में से एक है, कम से कम, आंशिक रूप से सही, व्यसन मुक्ति के लिए समर्पित क्लब की स्थापना। मुंबई में 30 सदस्यों के साथ, एक कारण-आधारित हाइब्रिड क्लब - रोटरी क्लब ऑफ एडिक्शन प्रिवेंशन - की शुरुआत हो चुकी है।''

रोटारेक्ट क्लब हिमायतनगर ने शराब के खिलाफ एक विस्तृत जागरूकता कार्यक्रम चलाया जो RAG-AP टीम और इनर व्हील क्लब द्वारा सुनियोजित किया गया था।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

नशामुक्ति प्रयास में RAG की महत्वपूर्ण शुरुआत

रशीदा भगत

मादक द्रव्यों के सेवन पर लगाम कसने में दो क्लब वास्तव में कामयाब हुए हैं, रोटरी क्लब ऑफ़ मुंबई घाटकोपर (RCMG), RID 3141 और रोटरी क्लब हैदराबाद मिडटाउन (RID 3150)। मुंबई में एक कारण-आधारित हाइब्रिड क्लब की शुरुआत की गई - रोटरी क्लब एडिक्शन प्रिवेंशन जिसे RCMG ने प्रायोजित किया है और इसमें 30 सदस्य हैं और 20 कतार में हैं। शहर के स्पंदन अस्पताल में इसने नशामुक्ति केंद्र की शुरुआत भी कर दी है।

RCMG के सदस्य योगेश झवेरी कई वर्षों से नशीले पदार्थों के व्यसन की लड़ाई में पूरी जी जान से जुटे हुए हैं, उनका कहना है कि यह नशामुक्ति केंद्र उनके क्लब ने लगभग एक साल पहले शुरू किया था और यहां सभी चार प्रकार के व्यसनों के लिए ओपीडी सेवाएं उपलब्ध हैं। यहां AA के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं, और 35-40 वर्ष के लगभग 25 लोग इन बैठकों में मौजूद रहते हैं।

एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, जावेरी इस क्लब के चार्टर सदस्य और RCMG के पूर्व अध्यक्ष हैं। स्पंदन अस्पताल में आयोजित इन बैठकों में वह कहते हैं, जो लोग नशे से मुक्त हो गए हैं वे अपनी कहानियां और अनुभव सुनाते हैं कि किस तरह शराब की

रोटेरियन योगेश ज़वेरी, वीटीटी समूह के साथ, गेन्ट विश्वविद्यालय, बेल्जियम में अनप्लग्ड कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

लत के कारण पहले उनके परिवार के सदस्य उनका सम्मान नहीं करते थे, और ये लोग सलाह भी देते हैं।

ये परामर्श सत्र बहुत प्रभावशाली होते हैं और अस्पताल के ''दो डॉक्टर इस कार्यक्रम से इतने प्रभावित हुए कि वे दोनों रोटेरियन बन गए हैं और अब कारण-आधारित क्लब रोटरी क्लब एडिक्शन प्रिवेंशन के सदस्य हैं।'' नए क्लब ने सभी प्रकार के व्यसनों के उपचार, परामर्श और जागरूकता के लिए तीन ओपीडी क्लीनिक स्थापित किए हैं, इसमें इंटरनेट की लत भी शामिल है।

जावेरी खुद एक कॉलेज व्याख्याता हैं, कहते हैं कि जिस तरह से युवा वर्ग तंबाकू, गुटखा और शराब का आदी हो रहा था, उससे चिंतित ''हमारे क्लब ने शुरू में नशे की लत पर युवाओं द्वारा खेले गए नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से मादक द्रव्यों और नशीले पदार्थों के खिलाफ प्रचार करना शुरू किया। 2008 में जब जोहान मार्टेंस भारत आये थे तो उस समय मैं हमारे मंडल का टीआरएफ अध्यक्ष था और उन्होंने कहा कि यदि आप सहमत हों तो हम बेल्जियम के गेन्ट विश्वविद्यालय के साथ एक वीटीटी (व्यावसायिक प्रशिक्षण यात्रा) आयोजित कर सकते हैं। 2012 में वीटीटी ने आकार लिया और मैंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज से दो और एक बॉम्बे यूनिवर्सिटी से फैकल्टी सदस्य को अपने साथ ले लिया।''

हम 4 का समूह किशोरों में मादक द्रव्यों के व्यसन से निपटने के लिए बनाये गए एक आकर्षक, स्कूल-आधारित हस्तक्षेप कार्यक्रम *अनप्लग्ड* में भाग लिया। यह एक व्यापक सामाजिक प्रभावशाली कार्यक्रम व्यसन की रोकथाम के लिए बनाया गया है और बेल्जियम के सभी स्कूलों के लिए अनिवार्य है। तब से RCMG इस कार्यक्रम अनप्लग्ड के लिए 200 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुका है'', ज़ावेरी कहते हैं।

उनके क्लब ने मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने और व्यसनी के इलाज के लिए पारिवारिक चिकित्सकों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वैश्विक अनुदान के तहत की जा रही इस परियोजना के अंतर्गत अब तक 1,000 से अधिक पारिवारिक चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया गया है। क्लब द्वारा संचालित गतिविधियों के तहत मुंबई उपनगर के एक अस्पताल में और मेट्रो में स्पंदन होलिस्टिक मदर एंड चाइल्ड केयर अस्पताल में AA बैठकें आयोजित करना शामिल है।

नशे की रोकथाम के लिए क्लब ने स्नातकोत्तर मनोविज्ञान के छात्रों को स्कूल काउंसलर बनने के लिए प्रशिक्षण देने के लिए एसएनडीटी विश्वविद्यालय, मुंबई में एक कार्यक्रम भी विकसित किया है।

मादक द्रव्यों के सेवन की लड़ाई से निपटने में RID 3150 सक्रिय मंडलों में से एक रहा है और पूर्व में एक रोटरेक्ट क्लब की संयुक्त मीटिंग में एक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर संगोष्ठी आयोजित कर चुका है जहाँ व्यसन के बारे में जागरूकता, चर्चा का एक महत्वपूर्ण विषय रहा था। तंबाकू बंद कराने के लिए RAG के कार्यों में सहयोग के लिए रोटरी क्लब हैदराबाद मिडटाउन काफी आगे है और क्लब द्वारा आयोजित एक बहु-मंडलीय सम्मेलन में, इसने तंबाकू नशामुक्ति के लिएदेखभाल कार्यक्रम *आइ कैन* भी प्रस्तावित किया था।

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, गुजरात यूनिवर्सिटी और रोटरी क्लब हैदराबाद मिडटाउन (मेजबान क्लब) द्वारा आठ सह-मेजबान क्लबों के साथ एक संयुक्त सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह क्लब पंजाब, ओडिशा, हिमाचल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में रोटरी मंडलों के विभिन्न क्लबों के साथ संयुक्त बैठकें भी आयोजित करता रहा है। 30 प्रतिभागी क्लबों के साथ अठारह बैठकें हो चुकी हैं और तंबाकू निषेध पुस्तिकाओं का वितरण शुरू हो गया है।■

वे अपनी कहानियां और अनुभव सुनाते हैं कि किस तरह शराब की लत के कारण पहले उनके परिवार के सदस्य उनका सम्मान नहीं करते थे, और ये लोग सलाह भी देते हैं।

महामारी के समय में एक निष्पक्ष, समावेशी, टिकाऊ समाज का निर्माण

राजेंद्र साबू

कदाचित भारत में कोविड -19 सिमटता नज़र आ रहा है और शायद दुनिया में भी । फरवरी-मार्च 2020 में भारत इस अत्यंत घातक वायरस की चपेट में आ गया था। अचानक सर पर आन पडी आई इस चुनौती के लिए न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य तैयार थे। इस महाविपदा के सामने सारी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं धरी की धरी रह गई थीं। इसी परिदृश्य में महामारी से बचाव के लिए गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) आगे आए, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण किट और एन 95 मास्क के साथ साथ ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर जैसे उपकरण आयात कर ऑक्सीजन भी उपलब्ध कराई।

चंडीगढ़ में पीजीआई और सरकारी अस्पतालों की मदद के लिए रोटरी और अन्य एनजीओ आगे आये। वास्तव में, दूसरी लहर में भीड़-भाड़ वाले अस्पतालों को राहत देने के लिए उन्होंने मिनी कोविड सेंटर भी शुरू कर दिए थे ।

राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर, मोबाइल वैन से वैक्सीन के प्रचार और वितरण में मदद करने के लिए रोटरी ने अपने वरिष्ठ नेता और रोटरी इंटरनेशनल के पूर्व निदेशक अशोक महाजन की अध्यक्षता में कोविड टास्क फोर्स का गठन किया गया। दूसरे चरण में मुख्यतः यह गरीब परिवारों की मदद पर केंद्रित था।

सिर्फ 18 महीने के भीतर, इस महामारी ने हमारी दुनिया को हमेशा के लिए बदल दिया है, मुलाकात करते हुए दोस्तों से हाथ नहीं मिलाना, पहले सोच भी नहीं सकते थे, अब एक नया सामान्य हो गया है। लेकिन यह जो बदल रहा है वो हाथ मिलाने से कहीं अधिक है। हमारे जीवन और इतिहास को एक स्थायी रेखा विभाजित करेगी - कोविड से पहले और कोविड के बाद का समय।

वर्क फ्रॉम होम अब एक सामान्य बात हो जाएगी। कार्यालय शिष्टाचार, कार्यालय डिजाइन, भवन, यहां तक कि शहर का नियोजन भी नए तरीके से होगा । नई व्यवस्थाओं के अनुरूप, सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करने का तरीका बदल जाएगा। स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदलेगा। पर्यावरण, सूचना या सरकार द्वारा निर्देशित नेतृत्व के अंतर्गत हम जिस तरह से कार्य करेंगे वह सब कुछ परिवर्तित हो जाएगा। कोविड बाद की दुनिया एक अलग ही दुनिया होगी। इसे बेहतर बनाना हमारी जिम्मेदारी है।

तो, इसमें समाज सेवी संगठनों के लिए कौन से बड़े अवसर हैं, चूंकि हम नवाचारों को अंगीकार करते हैं और नए मानदंड को भलीभाँति समझते हैं। मैंने इनमें से कुछ की पहचान की है:

स्वास्थ्य और कल्याण

कोविड महामारी ने दुनिया भर में, विशेष रूप से विकासशील देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य की व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ा दी, इस की अनियमितताओं और खामियों को पूरी तरह से ऊघाड़ कर रख दिया । एशियाई, अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी देशों में सरकारों, चिकित्सा विशेषज्ञों और निगमों के साथ हाथ मिला कर मिल कर, सार्वजनिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे का निर्माण, गैर सरकारी संगठनों के लिए एक बड़ा अवसर होगा।

ये तो तय है कि कोविड-19 जैसी कोई पहली या आखिरी महामारी नहीं है। ज़्यादा से ज़्यादा तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण हैं। हमें एक उन्नत बुनियादी ढांचा खड़ा करने की आवश्यकता है जिसके माध्यम से समय रहते प्रारंभिक चेतावनी, सामाजिक प्रथाओं के माध्यम से अधिक स्वच्छता और बेहतर बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल द्वारा रोकथाम के बारे में अधिक जानकारी दे सकें।

प्राथमिक स्वास्थ्य शिक्षा को स्कूली पाठ्यक्रम के एक महत्वपूर्ण भाग के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता है। अधिक नर्सिंग कॉलेजों के निर्माण का यह एक बड़ा अवसर है- सिर्फ कोविड के लिए ही नहीं बल्कि लगातार बढ़ती जा रही वैश्विक आबादी की व्यापक देखभाल के लिए।

अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों को दुनिया भर के गरीबों को आवश्यक दवाओं और टीकाकरण की उपलब्धता निश्चित करने में भी सहायता करनी चाहिए। यह सर्वविदित है कि आज सिर्फ 4-8 डॉलर की लागत वाली कोविड टीकों की त्वरित उपलब्धता भविष्य में दुनिया भर में संभावित अरबों डॉलर के आर्थिक नुकसान और बर्बादी को रोक सकती है जिसमें सबसे ज्यादा सबसे ज़्यादा नुकसान गरीबों का ही होता।

वातावरण

हालांकि कोविड वायरस की उत्पत्ति पर आज भी बहस जारी है, पर एक बात स्पष्ट है - निश्चित रूप से यह जंगली जानवरों से आया है। जैसे-जैसे मनुष्य भोजन और अपनी सुविधाओं के लिए

जंगलों का तेजी से अतिक्रमण कर रहे हैं, हमारे सर पर ऐसी और आपदाओं का जोखिम मंडराता जा रहा हैं। हमें प्रकृति और प्राकृतिक वास का सम्मान करना चाहिए, उपभोग की आदतों को और अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाना चाहिए। ऊर्जा की भूख में, हम अपनी पृथ्वी, वायु और महासागरों की अपूरणीय क्षति कर रहे हैं। रोटरी इंटरनेशनल जैसे संगठनों को पर्यावरण सम्बंधित सेवाओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

करीबी परिवार और समाज की नज़दीकीयां

हाल के दिनों में एक और बात महसूस हुई कि चारों तरफ एकाकीपन की भावना तेजी से पसर रही है। सोशल मीडिया, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वैश्वीकरण के विकास का परिणाम ये हुआ है कि (ए) हम टेबल के चारो ओर बैठे अपने परिवार की तुलना में अपने फोन के ज़्यादा नज़दीक हैं और (बी) हम लगभग जो कुछ भी खरीदते हैं, जिसमें पानी, कागज और किराने का सामान शामिल है, इनका उत्पादन हजारों मील दूर स्थित कारखानों में किया जाता है जबकि स्थानीय उत्पादकों ने अपने व्यवसाय बंद कर दिए हैं।

पिछले 18 महीनों में हमने सीखा कि परिवार और समाज कितने बहुमूल्य हैं, अपने भीतर ही खुशी तलाशना, प्रत्येक छुट्टी में सुदूर देशों की यात्रा पर जाने के बजाय स्थानीय दर्शनीय स्थलों की यात्रा। मेरा तात्पर्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार या पर्यटन को बंद करने से नहीं है, लेकिन स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा का समावेश उचित संतुलन के साथ करना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अधानोम घिबरियेसस ने महामारी के शुरुआती महीनों में कहा था :

''कोरोना वायरस संक्रमण से सुरक्षित रहें; इसके बारे में खुद को जानकार रखने के लिए स्मार्ट बनें; दयालु बनें और एक दूसरे का सहयोग करें।''

आइए हम आशा करें की हम इस महामारी का अंत शीघ्र ही देखेंगे और सामान्य - ऐसा नहीं जीवन का प्रादुर्भाव देख सकते हैं जिसमें अंततः हम निर्णय लेंगे कि एक निष्पक्ष, अधिक समावेशी और दीर्घकालिक समाज के निर्माण का समय आ गया है।

लेखक पूर्व रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष हैं।
(सौजन्य: द इंडियन एक्सप्रेस)

लिंग समानता

चेन्नई भारती रोटरी क्लब का लक्ष्य है, 1,000 लड़कियों को सशक्त बनाना

टीम रोटरी न्यूज़

दायें से: डीजी जे श्रीधर, उनकी पत्नी पुनीता, रोटेरियन विनीता वेंकटेश और क्लब अध्यक्ष शांति राजकुमार एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों में।

ग्लोबल एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन एसोसिएशन, संक्षेप में GEWA, रो ई मंडल 3232 के तहत, चेन्नई भारती रोटरी क्लब द्वारा शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य लाभार्थियों को प्रदान किए जा रहे, साल भर के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और स्टार्ट-अप मार्गदर्शन के माध्यम से कम से कम 1,000 लड़कियों को सशक्त बनाना था।

GEWA ने डीजी जे श्रीधर, जिला प्रथम महिला पुनीता और रो ई निदेशक एएस वेंकटेश की पत्नी रोटेरियन विनीता वेंकटेश की उपस्थिति में 10 संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लब अध्यक्ष शांति राजकुमार, महिला अधिकारिता निदेशक श्रुति नायर और व्यावसायिक सेवा निदेशक राजेश्वरी '1,000 गर्ल चिल्ड्रन' परियोजना के पीछे की मुख्य टीम हैं, जिसे GEWA बैनर के तहत लागू किया जा रहा है।

वंचित परिवारों से आने वाली लड़कियों (16-25 वर्ष) को प्रशिक्षण देने के लिए चार स्थल भागीदारों का चयन किया गया था। व्यावसायिक केंद्रों में डिजिटल मार्केटिंग, बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स और रोबोटिक्स, सोलर प्रोडक्ट असेंबलिंग, टैली और एलईडी बल्ब निर्माण जैसे तकनीकी पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे। गैर-तकनीकी श्रेणी में लड़कियों को पेपर प्लेट बनाने और साबुन बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

रोटरी सेंट्रल-TTK-VHS ब्लड बैंक के सहयोग से रोटरी क्लब चेन्नई भारती ने दो स्थानों पर रक्त दान शिविरों का आयोजन किया जिसमें 95 दानकर्ताओं ने दान देकर सहयोग किया।

रोटेरियन और दाऊदी बोहरा समुदाय के लोगों ने दोनों स्थानों - रॉयपुरम मुफद्दल पॉलीक्लिनिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, माधवरम - में रक्तदान किया। तक्ह डॉक्टरों, तकनीशियनों और परिचिकित्सकों के एक दल ने दोनों शिविरों को सफल बनाया। VHS की सामुदायिक स्वास्थ्य निदेशक रोटेरियन रेणुका रामकृष्णन ने परियोजना को उनका समर्थन दिया।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब हरिपद ने श्रवण यंत्रों के माध्यम से खुशियां बिखेरी

रशीदा भगत

सूपर'' एक युवती चहकती है, कृतज्ञतापूर्वक हाथ जोड़ने से पहले उसकी आँखें खुशी से चमक उठती हैं। एक अन्य छोटी लड़की भावविवहल है, और उसके मुंह से केवल तीन शब्द निकलते हैं ''धन्यवाद रोटरी।'' खुशी से नाचती आँखों और होठों पर चौड़ी मुस्कान लिए एक और बच्चा यही कहता है, क्योंकि उसे मिले नए श्रवण यंत्र की सहायता से उसकी निष्क्रिय दुनिया में ध्वनि की तरंगें दौड़ने लगी हैं।

यह अवसर है रोटरी क्लब ऑफ हरिपद, रो इ मंडल 3211, केरल द्वारा बधिर बच्चों और वयस्कों को श्रवण यंत्र लगाने के लिए आयोजित तीन दिवसीय शिविर का और क्लब के सदस्यों द्वारा की गई इस सेवा परियोजना की ख़ास बात ये है कि इस परियोजना के दौरान न केवल 180 लाभार्थियों को 309 श्रवण यंत्रों लगाए गए, बल्कि क्लब के सदस्यों ने भी यह भी सुनिश्चित किया कि लाभार्थियों को, चिकित्सा अधिकारियों द्वारा आवश्यक शारीरिक विकलांगता प्रमाणपत्र भी उसी समय बांटे गए।

क्लब के अध्यक्ष मनु मोहन का कहना है कि ''क्लब हमेशा नवीन परियोजनाओं की तलाश में रहता है। पिछले कुछ समय से, हमारे पास श्रवण यंत्र खरीदने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता के लिए आवेदनों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस उद्देश्य ने क्लब की नेतृत्व टीम को ऐसी संस्थाओं को खोजने के लिए प्रेरित किया जो पहले से ही श्रवण बाधा क्षेत्र में काम कररही हों।'' एक बार उनकी पहचान कर लेने के बाद, इन संस्थाओं को क्लब की परियोजना में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था जिससे श्रवण विकलांगों के जीवन में ध्वनि लौट सके।

संयोग से, इस कार्य को करने के लिए जब क्लब आवश्यक कौशल वाले उपयुक्त भागीदारों की तलाश कर रहा था, तभी इसके सदस्यों को पता चला कि अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पीच एंड हियरिंग डिसएबिलिटीज, मुंबई और महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम के

ऊपर: एक छोटी लड़की जिसे हियरिंग एड लगाया गया, हेडफ़ोन पर संगीत सुनती हुई।

कुछ लाभार्थी पर श्रवण यंत्र लगाए जा रहे हैं।

IRLD, खुद एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं और वो आर्थिक रूप से विकलांग लोगों को श्रवण यंत्र प्रदान करने के लिए एक विश्वसनीय सेवा संस्था की तलाश कर रहे थे। यह भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शुरू की गई की पहल का हिस्सा था।

सौभाग्य से, इंटरनेट पर खोजते हुए उन्हें केरल में रोटरी क्लब हरिपद द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी मिली। क्लब अध्यक्ष कहते हैं, ''उनकी तथ्य-खोज टीम जांच पड़ताल करने हरिपद आई और हमारी विश्वसनीयता को ले कर आश्वस्त हुई और

हरिपद विधायक रमेश चेन्नीथला एक लाभार्थी पर श्रवण यंत्र लगाते हुए। बाईं ओर क्लब के अध्यक्ष मनु मोहन हैं।

विकलांगों की मदद के लिए मुझसे संपर्क कर उन्होंने एक संयुक्त सहभागिता का प्रस्ताव रखा।''

एक बार सहभागिता के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर काम हो जाने के बाद, क्लब ने ₹54 लाख रुपये लागत की परियोजना शुरू की। क्लब द्वारा मीडिया में एक घोषणा की गई जिसमें श्रवण कठिनाई से जूझ रहे आर्थिक रूप से वंचित लोगों से आवेदन मांगे गए थे। इसे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में भी भरपूर कवरेज मिला। ''शीघ्र ही हमारी अपेक्षाओं से कहीं अधिक, राज्य के विभिन्न हिस्सों से आवेदन आने लगे।''

लाभार्थियों की जांच कर उनका चयन किया गया, लेकिन मुख्य रूप से केरल की कोविड परिस्थितियों की वजह से, उनमें से कईयों को एक

शिविर के अंत में, लाभार्थियों के चेहरे पर झलकती खुशी से सम्पूर्ण परियोजना टीम द्वारा किए गए प्रयास सार्थक हुए।

समस्या से गुजरना पड़ा था, अर्हता प्राप्त करने की एक पूर्व-आवश्यकता थी, जिला या तालुक मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी श्रवण विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त करना । चयनित लाभार्थियों तक श्रवण यंत्रों के पहुंचने और परियोजना को पूरा करने में ये एक बड़ी बाधा बनी थी।

लेकिन परियोजना आयोजन समिति ने इसे शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए जी जान लगा दी, स्थानीय अस्पतालों द्वारा लाभार्थियों की जांच करने और योग्य आवेदकों को पात्रता का आवश्यक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारियों को राजी किया गया। क्लब के सचिव डॉ निखिल कृष्णन बताते हैं कि ''इसका श्रेय जाता है, अस्पताल से संबंधित हमारे क्लब की पिछली परियोजनाओं को जैसे होप प्रोजेक्ट, हमारे पोलियो प्लस कार्यक्रमों को और जन प्रतिनिधियों के साथ हमारे सहयोग को, जिस की वजह से तालुक/जिला अस्पतालों के मेडिकल बोर्ड के सदस्य जांच करने के लिए सहमत हो गए। आवेदकों की जांच की गई और आवश्यक प्रमाण पत्र जारी किये गए।''

7 अक्टूबर को क्लब के परिसर में शिविर आरम्भ हुआ, सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया गया और श्रवण यंत्र लगाने के लिए लाभार्थियों को छोटे समूहों में आने के लिए कहा गया, और ''सामाजिक दूरी बनाये रखने के मानदंडों का भी अक्षरशः पालन किया गया।''

श्रवण सहायता शिविर का उद्घाटन अलाप्पुझा के सांसद ऐ एम आरिफ ने किया और स्थानीय नगरपालिका अध्यक्ष के एम राजू ने प्राथमिक श्रवण यंत्र वितरित किए। डीजी के श्रीनिवासन, एजी रेशमी प्रसाद और एजीटीएस अध्यक्ष डॉ टीना एंटनी ने इसमें भाग लिया।

शिविर के दूसरे दिन DGN बाबूमोन ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, तीसरे दिन की गतिविधियों का उद्घाटन हरिपद के विधायक रमेश चेन्नीथला ने किया। ''सहभागिता करने वाले संगठनों के डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों की टीम और इस परियोजना पर हमारे साथ काम करने वाले दो रोटारैक्ट क्लबों के सदस्यों की प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए हम हृदय से आभारी हैं। शिविर के अंत में, लाभार्थियों के चेहरे पर झलकती खुशी से सम्पूर्ण परियोजना टीम द्वारा किए गए प्रयास सार्थक हुए'', क्लब की मुख्य टीम के सदस्य प्रो के के सबरीनाथ ने जानकारी दी।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी पोलियो कार्यक्रम एक विश्व युद्ध को टालने में सहायक हुआ

जयश्री

प्रथम विश्व युद्ध ने 20 मिलियन लोगों की जान ले ली थी; रोटरी ने 1978 में पोलियो के खिलाफ इसकी अगुआई में शुरु की गई लड़ाई के बाद से अब तक 19 मिलियन लोगों को लकवाग्रस्त होने से बचाया है। यह रोटरी द्वारा किये जा रहे शांति कार्यों का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। हमने अपने पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम द्वारा इस दुनिया को एक विश्व युद्ध से बचा लिया है, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने सितंबर में रोटरी क्लब चिंचवाड़, RID 3131 द्वारा आयोजित एक आभासी अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन में 40 देशों के लगभग 800 प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा।

उन्होंने अफ्रीका की अपनी हालिया यात्रा का ज़िक्र किया जहां युगांडा के मेकरेरे विश्वविद्यालय में रोटरी के नवीनतम शांति केंद्र की स्थापना की गई थी, जहां उन्होंने रोटरी शांति कार्यक्रम के अध्ययन के लिए चयनित 15 छात्रों के पहले समूह से मुलाकात की, ''वहां रोटरी द्वारा उन्हें आगे शिक्षित कर संघर्ष समाधान में उनके कौशल को तराशा जाएगा। आज हमारे पास दुनिया के कुछ बेहतरीन विश्वविद्यालयों में 1,500 शांति शोध छात्र अध्ययन कर रहे हैं, जिन्हें युद्ध, टकराव और संघर्षों की रोकथाम के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा'', उन्होंने कहा।

रोटरी के यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम का हवाला देते हुए अध्यक्ष मेहता ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को विभिन्न देशों की संस्कृतियों को नज़दीक से जानने, समझने और उनका सम्मान करने में सहायता करता है और यही शांति का आधार है। ''जब भारत से कोई लड़की ब्राज़ील जाती है, तो वह अपने साथ बहुत सारा भारत अपने साथ ले कर जाती है और इसी तरह जब ब्राज़ील का कोई छात्र भारत आता है, तो वह अपने साथ अपने देश की संस्कृति और परंपरा को भी लाता है।'' संस्कृति एक विचारधारा है, वैचारिक प्रक्रिया है। ''यदि लोग सिर्फ ये यह समझ लें कि किसी एक विचार के दो भिन्न - भिन्न मत भी हो सकते हैं, तो दुनिया कहीं बेहतर जगह बन जाएगी। किन्हीं भी राष्ट्रों के बीच सबसे बड़ा फर्क, उनकी संस्कृति में भिन्नता के कारण होता है'', उन्होंने कहा।

रोटरी के सभी कार्यक्रमों में शांति अंतर्निहित है। ''रोटरी ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से जब आप अफ्रीका के एक सूखे गांव में पानी पहुंचाते हैं, और वहां दूर दराज से अपने घरों में रोज़ाना सर पर बाल्टी रख कर पानी लाने वाले बच्चों और महिलाओं से पूछो तो उनके लिए बोरवेल की खुदाई का मतलब शांति है। गरीबी के कारण एक माँ जो अपने बच्चे को खिलाने में सक्षम नहीं है, जब आप उसे रोटी देते हैं तो वह रोटी उसके लिए शांति है। इस बात में उसे कोई दिलचस्पी नहीं है कि कौन किसके साथ युद्ध में व्यस्त है। जब हम विकलांगों को चलने में मदद करते हैं, अंधे की ज़िंदगी में रौशनी लाते हैं तो हम उनके जीवन में शांति ला रहे हैं। शांति की स्थापना एक ऐसे देश में संभव नहीं है जो अर्ध शिक्षित है । वहां के देशवासी लोकतंत्र का महत्त्व नहीं समझेंगे। इसलिए, जब हम उनके लिए हैप्पी स्कूल बनाते हैं, शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हैं और लोगों का प्रौद्योगिकी से परिचय कराते हैं, तो हम समाज में शांति बहाल कर रहे हैं, उन्होंने प्राग (चेक गणराज्य) से अपने संबोधन में कहा'', जहां वह जोन इंस्टीट्यूट में भाग ले रहे थे।

रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने बताया कि रोटरी के सभी सात फोकस क्षेत्रों का उद्देश्य लोगों में, समुदायों और पूरी दुनिया में शांति स्थापित करना है। शांति किसी एक देश या महाद्वीप विशेष के लिए चयनित कार्यक्रम नहीं है। लोगों में शांति स्थापित करने के लिए हमें जमीनी स्तर पर काम करना होगा। हर स्तर पर पक्षपात और भेदभाव ख़त्म होना चाहिए। इसमें शांति स्थापित करने की पहली ग्राह्यता है लैंगिक समानता। इसका तात्पर्य है कि एक ऐसी दुनिया का निर्माण जहां लोग और हमारा पृथ्वी ग्रह फले-फूले और समृद्ध हो सकें - किसी उम्र, नस्ल, लिंग, वर्ग, जातीयता, क्षमता या यौन अभिविन्यास की परवाह किए बिना'', उन्होंने कहा।

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता

डीजी पंकज शाह ने दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के आयोजन और विभिन्न राष्ट्रों से विशिष्ट और प्रबुद्ध व्यक्तियों को आमंत्रित कर इसे महत्वपूर्ण बनाने के लिए रोटरी क्लब चिंचवाड़ की अध्यक्ष शिल्पा गणपुले की सराहना की। ''हमें इन देशों में स्थापित शांति निर्माण प्रक्रियाओं के विविध पहलुओं से प्रेरणा मिली है'', उन्होंने कहा। सद्भावना प्रचार की पहल के रूप में, मंडल के रोटेरियनों ने बांग्लादेश के लिए 3,000 किलोमीटर की साइकिल रैली सद्भावना की योजना बनाई है।

सम्मेलन में रचनात्मकता, योग, संगीत और नृत्य के माध्यम से शांति स्थापित करने पर भी चर्चा की गई। शांति अध्ययन विशेषज्ञ डॉ थॉमस क्लॉ डैफर्न ने संघर्ष समाधान और शांति निर्माण प्रक्रियाओं का अपना सिद्धांत प्रस्तुत किया। अरुण साठे ने रो ई के शांति अनुदान (शिरलश सीरपी) पर प्रकाश डाला। नाइजीरिया के एक रोटारेक्टर ने 'हम जिसे भी देखें शान्ति नज़र आये' पर अपने विचार रखे

सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे के कुलपति डॉ नितिन कर्मलकर और रोटरी क्लब अबूजो वूस, नाइजीरिया के रोटेरियन पिएत्रो उज़ोचुकुवु मैकेलियो को रो ई शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पीडीजीयों और RID 3131 के अन्य रोटरी क्लबों के सदस्य भी बैठक में उपस्थित थे। सम्मेलन की एंकर शिल्पा ने कहा, ''हमारे क्लब की सिल्वर जुबली वर्ष मनाने का यह बिलकुल उपयुक्त तरीका था।''■

ऊपरः रोटरी क्लब भुवनेश्वर गैलेक्सी ने समारोह के हिस्से के रूप में पौधरोपण अभियान चलाया।

दाएं : कोलकाता में कार/बाइक रैली में भाग लेते रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता। उनके बाईं ओर डीआरआर अर्का नाग है।

रोटरी इंडिया ने मनाया विश्व पोलियो दिवस

विशाखापत्तनम में पंद्रह रोटरी क्लबों ने मनाया विश्व पोलियो दिवस।

डीजी निर्मल राघवन (बाएं से छठे) और रोटरी क्लब तांबरम सेंट्रल, RID 3231 के अध्यक्ष जी वेत्रिवेलराजन ने पीडीजी गण सीआर चंद्र बॉब (दाएं), नटराजन नागोजी (बाएं से दूसरे) और डॉ ई के सगधवन (बाएं से तीसरे) की उपस्थिति में निर्णायक से प्रमाण पत्र प्राप्त किया। चेन्नई में 'सबसे बड़े नोटबुक वाक्य' (अब 9,023 नोटबुक के साथ बनाया गया एंड पोलियो नाउ) के लिए एशिया / इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एक नया रिकॉर्ड।

रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने टीटी पैरालंपिक रजत पदक विजेता भावना पटेल को व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया।

ऊपर: RID 3232 के डीजी जे श्रीधर और उनकी पत्नी पुनीता पोलियो उन्मूलन में रोटरी की भूमिका को बढ़ावा देने के लिए प्रयुक्त ऑटोरिक्शा में से एक में। इस दिवस को मनाने के लिए लगभग 120 क्लबों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

***नीचे:** पीडीजी एस आर योगानंद (बाएं) ने डीजी फजल महमूद (बाएं से छठे) की उपस्थिति में बैंगलोर रेफरल अस्पताल में डॉ जोनास साल्क और डॉ अल्बर्ट सबिन के चित्रों का अनावरण किया।*

गुजरात के दो आदिवासी गांवों का कायाकल्प

रशीदा भगत

गुजरात के आदिवासी गांव कटरवाड़ की एक महिला, लीलाबेन, से दोबारा मिलने का समय आ गया है जिन्हें आपने दिसंबर 2015 में *रोटरी न्यूज़* के पन्नों पर देखा था। खासकर तब जब रोटरी में इन दिनों महिला सशक्तिकरण की लहर चल रही है। संक्षेप में कहे तो रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो, रो ई मंडल 3060, द्वारा ₹65 लाख की वैश्विक अनुदान परियोजना को लागू करने के साथ, गुजरात के बड़ौदा से लगभग 130 किमी पूर्व में स्थित उनका आदिवासी गांव कटरवाड़ पूरी तरह से परिवर्तित हो गया था। इस प्रक्रिया में, मेरा ध्यान एक आत्मविश्वासी और होशियार महिला नेता की तरफ गया था।

एक स्वाभाविक नेता होने के कारण, वह इस क्षेत्र में एक फार्म स्कूल चलाने वाले श्रॉफ फैमिली चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ साझेदारी में चलाई जा रही रोटरी परियोजना की वजह से अपने गांव के पुरुष और महिला किसान दोनों में आए परिवर्तन की जानकारी देने हेतु सामने आई। इस फार्म स्कूल से खुद प्रशिक्षित होने के बाद, वह अन्य किसानों को प्रशिक्षण दे रही थी। उन्होंने बड़े ही विश्वास के साथ हमें SRI (सिस्टमैटिक राइस इन्टेन्सिफिकेशन), कृमि खाद और जैव उर्वरक की अवधारणा के बारे में समझाया। रोटेरियनों द्वारा शुरू की गई मुख्य परियोजना किसानों की मदद के लिए गांव में जल संसाधनों को बेहतर बनाने की थी।

रोटरी क्लब बड़ौदा की सदस्य PDG पिंकी पटेल कहती है, ''अब हमारे क्लब ने एक और वैश्विक अनुदान की शुरुआत की है, इस बार ₹85 लाख की मदद से हम बड़ौदा से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित छोटा उदयपुर मंडल के दो आदिवासी गांवों - चिलियावंत और सनदा - को बदलने जा रहे है। एक बार फिर से, यह ग्रामीणों की पानी की जरूरतों को पूरा करने हेतु स्थानीय जल संसाधनों का दोहन करने की एक जल संरक्षण एवं संवर्धन परियोजना है।

भारत के अनेक हिस्सों की तरह, इन गांवों के किसान भी अपनी जमीन की सिंचाई के लिए पूरी तरह से वर्षा जल पर निर्भर है। ''तो जैसा हमने कटरवाड़ गांव में किया था, जहाँ आप गए थे, इन दो गांवों में भी, चूंकि यह पहाड़ी इलाका है, हम बारिश के पानी से मिट्टी के क्षरण को रोकने के लिए भूमि को समतल करेंगे एवं रोधक बांध, बोरी बांध, सामुदायिक कुओं के निर्माण और अन्य उपायों को लागू करके यह सुनिश्चित करेंगे कि इस क्षेत्र में जल स्तर बढ़े ताकि ग्रामीणों को साल भर पानी मिल सकें'', इस क्लब के एक सदस्य और पूर्व रो ई निदेशक मनोज देसाई कहते है।

सितंबर में, जब कोरोना लॉकडाउन हटा लिया गया था और इस महामारी से थोड़ी राहत मिली थी, तब झऊऋ पिंकी पटेल और इस

लीलाबेन, रो ई मंडल 3060 की पीडीजी पिंकी पटेल और रोटेरियन शर्मिष्ठा देसाई सहित रोटेरियन की एक सभा को संबोधित करती हुयी।

रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो की जल वृद्धि परियोजना के लिए PRID मनोज देसाई (दाएं से दूसरे), शर्मिष्ठा देसाई और पीडीजी पिंकी पटेल, सदस्यों के साथ एक आदिवासी गांव का दौरा करते हुए।

परियोजना के अन्य मुख्य सदस्यों के साथ देसाई ने इन दोनों गांवों का दौरा किया। ''चूंकि हम श्रॉफ फाउंडेशन के साथ काम करते है, तो उनके सदस्य हमें कटरवाड़ ले गए जहाँ हम लीलाबेन से मिले जो अब गाँव की एक शीर्ष महिला नेता के रूप में उभरकर सामने आई है; हर कोई उनका सम्मान करता है और वह दूसरी महिलाओं का मार्गदर्शन कर रही है। उन्हें इतने आत्मविश्वास के साथ बात करते हुए देखकर बहुत अच्छा लगा। यह सही मायने में महिला सशक्तिकरण है'', वह मुस्कुराए।

इस बार इस परियोजना में नौ गांवों के परिवर्तन की परिकल्पना की गई है और पहले चरण में दो गांवों का काम शुरू भी हो गया है। उन्होंने आगे कहा, ''बुनियादी तौर पर, हम सिर्फ कटरवाड़ मॉडल की नकल कर रहे है क्योंकि वह गांव वास्तव में हमारे क्लब की परियोजना से परिवर्तित हो गया है।''

PDG पिंकी ने कहा कि इन दोनों गांवों में 600 से अधिक घर है और यहाँ लगभग 3,500 की आबादी है। महिलाओं के लिए स्व-सहायता समूहों का गठन भी इस परियोजना का एक घटक है जिसे क्लब ट्रिपल ई - एम्पथाइस (समानुभूति), एनर्जी (ऊर्जा) और एम्पावर (सशक्तिकरण) कहता है। ''यह रोटरी क्लब बड़ौदा मेट्रो, रोटरी क्लब ताइनान फीनिक्स, यूएस, रो ई मंडल 3470, और श्रॉफ फाउंडेशन ट्रस्ट के बीच एक त्रिपक्षीय साझेदारी है।''

लीलाबेन ने रोटरी की प्रशंसा की और कहा कि रोटरी की मदद से उनका गांव अब उस स्तर पर पहुँच गया है जहाँ अब एक वर्ष में दो फसलें उगाई जाती है और साथ ही शहरों की तरफ पलायन भी बंद हो गया है। हमें यह जानकर अपार प्रसन्नता हुई कि रोटरी के कार्य की बदौलत ये गांव आत्मनिर्भर बन गए है।

वह कहती है कि इस इलाके की भौगोलिक स्थिति भूजल के पुनर्भरण के लायक नहीं है इसलिए यहाँ सामान्य रूप से केवल एक वर्षा आधारित फसल ही संभव है। सीमित आय होने की वजह से, अतीत में गाँवों से कस्बों की ओर बहुत अधिक पलायन हो रहा था। ''जल स्तर में सुधार करना और दो सुनिश्चित फसलों को सिंचाई के अंतर्गत लाना हमारा उद्देश्य है। हम समुदाय प्रबंधित भूमि विकास, संचालन और पूरी प्रणाली के रखरखाव के लिए संस्थागत व्यवस्था लाना चाहते है और युवाओं एवं महिलाओं दोनों का कौशल विकास करना चाहते है।''

इन गांवों में उगाई जाने वाली फसलों में धान, मक्का, उड़द दाल और मौसमी सब्जियां शामिल है। ''कुछ किसानों ने हमें बताया कि लॉकडाउन के दौरान वे तरबूज की खेती कर रहे थे और उन्हें राजमार्गों पर बेच रहे थे। हमें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि कई बार इन किसानों ने ट्रक ड्राइवरों को मुफ्त में तरबूज दिए।''

पिंकी आगे कहती है कि जब वे कटरवाड़ गए थे, ''लीलाबेन ने रोटरी की प्रशंसा की और कहा कि रोटरी की मदद से उनका गांव अब उस स्तर पर पहुँच गया है जहाँ अब एक वर्ष में दो फसलें उगाई जाती है और साथ ही शहरों की तरफ पलायन भी बंद हो गया है। हमें यह जानकर अपार प्रसन्नता हुई कि रोटरी के कार्य की बदौलत ये गांव आत्मनिर्भर बन गए है।''

और इसके लिए, ''मुझे क्लब के पूर्व अध्यक्ष सुनील वकील के शब्दों को याद करना चाहिए जिन्होंने कटरवाड़ के लिए पहले वैश्विक अनुदान पर काम किया था। हम यहाँ रॉकेट साइंस नहीं लाए है; बल्कि हमनें रोधक बांध, सामुदायिक कुओं का निर्माण और पशुशाला, बायो गैस प्लांट आदि के साथ बनाए गए 10 'आदर्श घरों' में जल संचयन उपाय करके साधारण तौर पर मदद की है।''■

Rotary PEOPLE OF ACTION

हैदराबाद में ₹14 करोड़ का एक रोटरी आश्रय

जयश्री

रोटरी क्लब बंजारा हिल्स, रो ई मंडल 3150, हैदराबाद, ने अपने दशक पुराने साधारण आश्रय को 14 करोड़ की लागत से एक बड़े, आधुनिक आश्रय में उन्नत किया है और हाल ही में इस नई सुविधा का उद्घाटन रो ई निदेशक महेश कोटबागी द्वारा किया गया। क्लब अध्यक्ष विकास रंका कहते है, ''हम इस पर चरणबद्ध तरीके से काम कर रहे है आगे यह कहते हुए कि 82 में से 27 बिस्तर, जिसमें से 10 विशेष रूप से बच्चों के लिए है, स्थापित किए जा चुके है, और सभी बिस्तर अभी भरे हुए है।''

शुरुआत में क्लब ने बंजारा हिल्स में 12 बिस्तरों के साथ स्पर्श आश्रय की स्थापना एक किराए के परिसर में की थी ताकि मरणांतक रोगियों को प्रशामक देखभाल प्रदान की जा सके। रोटरी क्लब बंजारा हिल्स चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना दिन-प्रतिदिन के कार्यों को संभलने के लिए की गई थी। उस समय ऐसे आश्रयों का चलन बहुत कम था क्योंकि आश्रय की अवधारणा तब नई थी और लोग एवं डॉक्टर दोनों ही इससे अनजान थे, रंका कहते है। मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। ''बिस्तरों को भरने के शुरुआती संघर्ष से लेकर, 2017 तक, हमारे पूर्णकालिक CEO की मदद से, हमारे पास हमारी इस छोटी सुविधा में बिस्तर की आवश्यकता वाले रोगियों की एक लंबी प्रतीक्षा सूची थी। इसलिए क्लब ने घर-पहुँच देखभाल करने की सेवाएं शुरू की। जैसे ही मांग बढ़ी, हमने छह साल पहले आश्रय को उन्नत बनाने का फैसला किया'', वह कहते है। तब से, नेतृत्व में परिवर्तनों के बावजूद भी, क्लब ने अपने इस सपने को साकार करने के लिए भूमि और दानकर्ताओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया।

लगातार इस संदर्भ में जानकारी लेने के पश्चात, तेलंगाना सरकार ने सुविधा के लिए भूमि आवंटित की, और क्लब ने ₹14 करोड़ की लागत से 60,000 वर्ग फुट के आश्रय का निर्माण किया। राज्य के आईटी मंत्री के टी रामा राव 2016 से स्पर्श के समर्थक रहे है और ''मैं भी इसका एक महत्वपूर्ण दानकर्ता बन गया, क्लब के चार्टर अध्यक्ष और न्यासी डॉ एम सुब्रह्मण्यम, जो इसके शुरुआती दिनों से आश्रय के नियमित आगंतुक रहे है'', वह कहते है।

कॉर्पोरेट भागीदार मिलना शुरू हो गए। सबसे बड़ा दानकर्ता फीनिक्स फाउंडेशन (₹6 करोड़) था। वह आगे कहते है, ''हमारे पास अमेरिकी दानकर्ताओं सहित 100 से अधिक दानकर्ता थे, जिन्होंने निर्माण की लागत के लिए ₹5 लाख या उससे अधिक का योगदान दिया।'' बड़े पैमाने के अनुदान संचय कार्यक्रमों ने न केवल धन जुटाने में मदद की, बल्कि स्पर्श की दृश्यता भी बढ़ाई। उनमें सबसे बड़ा कार्यक्रम 2015 में गचीबोली स्टेडियम में आयोजित पांच दिवसीय स्काईफेस्ट था, जिसमें संगीत, हॉट एयर बलून की सवारी और भारतीय वायुसेना दल द्वारा पैरा जंपिंग शो शामिल थे। इससे ₹5.5 करोड़ एकत्रित हुए थे, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा आश्रम के लिए आवंटित किया गया था। 2019 में प्रसिद्ध पार्श्व गायक एस पी बालासुब्रह्मण्यम के एक संगीत कार्यक्रम ने ₹75 लाख जुटाने में मदद की। 188,000 डॉलर का एक वैश्विक अनुदान इस नई सुविधा के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद में मदद कर रहरा है।

इसमें रोगियों एवं उनके परिचारकों के लिए एक सभागार, रंगमंच, पुस्तकालय, भोजन कक्ष, फिजियोथेरेपी और प्रार्थना कक्ष है। ''उनके लिए ठहरने, दवाई और भोजन समेत समस्त सुविधाएं पूरी

दाएं से: *रो ई निदेशक महेश कोटबागी, तेलंगाना सरकार के उद्योग मंत्री, टी रामा राव, शांता बायोटेक के चेयरमैन वाराप्रसाद रेड्डी और रोटरी क्लब बंजारा हिल्स के अध्यक्ष विकास रांका स्पर्श धर्मशाला के उद्घाटन के मौके पर।*

तरह से नि:शुल्क है। डॉ सुब्रह्मण्यम कहते है, अब हम 4,000 गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल कर रहे है, जिनमें युवा एवं वृद्ध दोनों शामिल है, और इसमें हमारे घर-पहुँच देखभाल के आँकड़े भी शामिल है।'' उन्होंने कहा कि पुरानी सुविधा की परिचालन लागत ₹12 लाख प्रति माह थी और सभी 82 बिस्तरों के बनने के बाद यह अनुमानित ₹50 लाख प्रति माह हो जाएगी।

चिकित्सा विशेषज्ञों एवं देखभाल करने वालों की भर्ती में अत्यधिक सावधानी बरती जाती है। ''हम धैर्य और करुणा जैसे प्रभावी गुणों पर जोर देते है क्योंकि रोगियों को ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है जो उनके दर्द और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समानुभूति रख सकें'', रंका कहते है। वह स्पर्श में भर्ती पास के एक गाँव की एक युवती की हाल ही की एक घटना को याद करते है। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करते ही उसे कैंसर का पता चला था। ''वह अपने दीक्षांत समारोह में ऑनलाइन भाग लेकर बहुत खुश थी जिसे हमने बड़े पर्दे पर प्रदर्शित करने की व्यवस्था की थी। इस तरह के सरल किन्तु विचारशील कृत्यों की जरूरत उन्हें तब होती है जब दवा और उपचार उन पर सख्ती दिखाते है'', वह मुस्कुराते है।■

TRF की मदद से अच्छे कार्य

पटना के महावीर वात्सल्य में रोटरी ब्लड बैंक

टीम रोटरी न्यूज़

बाएं से:* *डीजी प्रतिम बेनर्जी, महावीर वात्सल्य अस्पातल के संस्थापक किशोर कुणाल, क्लब अध्यक्ष जयप्रकाश टोडी, RID 3141 के पीडीजी सुनिल मेहरा और डीआरएफसी संजय खेमका ब्लड बैंक के उद्घाटन के अवसर पर।

पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुनाल द्वारा स्थापित धर्मार्थ अस्पताल महावीरवात्सल्य अस्पातल के साथ अपने अनेक सहयोगपूर्ण कार्यों के हिस्से के रूप में, रोटरी क्लब पाटलीपुत्र, रो ई मंडल 3250, ने एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से रक्त कोशिका विभाजक इकाई के साथ महावीर रोटरी पाटलिपुत्र ब्लड सेंटर की स्थापना की है।

घटक विभाजक इकाई वाले इस अत्याधुनिक ब्लड बैंक से कोविड, डेंगू से पीड़ित एवं दिल की सर्जरी कराने वाले मरीजों को काफी फायदा होगा क्योंकि ये सेवाएं किफायती दामों पर उपलब्ध होंगी, जिससे समाज का हर वर्ग आसानी से इन्हें वहन कर पाएगा, क्लब की पूर्व अध्यक्ष शिल्पी चचान ने कहा। क्लब और महावीर मंदिर न्यास एक साथ मिलकर अनेक सामुदायिक पहलें चला रहे है, जिनमें से कुछ है 2014 में शुरू किया गया मुक्ति रथ, हृदय सर्जरी केंद्र और डायलिसिस केंद्र।

2020 में, जब शिल्पी के नेतृत्व में क्लब ने ब्लड बैंक स्थापित करने का फैसला किया, तब तत्कालीन DG गोपाल खेमका और DFRC संजय खेमका ने तुरंत इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। 116,000 डॉलर की एक वैश्विक अनुदान परियोजना, जिसमें स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वेंटिलेटर भी शामिल थे, को जुलाई 2020 में TRF द्वारा स्वीकृत किया गया था।

पाटलिपुत्र के रोटेरियनों का सपना इस साल अगस्त में तब साकार हुआ जब ब्लड बैंक का उद्घाटन किशोर कुनाल और DG प्रतिम बेनर्जी ने संयुक्त रूप से IPDG सुनील मेहरा, रो ई मंडल 3141, DRFC संजय खेमका, PDG गोपाल खेमका, एल बी सिंह, विवेक कुमार, सी खंडेलवाल और राकेश प्रसाद की उपस्थिति में किया। इसके अलावा, क्लब ने महावीर वात्सल्य अस्पताल परिसर में एक पाटलिपुत्र नेत्र अस्पताल स्थापित करने की योजना बनाई है और महावीर हार्ट अस्पताल को एक वेंटिलेटर दान किया जाएगा। क्लब के वैश्विक अनुदान प्रमुख बिपिन चचान ने कहा, हम महावीर अस्पताल में डायलिसिस इकाई भी स्थापित करने की योजना ब2ना रहे है। ■

फ्रैंक विंकेल

रोटेरियन बेंजामिन लिस्ट को मिला कैमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार

फ्लोरियन क्रांज़ू

इस वर्ष कैमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार रोटरी क्लब मुल्हेम ए डी रुहा के सदस्य जर्मनी के बेंजामिन लिस्ट और स्कॉटलैंड में जन्मे अमेरिकी शोधकर्ता डेविड डब्ल्यू सी मैकमिलन को संयुक्त रूप से दिया गया है। इन दोनों ने रासायनिक प्रतिक्रियाओं को तेज करने के तरीके विकसित किए हैं। इस अवसर पर हमने बेंजामिन लिस्ट के संक्षिप्त साक्षात्कार का आयोजित किया, जो जर्मनी के मुल्हेम शहर में मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर कोल रिसर्च में शोध कर रहे हैं।

आपको रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीतने की सूचना कैसे मिली?

यह एक आश्चर्यजनक किस्सा है। मैं उस दिन अपनी पत्नी के साथ एम्सटर्डम शहर में घूम रहा था, और इसी से पता चलता है कि वास्तव में मुझे पुरस्कार की उम्मीद बिलकुल नहीं थी। हमने वहां एक संगीत कार्यक्रम में भाग लिया था और अगली सुबह नाश्ते के लिए एक बढ़िया कैफे में बैठे थे। मैं ऑर्डर दे ही रहा था कि अचानक मेरे सेल फोन की घंटी बजी। मेरी पत्नी तुरंत बोली: यही वो कॉल है। लेकिन उन्होंने यह सिर्फ मजाक में कहा था। हमें वास्तव में इसकी उम्मीद नहीं थी, हाँ, हम यह ज़रूर जानते थे कि रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार की घोषणा दो तीन घंटे में की जाएगी।

जब आप एक संभावित प्रत्याशी होते हैं तो इस तरह के मजाक अक्सर सुनते हैं। ऐसा नहीं है कि मैं खुद को एक प्रत्याशी समझता था, लेकिन बाहर के कई लोग मुझे इस बारे में कहते थे। खैर, मुझे सेल फोन के डिस्प्ले पर एक अज्ञात नंबर दिखा, जिसके नीचे स्वीडन लिखा था। मैंने हैरानी से अपनी पत्नी की तरफ देखा, कैफे से बाहर भागा और फोन उठाया। वास्तव में यह वही चिरप्रतीक्षित कॉल था। यह नितांत अविश्वसनीय था। तब मुझे अपनी पत्नी को इशारे से समझाना पड़ा, जो अभी भी कैफे के भीतर बैठी शीशे की दूसरी ओर से मुझे देख रही थी, कि मुझे वास्तव में बताया जा रहा था कि मुझे नोबेल पुरस्कार मिलने वाला है।

उस समय आपकी पत्नी के चेहरे पर क्या भाव थे?

जाहिर है, उन्हें भी झटका लगा था, वो भी चकित रह गई थी। अपनी खुशी जताने के लिए मैं थोड़ा झुक कर अपने घुटनों पर टिक गया जिससे लगे कि मारे खुशी के मैं लगभग मूर्छित हो रहा हूँ। वह एक ऐसा अविस्मरणीय पल था जिसे मैं ज़िंदगी भर नहीं भूल पाऊंगा।

फिर क्या आप चैन से नाश्ता कर पाए?

नहीं। सबसे पहले, बदकिस्मती से नाश्ते का स्वाद वैसा नहीं था जिसकी हमने उम्मीद की थी। दूसरी बात, अब मैं कुछ नहीं खा सकता था, बस खा ही नहीं पा रहा था। ये तो अच्छा है कि घोषणा से

करीब पौने घंटे पहले वो आपको सूचित करते हैं, ताकि इस अप्रत्याशित क्षण के लिए आप स्वयं को तैयार कर सकें कि जो आपको झटका देने वाला है। लेकिन आप एक घंटे के बाकी तीन चौथाई भाग में क्या करेंगे? इसकी तैयारी कैसे कर सकते हैं? देखा जाये तो ज़रा भी नहीं। हमने फटाफट भुगतान किया, एम्स्टर्डम में थोड़ा और घूमे और फिर वापस होटल आ गए।

क्या आपने उसी समय होटल के कर्मचारियों को सूचना दी कि अब आप रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार विजेता हैं?

हाँ, मैंने उन्हें तुरंत बता दिया। बेशक, वे बहुत खुश हुए और उनको धन्यवाद कि उन्होंने मुझे एक अलग कमरा उपलब्ध करा दिया। वहां बैठकर सबसे पहले मैंने नोबेल पुरस्कार फाउंडेशन को इंटरव्यू दिया।

उस दिन फोन पर कितनी कॉल आईं?

मैंने गिनी नहीं। अभी तक प्राप्त हुई सभी 600 ई-मेल का जवाब देने का समय मेरे पास नहीं है। उसके अलावा एसएमएस और व्हाट्सएप संदेश भीहैं।

क्या अब यह आफत बन गई है कि मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट के होमपेज पर अभी भी आपका इ मेल नज़र रहा है?

शायद। मेरा ई-मेल वैज्ञानिक जर्नलों में लेख के साथ हमेशा दिया जाता है। आप मेरा ईमेल पता ढूंढेंगे तो जल्दी ही मिल जायगा। मेरी महत्वाकांक्षा, मेरे इनबॉक्स के सभी मेल का जवाब देने की रहती है, लेकिन शायद इस साल ये संभव नहीं हो सकेगा।

हम नाश्ते के लिए एक कैफे में बैठे थे। मैं ऑर्डर दे ही रहा था कि अचानक मेरे सेल फोन की घंटी बजी। मेरी पत्नी तुरंत बोली: यही वो कॉल है। लेकिन उन्होंने यह सिर्फ मजाक में कहा था।

हमारे संस्थान के स्टाफ के सभी सदस्य खड़े थे। प्रत्येक व्यक्ति ताली बजा रहा था। पूरा संस्थान वहाँ खड़ा हो कर आनंद से तालियाँ बजा रहा था ये अद्भुत था। मेरा रोम रोम आनंदित था।

मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर कोल रिसर्च ने आपका स्वागत सत्कार किस प्रकार किया?

निहायत ही बेहतरीन। मेरे जीवन के सबसे खूबसूरत पलों में से एक। क्योंकि जब घोषणा हुई थी उस वक़्त मैं संस्थान में मौजूद नहीं था, मेरे स्वागत की तैयारी के लिए उनके पास पर्याप्त समय था। हमारे संस्थान के एक भाग में आंगन है और उसके हर दूसरे तल पर फायर बालकनी हैं, जिन पर उस समय स्टाफ के सभी सदस्य खड़े थे। प्रत्येक व्यक्ति ताली बजा रहा था और निश्चित रूप से वहां प्रेस भी मौजूद थी और सभी टीवी कैमरे मुझे घूर रहे थे। लेकिन इन सब पर मेरा बिल्कुल ध्यान नहीं गया। इस अनुभूति को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, मैं सिर्फ अपने साथियों को मेरे लिए तालियाँ बजाते देख रहा था। पूरा संस्थान वहाँ खड़ा हो कर आनंद से तालियाँ बजा रहा था ये अद्भुत था। मेरा रोम रोम आनंदित था। शिल्पकार, प्रशासन सहयोगी, विश्लेषक, प्रयोगशालाओं के रसायनज्ञ, सभी तो उपस्थित थे और उन्होंने करीब पांच मिनट तक ताली बजाई गई। फिर उसके बाद कुछ देर सन्नाटा क्योंकि मैं पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहा था, और इसके बाद एक बार फिर से पांच मिनट तक तालियां बजीं। वो समय अंतहीन लग रहा था। यकीनन ये बेहद हसीन लम्हे थे।

क्या आपके दिमाग में कुछ शब्द उभरे थे या फिर यह एक ऐसा पल था जहाँ आपको कुछ नहीं सूझ रहा था कि पहले क्या कहना चाहिए ?

बात तो अजीब है लेकिन, मेरे लिए ये आसान था। आखिरकार, मुझे कोई जटिल स्पष्टीकरण थोड़े ही देना था, बल्कि यह तो खुशी का मौक़ा था।

क्या आपके रोटरी क्लब ने समारोह में आमंत्रित किया है?

हम संपर्क में हैं। निश्चित रूप से एक छोटा सा उत्सव जरूर होगा, लेकिन कब होगा, इसके बारे में अभी नहीं कह सकता। लेकिन होगा जरूर। देखते हैं उस समय मैं भाषण दे पाया। मुझे पहले ही दो व्याख्यान देने की अनुमति दी गई है, एक शोधकर्ता के रूप में मेरा जीवन और दूसरा रिसर्च के सम्बन्ध में, समग्र रूप से उत्प्रेरण के बारे में है। जैसे भी हो, हम अलग अंदाज़ में जश्न मनाएंगे।

(यह साक्षात्कार *Rotary Magazin* से लिया गया है, जर्मनी की क्षेत्रीय पत्रिका)

डेविड आसरहोफर

2023 तक रोटरी में महिला सदस्यता 30 प्रतिशत होना चाहिए - RIPN

वी मुत्तुकुमारन

कोविड महामारी ने रोटरी को बदलते समय के अनुसार ढलने के अनूठे अवसर प्रदान किए है, और ''हमें लचीले क्लबों के निर्माण एवं नवीन रूप से तैयार की गई DEI नीतियों का पालन करते हुए अधिक विविध पेशेवरों तक पहुंचने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने की जरूरत है,'' रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3232, की एक आभासी बैठक को संबोधित करते हुए RIPN गॉर्डन मैकिनेली ने कहा।

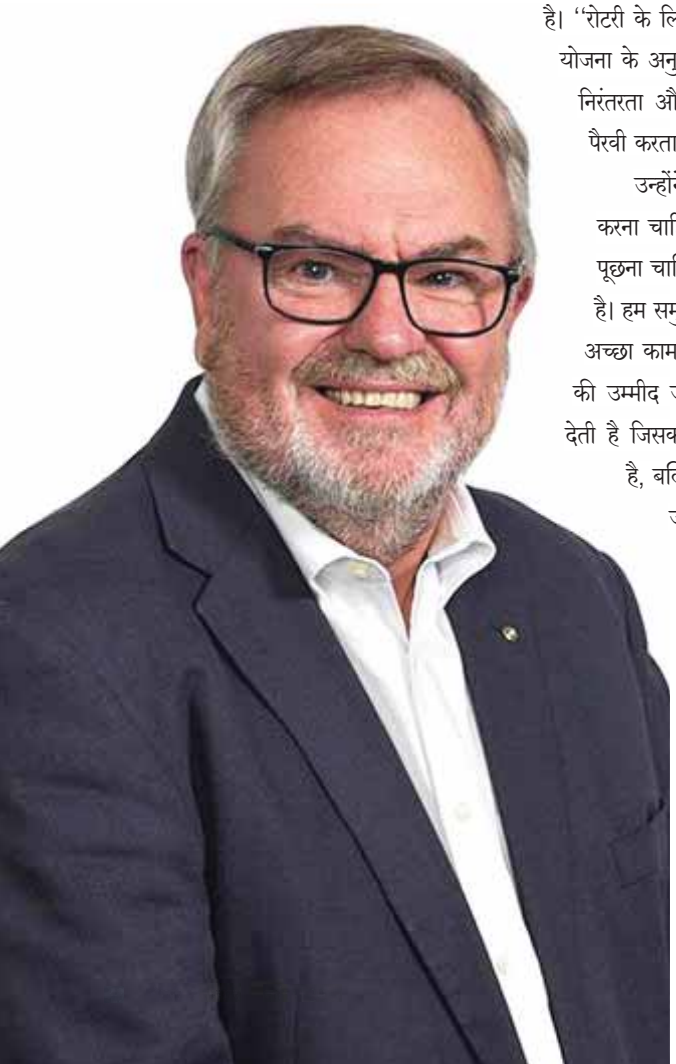

RIPN गॉर्डन मैकिनेली

''रोटरेक्ट क्लब लैंगिक समानता का रास्ता दिखा रहे है क्योंकि रोटरेक्टरों में 51 प्रतिशत महिलाएं शामिल है और हम उनसे सीख सकते है।''

अपने 'विज़न ऑफ़ रोटरी' को साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि जब वह अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे तो प्रयास रोटरी में 2023 तक महिलाओं की सदस्यता को 30 प्रतिशत के पार ले जाने का है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 26 प्रतिशत क्लब अध्यक्ष, 22 प्रतिशत DG यों और 37 प्रतिशत रो ई मंडल निदेशक महिलाएं है। ''रोटरी के लिए मेरा दृष्टिकोण नवीन रो ई कार्य योजना के अनुरूप है जो नवाचारों के माध्यम से निरंतरता और चुनौतियों का सामना करने की पैरवी करता है।''

उन्होंने कहा कि रोटरी को कैसे काम करना चाहिए ''यह पूछने के बजाय हमें यह पूछना चाहिए कि रोटरी की आवश्यकता क्यों है। हम समुदायों की मदद करते हुए दुनिया में अच्छा काम करने के लिए एक बेहतर भविष्य की उम्मीद जगाते है। रोटरी शांति को बढ़ावा देती है जिसका अर्थ युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि इसका अर्थ है स्वतंत्रता, स्वस्थ जीवन, स्वच्छ जल, मानवाधिकारों, गरिमा और सभी के लिए आवास को अस्तित्व में लाना। बेहतर आजीविका के लिए तरस रहे अफ्रीका के वंचित परिवारों और कुपोषित बच्चों के साथ अपनी बातचीत को याद'' करते हुए मैकिनेली ने कहा, ''मुझे ग्रामीण केन्या में गरीब बच्चों से मिलने का मौका मिला जहाँ मेरा एक दंत चिकित्सालय था और रोटरी ने उनमें उम्मीद जगाई। हम एक परवाह करने वाली, शांतिपूर्ण और उदार जगत की आशा करते है।''

बदलते समय के साथ नए सामान्य के सामने आने पर रोटरी को अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना होगा, ''दोबारा बारीकी से निरीक्षण करना होगा, जिस समय में हम रहते है उस पर विचार करते हुए आगे बढ़ना होगा। स्पेनिश फ़्लू (1918) महामारी, द्वितीय विश्व युद्ध के कारण आई महामंदी (1921) और एशियाई फ़्लू (1957) से रोटरी को अपनी सदस्यता वृद्धि करने के अवसर प्राप्त हुए है। अब हम एक और महामारी से गुजर रहे है और हमें रोटरी को विकसित करने के इस अवसर का लाभ उठाना होगा क्योंकि सदस्यता में हमारी जान बसती है।'' जहाँ उनके लिए रो ई अध्यक्ष मेहता की पहल *हर एक* लाए एक महत्वपूर्ण है, हमें अपना कारोबार सीमित करना होगा क्योंकि पिछले 10 वर्षों में 20,000 से अधिक नए सदस्य रोटरी छोड़कर चले गए है। ''हमारे क्लबों को नए सदस्यों को शामिल करने के तरीके खोजने की आवश्यकता है ताकि हमारे अवरोधन में सुधार हो।'' रोटरी को बहुत अधिक लाभ प्राप्त होगा यदि वह क्लबों में 'जनसांख्यिकीय लाभांश' लाने वाले युवा सदस्यों को शामिल करके उन्हें रोककर रख सकें।

दिवंगत अमेरिकी सीनेटर रॉबर्ट कैनेडी के 1966 में कहे गए प्रसिद्ध शब्दों को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, हम दिलचस्प और रोमांचक समय में रहते है, उन्होंने कहा, रोटरी हमारे बच्चों के जीवन को बदल सकती है यदि हम एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए अपने मौलिक आदर्शों पर कायम रहते हुए बदलाव को अपनाने के लिए तैयार रहे।

रोटरी भारत का सराहनीय कार्य

रो ई निदेशक महेश कोटबागी ने कहा कि हर महीने भारत के सभी चार ज़ोन के क्लब लगभग 4,000-5000 नए सदस्यों को शामिल करते है और ''इस रोटरी वर्ष के अंत तक 60,000 नए रोटेरियन को शामिल करने का लक्ष्य आसानी से पूरा हो जाएगा।'' उन्होंने कहा कि भारत के क्लब 'कुछ अभूतपूर्व कार्य' कर रहे है और TRF में समर्थन करने के मामले में वह level-2 तक पहुँच गए है।

रोटरी क्लब मद्रास के अध्यक्ष मोहन रामन ने कहा कि अगले कुछ महीनों में अनेक वैश्विक अनुदान परियोजनाओं की शुरुआत की जाएगी। तिरुवल्लूर जिले के गुम्मिदीपूंदी तालुक में क्लब की एक प्रतिष्ठित परियोजना ठउच् बॉयज़ टाउन में वर्थ ट्रस्ट (₹4 करोड़) के साथ साझेदारी में विकलांगों के लिए एक तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र तैयार किया जा रहा है; चितलापक्कम स्थित एक सरकारी कन्या शाला में एक शौचालय खंड (₹30 लाख); नाड़ी हेल्थ क्लिनिक के साथ साझेदारी में 12 बिस्तरों वाले एक डायलिसिस केंद्र (₹1.4 करोड़); schools into smiles परियोजनाओं के अंतर्गत स्कूल जिनमें 15 स्कूलों/कक्षाओं का नवीनीकरण (₹55 लाख) के साथ-साथ नए ई-लर्निंग सेंटर (₹16 लाख) शामिल है।

उन्होंने याद किया कि कैसे 1970 के दशक की शुरुआत में क्लब ने लाल खसरा टीकाकरण अभियान चलाया जो रोटरी के पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम का अग्रदूत था। उन्होंने कहा, ''हमें मई 1985 में पोलियो टीकाकरण के लिए 2.06 मिलियन डॉलर का पहला 3-H अनुदान प्राप्त हुआ, इसके बाद शहर में 200 बिस्तरों वाले चाइल्ड ट्रस्ट हॉस्पिटल और पोलियो पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के लिए दो और अनुदान प्राप्त हुए।'' क्लब ने 118वें रो ई अध्यक्ष (2023-24) के रूप में मैकिनली के नामांकन का जश्न मनाने के लिए अपने 30 एकड़ के बॉयज़ टाउन में 118 फलदार पेड़ लगाए थे; और जब आप रोटरी अध्यक्ष के रूप में चेन्नई की यात्रा करेंगे तो हमें आपको उन पेड़ों के फल प्रदान करने में खुशी होगी,'' उन्होंने कहा।

DG जे श्रीधर और DGN रवि रमन ने मैकिनली को सम्मानित किया और उन्हें एक भौतिक बैठक के लिए चेन्नई में आमंत्रित किया। पूर्व अध्यक्ष एन के गोपीनाथ ने आभासी सत्र की शुरुआत की जिसमें ब्राजील, कोलंबिया, यूएस, कनाडा, यूके, तुर्की, ग्रीस, जाम्बिया, नाइजीरिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया के 780 प्रतिनिधि शामिल हुए। 100 अतिरिक्त रोटेरियन यूट्यूब पर लाइव शामिल हुए। ■

TRF 1 मिलियन डॉलर के शेखर और राशि मेहता अक्षयनिधि कोष की स्थापना करता है

टीम रोटरी न्यूज़

अक्टूबर में अपने जन्मदिन के आभासी उत्सव के दौरान रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता को RIPE जेनिफर जोंस से एक बहुमूल्य उपहार मिला जिसमें उन्होंने दंपति को निकट भविष्य में अपने घर एक भारतीय रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया जिसे वह खुद अपने हाथों से पकाएगी। दोनों उनके पसंदीदा व्यंजन तैयार करने में उनका मार्गदर्शन कर सकते है, वह मुस्कुराई।

TRF न्यासी गुलाम वाहनवटी ने शेखर मेहता और राशि मेहता अक्षयनिधि कोष की स्थापना की घोषणा करते हुए कहा कि इस साल TRF ने इस कोष में 1 मिलियन डॉलर जुटाने का फैसला किया है और हम इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत में रोटरी क्लबों से समर्थन चाहते हैं।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश और महेश कोटबागी ने आभासी बैठक की अध्यक्षता की और PDG रवि वडलमानी, रो ई मंडल 3150, ने कहा कि उनके 62 वें जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए उनके मंडल ने 62 नए रोटरेक्ट क्लब जोड़े और 62 नए हैप्पी स्कूलों को शामिल किया।

इसका जवाब देते हुए, मेहता ने कहा कि कोई भी रोटेरियन एक नए सदस्य को शामिल करके उन्हें सबसे अच्छा जन्मदिन का उपहार दे सकता है। ■

AI-संचालित चश्मे दृष्टिहीनों की 'देखने' में मदद करते है

किरण ज़ेहरा

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की एक नई पहल के तहत, रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट, रो ई मंडल 3232, ने *दृष्टि परियोजना* शुरू की है जिसने अपने पहले चरण में 300 लाभार्थियों को स्मार्ट विजन चश्में (SVS) प्रदान किए है। मार्गनिर्देशन करने, पढ़ने एवं अन्य कार्यों के लिए SVS AI-संचालित चश्मे और मोबाइल कनेक्शन के संयोजन का उपयोग करता है। सदस्यों और शुभचिंतकों के उदार योगदान की मदद से क्लब ने इस परियोजना के लिए ₹75 लाख जुटाए है।

एक उत्साहित क्लब अध्यक्ष एम श्रीनिवास राव ने कहा, ''मैं सेवा परियोजनाओं के लिए मिलने वाले योगदानों को देखकर बहुत खुश हूँ। इसने हमें जीवन परिवर्तक सेवा करने के हमारे सपनों को साकार करने की हमारी यात्रा हेतु दृढ़ बनाया है।'' DG जे श्रीधर ने कहा कि प्रोजेक्ट दृष्टि इन स्मार्ट चश्मों के माध्यम से दृष्टिबाधित लोगों के जीवन को जबर्दस्त रूप से बदल देगा और देश के विभिन्न हिस्सों से कई अन्य क्लब पहले ही इस क्लब से संपर्क कर चुके है।

एक सॉफ्टवेयर को चश्मे में स्थापित करने का विचार नया नहीं है, AI-संचालित चश्में डिजाइन करने वाली बेंगलुरु स्थित एक आईटी कंपनी, स्मार्ट हेल्थ ग्लोबल, के सीईओ रामू मुथांगी कहते है। फर्म के तकनीकी कौशल और रोटरी एवं बोस्टन आधारित एक गैर सरकारी संगठन, विज़न एड, के साथ इसके सहयोग को SVS की सफलता का श्रेय देते हुए उन्होंने कहा, ''हम चाहते है कि ये विशेष चश्मे जरूरतमंदों तक पहुंचें क्योंकि हमारा उद्देश्य लाभ कमाना नहीं हैं।''

मोबाइल ऐप के माध्यम से, SVS निरंतर प्राप्त होने वाली जानकारी के माध्यम से दृष्टिबाधित लोगों का मार्गदर्शन करेगा। मुथांगी ने कहा, ''वाई-फाई या मोबाइल डेटा पर होने वाली जानकारी के आदान-प्रदान के दौरान चश्मे पर लगे स्पीच आउटपुट के माध्यम से चश्मा पहनने वाले को सूचनाओं की श्रृंखला प्राप्त होती है।'' यह उपकरण कानों पर टिकने वाली चश्मे की भुजाओं पर सुसज्जित है जो पेन ड्राइव केस की तरह दिखाई देती है। बाएं केस में एक फ्लैश वाला कैमरा है जो दो मीटर के

लाभार्थी के साथ बातचीत करते हुए डीजी जे श्रीधर।

दाएं से: परियोजना समन्वयक राधिका सत्यनारायण; स्मार्ट हेल्थ ग्लोबल के सीईओ रामू मुथांगी; क्लब सचिव मगेश पट्टाभिरामन; क्लब के अध्यक्ष एम श्रीनिवास राव और अरविंद नेत्र चिकित्सालय की विजन प्रमुख डॉ विजयलक्ष्मी लाभार्थियों के साथ।

भीतर की छवियों को कैप्चर करता है, वस्तुओं की पहचान करता है और चलने में कोई परेशानी न हो इसके लिए सामने और आसपास मौजूद बाधाओं की चेतावनी देता है। यह उपकरण 73 क्षेत्रीय भाषाओं में लिखित दस्तावेजों को भी पढ़ेगा, चेहरे के भावों के माध्यम से दोस्तों को पहचानेगा, उनका सामान ढूंढेगा और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने में मदद करेगा।

लाभार्थियों में से एक, चेन्नई के एम ए अंग्रेजी के छात्र, 21 वर्षीय अरिवलगन ने कहा कि SVS की वजह से अब वह आत्मविश्वास के साथ घूमने और अंग्रेजी लिखाई पढ़ने में सक्षम है। वह मुस्कुराते हुए कहता है कि ''यह हाई-फाई चश्मा मुझे पढ़ाई में मदद करेगा और मैं मेरे पसंदीदा लेखक स्टीफन किंग के उपन्यासों को भी पढ़ सकूँगा।'' तेनमोली के लिए, ''अपने माता-पिता की इकलौती संतान होने के नाते, मेरे माता-पिता मेरे भविष्य को लेकर चिंतित है। SVS की सहायता से मैं यूपीएससी परीक्षा पास कर लूँगी। यह चश्मा मेरा भविष्य सुरक्षित करेगा जिससे मेरे माता-पिता खुश होंगे।''

अरविंद नेत्र अस्पताल (AEH) ने स्मार्ट चश्मे की उपयोगिता को मान्यता दी। -एक में विजन रिहैबिलिटेशन सेंटर के प्रमुख और मुख्य बाल रोग विशेषज्ञ डॉ पी विजयलक्ष्मी ने कहा, ''यह पहली बार नहीं है जब हम रोटरी के साथ साझेदारी कर रहे है। AEH, मदुरई, में डॉ फ्लोरा जयसीली के नेतृत्व में एक शोध दल ने पाया कि SVS के उपयोग से कमजोर दृष्टि वाले एवं दृष्टिहीन लोगों के आवागमन में सुधार हुआ है।'' डॉ विजयलक्ष्मी ने आगे कहा, ''पिछले 10 महीनों में 50 मरीजों पर इस प्रोटोटाइप का परीक्षण किया गया और उनके फीडबैक ने इस मॉडल को वजन'', आकार और उपयोग में सर्वोत्तम बनाने में मदद की।

AEH, चेन्नई, के निदेशक डॉ अरविंद श्रीनिवासन ने कहा कि SVS का हार्डवेयर सौंदर्य की दृष्टि से डिजाइन किया गया है ताकि पहनने वाला इसे पहनकर पूरा दिन सहज महसूस करें। उन्होंने कहा, ''AI इंजन को सीखने में सक्षम बनाने के लिए सॉफ़्टवेयर को चीजों एवं दृश्यों के डेटाबेस के साथ लगातार अपडेट किया जा रहा है और वह आशा करते है कि इस डिवाइस को उचित रूप से दृष्टिहीनों के लिए दुनिया को देखने के एक नए तरीके के रूप में देखा जाएगा।''

क्लब के सचिव मगेश पट्टाभिरमन ने कहा कि हर सेवा परियोजना की योजना डेढ़ साल पहले ही बना ली जाती है। उन्होंने आगे कहा, ''हमारी सभी परियोजनाओं के टिकाऊ होने का कारण यह है कि हम परियोजना के सभी चरणों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले जिम्मेदार हितधारकों की पहचान करते है और धन जुटा पाते है।'' ■

सूरत, कोयंबटूर के क्लबों ने मनाया स्वर्ण जयंती उत्सव

वी मुत्तुकुमारन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बॉलीवुड के गीतों और पारंपरिक नृत्य के साथ आयोजित एक चार्टर नाइट ने, और DG संतोष प्रधान द्वारा 10 चार्टर सदस्यों को दिए गए सम्मान ने रोटरी क्लब सूरत राउंडटाउन, रो ई मंडल 3060, के सदस्यों को उत्साहित किया। हमारी स्वर्ण जयंती को चिह्नित करने के लिए हमारे सभी 63 सदस्यों को विशेष रूप से डिज़ाइन की गई रोटरी पिन दी गई, क्लब के अध्यक्ष डॉ भाविन सी जरीवाला ने कहा। सूरत के अन्य 15 रोटरी क्लबों में रोटेरियनों और उनके परिवारों के लिए एक सफल CPR प्रशिक्षण सत्र दोहराया जाएगा। सितंबर 2022 में रो ई मुख्यालय एवं मंडल के प्रतिनिधियों और रोटरी नेतृत्वकर्ताओं के साथ एक विशाल उत्सव की योजना बनाई गई है।

यादों के गलियारों में

8 सितंबर, 1972 को 40 चार्टर सदस्यों और चार्टर अध्यक्ष के रूप में रावजीभाई पटेल के साथ गठित इस क्लब ने दो DG दिए है और अनेक प्रभावशाली परियोजनाएं की है।

ग्रामीण परिवारों की मदद के लिए 1984 में यूके के रोटेरियनों, रो ई मंडल 1020, से आंखों के ऑपरेशन और परिवार नियोजन प्रक्रियाओं के लिए एक ऑपरेशन थियेटर वाला एक डबल डेकर वाहन प्राप्त हुआ। रोटरी क्लब स्टोन माउंटेन, रो ई मंडल 6900, यूएस, के साथ एक मिलान अनुदान के तहत क्लब ने साल भर चलने वाली एक चिकित्सा परियोजना (1996-97) को लागू किया जिसने अदाजन नामक एक झुग्गी बस्ती में 540 बच्चों और 59 स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पौष्टिक भोजन वितरित किया।

ममता परियोजना के माध्यम से विशेष बच्चों के ममता स्कूल के 40 विद्यार्थियों को उनका मासिक राशन, यूनिफ़ार्म, किताबें, जूते प्राप्त होते है।

1996 से, दक्षिण गुजरात के डांग और व्यारा ज़िले के सरकारी स्कूलों में हर साल ₹2.5 लाख की लागत से किताबें, स्टेशनरी, यूनिफ़ार्म, जूते और मौखिक स्वच्छता उत्पादों का दान किया जा रहा है। विभिन्न वैश्विक अनुदानों के माध्यम से मांडवी के तेजस नेत्र अस्पताल को ₹1.4 करोड़ के उपकरण दान किए गए। इस जुलाई में एक वैश्विक अनुदान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ₹40 लाख के उपकरण दान किए गए और क्लब ने 100 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरियों को प्रायोजित किया।

सूरत के पास स्थित एक झुग्गी को अपनाना, भोजन और किताबों का वितरण, आंगनवाड़ी का रख-रखाव, महिलाओं के लिए सिलाई कक्षाएं, सिलाई मशीनों का दान और एक कंप्यूटर केंद्र की स्थापना करना क्लब की अन्य परियोजनाएं है।

पुनर्निर्मित हॉल

50 साल पुराने प्रतिष्ठित दिलीप-परेश रोटरी हॉल को सदस्यों द्वारा दान किए गए ₹7 लाख की लागत से पुनर्निर्मित किया गया। इस पुनर्निर्मित परिसर का उद्घाटन DG प्रधान ने किया।

पैंतीस काम पर जाने वाली महिलाओं और कॉलेज जाने वाली लड़कियों के सविता शारदा गर्ल्स हॉस्टल के लिए जैविक खेती हेतु एक किचन गार्डन का आयोजन किया जाएगा।

मंडल के *रेड रेवलूशन* प्रोजेक्ट के तहत, क्लब सरकारी स्कूलों में ग्रामीण महिलाओं के लिए MHM जागरूकता सत्र आयोजित कर रहा है। ''हम सैनिटरी पैड के उपयोग के बारे में गलत धारणाओं को दूर करते है और इन स्वच्छता कार्यशालाओं में 600 सैनिटरी नैपकिन पैक वितरित करते है।''

आकार लेती परियोजनाएं

स्वर्ण जयंती समिति के प्रमुख प्रशांत देसाई ने कहा कि सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए एक कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, एक *कला महोत्सव* और अधिक सदस्यों को जोड़ने जैसी संभावित परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

अपनी यादगार परियोजनाओं में से एक को याद करते हुए, PDG भरत सोलंकी (72) ने कहा कि उन्होंने 1974 में क्लब अध्यक्ष के रूप में सूरत के DKM अस्पताल में पोलियो पुनर्वासन केंद्र स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ''1984-85 में, 25 की उम्र में DG का पदभार संभालते हुए सबसे युवा गवर्नर कहलाना और 2000 में तत्कालीन रो ई अध्यक्ष रिचर्ड किंग से सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड प्राप्त करना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है।''

PDG कुलबंधु शर्मा के लिए दिसंबर 2003 में मेरे DG रहते हुए क्लब द्वारा तीन दिवसीय मंडल सम्मेलन की मेजबानी करना एक महान अवसर था।

'पर्यावरण के अनुकूल होना' मंत्र है

तमिलनाडु के दक्षिणी हिस्से में, रोटरी क्लब कोयंबटूर मिडटाउन, रो ई मंडल 3201, की एन्स ने क्लब अध्यक्ष आर कृष्ण कुमार की पत्नी वाणी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में बेथड़ा अम्मान ट्राइबल कॉलोनी का दौरा किया और क्लब के स्वर्ण जयंती वर्ष को चिह्नित करने के लिए 14 परिवारों को राशन की थैलियाँ दान की।

बाएं: चार्टर सदस्यों और पीडीजी गण भारत सोलंकी और कुलबंधु शर्मा ने रोटरी क्लब सूरत राउंडटाउन की स्वर्ण जयंती का जश्न मनाने के लिए केक काटा। चित्र में डीजी संतोष प्रधान (पीडीजी सोलंकी की बाईं ओर), क्लब अध्यक्ष डॉ भाविन जरीवाला (पीडीजी शर्मा के पीछे, उनके दाहिनी ओर) और पूर्व अध्यक्ष प्रशांत देसाई (पीडीजी शर्मा और सोलंकी के बीच में) शामिल है।

बाएं से दाएं: रोटरी क्लब कोयंबटूर मिडटाउन के खझझ एस पलानीअप्पन, मंडल सामुदायिक सेवा (चिकित्सा) अध्यक्ष वी वरदराजन, क्लब सचिव सी वी श्रीराम, मंडल फोकस (पृथ्वी) अध्यक्ष वी एस सत्यमूर्ति, डीजी राजशेखर श्रीनिवासन और क्लब अध्यक्ष आर कृष्णकुमार पौधे वितरण अभियान में।

सूरत के अन्य 15 रोटरी क्लबों में रोटेरियनों और उनके परिवारों के लिए एक सफल CPR प्रशिक्षण सत्र दोहराया जाएगा। सितंबर 2022 में रो ई मुख्यालय एवं मंडल के प्रतिनिधियों और रोटरी नेतृत्वकर्ताओं के साथ एक विशाल उत्सव की योजना बनाई गई है।

क्लब ने, अपनी गो ग्रीन परियोजना के अंतर्गत ESRAG साउथ एशिया के साथ साझेदारी में वितरण के लिए कोयंबटूर में रोटरी क्लबों और अन्य गैर सरकारी संगठनों को 50,000 से अधिक पौधे उपहार में दिए। क्लब सचिव सी वी श्रीराम ने कहा, ''हम अपने सदस्यों के योगदान से चिन्नियामपलयम गांव में एक जैव विविधता पार्क, एक एकड़ के मियावाकी जंगल बनाने की योजना बना रहे है।'' किसानों तक पहुंचने के लिए जैविक खेती पर आयोजित की गई एक दिवसीय कार्यशाला में धारापुरम, तिरुपुर, पोलाची, उदुमलपेट और मदुरई के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिन्हें मिट्टी के अनुकूल खाद तैयार करने और पारंपरिक खेती पर क्रैश कोर्स दिया गया।

वैश्विक अनुदान परियोजनाएं

एक निजी अस्पताल में एक डायलिसिस केंद्र स्थापित करने और वैश्विक अनुदानों के माध्यम से एम्बुलेंस चालकों को 50,000 PPE किटें वितरित करने की योजना पर काम चल रहा है। ''वर्तमान में, हमारे पास 71 रोटेरियन है। हम 15 नए सदस्यों को शामिल करने की योजना बना रहे है हालांकि हम अपनी स्वर्ण जयंती के दौरान सदस्य संख्या को 100 के करीब ले जाना पसंद करेंगे'', श्रीराम ने कहा।

जनसम्पर्क को बढ़ावा देने के लिए क्लब द्वारा रेसकोर्स रोड पर एक ट्रैफिक सर्कल को अपनाया गया था। इंटरनेशनल सर्विस के अध्यक्ष सी टी त्यागराजन ने कहा, ''हमनें स्वर्ण जयंती वर्ष को चिह्नित करने के लिए अनेक कार्यक्रमों और गतिविधियों की योजना बनाई है।'' एक स्वर्ण जयंती भवन (₹40 लाख) का निर्माण जल्द ही पूरा होगा जिसमें दो सिलाई केंद्र और क्लब का एक अंग फिटमेंट केंद्र संचालित होगा।

कृत्रिम अंग शिविर

महामारी के दौरान भी, क्लब ने कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर की मेजबानी की जो इस 50 वर्षीय क्लब की एक प्रमुख विशेषता है। 1990 से क्लब के लिम्ब फिटमेंट सेंटर में नियमित रूप से आयोजित किए जाने वाले प्रोजेक्ट *वॉक अगेन* से लगभग 20,000 विकलांग लाभान्वित हुए। DG राजशेखर श्रीनिवासन ने ऐसे ही एक शिविर का उद्घाटन किया।■

गुड्डे, गुड़ियाँ और आजीविका

जयश्री

इस साल मेरे नवरात्रि *गोलू* को सजाने के लिए कुछ अनोखी गुड़ियों की तलाश में, मुझे एक एफबी पोस्ट मिला, जिसमें कांचीपुरम की एक पूरी सड़क के बारे में बताया गया था, जो असंख्य किस्म की गुड़िया बनाने के लिए समर्पित है...

आस्थागिरी या *बोम्मई कारा वीधी* (गुड़िया गली) जैसा कि स्थानीय लोगों द्वारा कहा जाता है, वरदराज पेरुमल मंदिर के पास लगभग 50 घरों के साथ एक शताब्दी पुरानी संकरी गली है। सभी घर गुड़िया बनाने में लगे हुए हैं और उनमें से अधिकांश पीढ़ियों से इस धंधे में लगे हैं। शांता (68) मुस्कुराती हैं, ''यह मेरे पति का पुश्तैनी कारोबार है। जब मेरी शादी हुई और मैं यहां बस गई, तो मैंने भी इसे अपना लिया।'' जिनके दो बेटे भी अब इसका हिस्सा हैं। उनके मामूली घर का बरामदा *रामायण, महाभारत* और *भागवदम,* देवी-देवताओं और स्वतंत्रता सेनानियों की पौराणिक कथाओं को दर्शाती रंगीन मिट्टी की गुड़िया की पंक्तियों से भरा है। कागज-यंत्र से बनी गुड़िया भी लोकप्रिय हैं, क्योंकि वे हल्के वजन की होती हैं और आसानी से नहीं टूटती हैं। ''भगवान की कृपा से इस साल व्यापार अच्छा था, पिछले दो वर्षों से एक बड़ी राहत है'', वह कहती हैं, और सड़क पर कई अन्य लोग भी इस भावना को प्रतिध्वनित करते हैं।

रो ई मंडल 3231 के तहत, रोटरी क्लब कांचीपुरम के सदस्य पद्मनाभन, 73 साल पुरानी इकाई चलाने वाली तीसरी पीढ़ी की गुड़िया निर्माता हैं। वह तंजावर के एक संरक्षक के आदेश के हिस्से के रूप में एक विस्तृत हिंदू शादी के सेट को पैक करने में व्यस्त है। सेट की 10 गुड़ियों में से प्रत्येक - दूल्हा और दुल्हन, पुजारी और मेहमान - को सावधानी से घास और बुलबुला पैक में लपेटा जाता है, जिसे कूरियर द्वारा भेजा जाता है। ''सभी गुड़िया को अच्छी तरह से गद्दीदार पैक में रखा जाता हैं जिससे कि वे शायद ही कभी पारगमन में टूटती हैं और यदि ऐसा होता है, तो हम इसे अपने ग्राहक को बिना किसी कीमत के आसानी से बदल देते हैं'', वे कहते हैं। कीमतें आश्चर्यजनक रूप से मामूली हैं और जिनके पास सौदा करने का दिल है उन्हें अच्छा सौदा मिलता है। कोविद-पूर्व समय के दौरान, ये सभी घरों ने नवरात्रि से

पहले दो महीनों के दौरान अच्छा व्यवसाय करते थे, लोगों के लिए यहां यात्रा करना और अपनी कारों को मामूली दरों पर विशिष्ट रूप से बनी गुड़ियों के साथ लोड करना पसंद था, बजाय इसके कि वे अपने गृहनगर में स्थानीय रूप से लगभग दोगुनी कीमत पर खरीदें।

कोविड प्रभाव

''हमारे व्यवसाय को दो साल पहले एक बड़ा झटका लगा था, जब कोविद की पहली लहर अपने चरम पर थी और सरकार ने लंबे समय तक तालाबंदी की घोषणा की थी। धन की कमी के कारण हम इस साल ज्यादा उत्पादन नहीं कर सके।'' पद्मनाभन की पत्नी सविता कहती हैं, इन गुड़ियों में से अधिकांश को पिछले दो वर्षों से आगे बढ़ाया गया है, ''अगर ऐसा एक और साल जारी रहता है, तो हमें अपना पैतृक घर जहां हम वर्तमान में रह रहे हैं को बेचना पड़ सकता है और किराए के घर में जाना पड़ सकता है।''

इस साल भी, राज्य सरकार के शुक्रवार से रविवार तक मंदिरों को बंद रखने के फैसले से बिक्री प्रभावित हुई है, क्योंकि तीर्थयात्री और पर्यटक केवल उन दिनों इस शहर में आते हैं और ''हम इस दौरान अच्छा कारोबार कर पाते थे।''

पद्मनाभन के पूर्वजों ने, इलाके के कई अन्य लोगों की तरह, मिट्टी के बर्तन बनाने के साथ शुरुआत की, और धीरे-धीरे शहर के मंदिरों को सजाने के लिए मिट्टी की विशाल गुड़िया बनाने में जुट गए। ''1955 में मेरे दादाजी ने प्रसिद्ध *गरुड़ सेवा* समायोजन का एक लघु मॉडल बनाया जिसमें देवताओं को उनके

सभी रूपों में जुलूस पर ले जाया जाता है। गुड़िया का यह सेट उस वर्ष की नवरात्रि के दौरान लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया और तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज हम देश भर से थोक और खुदरा ऑर्डर को पूरा करने के अलावा, मिट्टी और कागज-यंत्र से बनी गुड़ियों का निर्यात कर रहे हैं। हर साल लोग अनोखे और रचनात्मक सेट के लिए अनुरोध करते हैं और हम इसके लिए बाध्य हैं।'' न केवल

तमिलनाडु बल्कि पड़ोसी राज्यों जैसे कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी गणेश चतुर्थी समारोह के लिए भी इन घरों में विशाल गणेश प्रतिमाएं बनाई जाती हैं।

कांचीपुरम में कम से कम 2,500 परिवार पूरी तरह से गुड़िया बनाने के इस व्यवसाय पर निर्भर हैं। पद्मनाभन कहते हैं, ''हमारे सारे सपने इन दो महीनों में की गई बिक्री पर निर्भर करते हैं।'' उनमें से कई जिन्होंने सूक्ष्म ऋण लिया है वे किश्तों का भुगतान करने में असमर्थ हैं और यह पिछले तीन वर्षों से बढ़ रहा है। ''हमें इन नुकसानों से उबरने में कम से कम 4-5 साल लग जायेंगे।''

कोविड ने कारीगरों के लिए स्थिति को और खराब कर दिया, क्योंकि 2019 में उन्हें इसी तरह की चोट का सामना करना पड़ा था, जब पूरा शहर अथिवरदार की पूजा से अराजक था। प्रतिमा को मंदिर के तालाब के नीचे से हर 40 साल में एक बार 48 दिनों के लिए पूजा के लिए लाया जाता है।

2019 में जब मूर्ति को बाहर लाया गया और वरदराजास्वामी मंदिर परिसर में स्थापित किया गया तो शहर में देश और विदेशों के तीर्थयात्रियों का सैलाब आ गया। आतिथ्य सेक्टर और स्थानीय परिवहन और फूल विक्रेताओं जैसे छोटे व्यवसायों के लिए व्यवसाय फला-फूला, लेकिन बढ़ती भीड़ को प्रबंधित करने के लिए भारी प्रतिबंधों की वजह से गुड़िया निर्माता बुरी तरह प्रभावित हुए। ''हमें अपना माल बेचने की अनुमति नहीं थी, और चूंकि शहर के भीतर लॉरियों और ट्रकों को चलने की अनुमति नहीं थी, इसलिए हम अपनी गुड़ियां बाहर नहीं भेज सकते थे। नतीजतन, यहाँ के कई थोक व्यापारी अपनी जरूरतों के लिए दूसरे शहरों में देखने लगे थे।''

प्रक्रिया

शांता ने पूरी प्रक्रिया का एक विस्तृत नक्शा खींच दिया। मिट्टी गुड़िया की रीढ़ की हड्डी है और इसके लिए एक महीन नरम आटा गूंथना चाहिए। डाई जो कि एक साँचा है उसे विशेषज्ञ कारीगरों द्वारा तराशा जाता है। मिट्टी के आटे को फिर आगे और पीछे के सांचों में भर दिया जाता है और फिर जोड़ा जाता है। फिर गुड़िया को सांचों से अलग किया जाता है, सही कांट-छांट किया जाता है और अगले 4-5 दिनों के लिए छाया में सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है और फिर भट्टी में पकाया जाता है। इसे आगे चाक पाउडर और चिपकने वाले मिश्रण के साथ लेपित किया जाता है और एक बार सूखने के बाद इसे पेंट के कई कोटिंग्स के साथ लेपित किया जाता है। पेंट के रंगों में बदलाव लाने के लिए स्प्रे गन का इस्तेमाल किया जाता है।

उसका पड़ोसी अशोकन (32) उत्साह से अपना संग्रह दिखाता है, जिसमें कृष्ण की गोपिकाओं के साथ एक बड़े आकार की कागज-यंत्र में बनी हुयी मूर्ति भी शामिल है और मैं अचंभित था। वह मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा धारक हैं। कॉरपोरेट जगत का स्वाद चखने के बाद भी उसने गुड़िया बनाने का अपना पुश्तैनी पेशा चुना। ''यह व्यवसाय हमारे जीवन का एकमात्र सार है; चार पीढ़ियां बीत चुकी हैं फिर भी हम इस शिल्प को संजोये हुए हैं। इन दो वर्षों को छोड़कर हमारे कारोबार में हमेशा उछाल आया है'', वह कहता है।

इस जादुई दुनिया के अंत में, मैं मजदूरों को अपने घर में बिखरे हुए गुड़ियों के डिब्बों को चतुराई से पैक करते हुए देखता हूं, और एक छोटी लड़की खुशी-खुशी उनकी मदद करती है, और मैं आश्चर्य करता हूँ कि क्या हमने कभी अपने कुटीर उद्योगों के अनकहे संकटों और चमत्कारों पर ध्यान दिया है। रोटेरियन, क्या आप उनकी तरफ़ मदद के लिए अपना हाथ बढ़ा सकते हैं?

चित्र: जयश्री

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

लड़कियों और महिलाओं को समर्थन

किरण ज़ेहरा

किशोरियों को परिरक्षण और हमला करने की तकनीकों से सशक्त बनाने के लिए रो ई मंडल 3142 के तहत, रोटरी क्लब बॉम्बे सीसाइड के रोटरी क्लब ने मुंबई के राबाले की मलिन बस्तियों में एक स्कूल में आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया। 9-16 आयु वर्ग की 120 से अधिक लड़कियों को आपात स्थिति के दौरान खुद को बचाने के लिए आसान और बनाए रखने योग्य तकनीक सिखाई गई।

क्लब के अध्यक्ष कमलजीत सिंह ढिल्लों कहते हैं, ''हालांकि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए पुरुषों और लड़कों के रवैये को बदलने पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन हमें अभी भी अपनी लड़कियों को सिखाने की जरूरत है कि खुद का कैसे बचाव करना है।'' झुग्गी-झोपड़ी में किए गए एक क्लब के अध्ययन से पता चला है कि ''इन लड़कियों को यौवन के लक्षण दिखाई देने के बाद से स्थानीय पुरुषों और लड़कों द्वारा लगभग हर एक दिन तंग किया और छेड़ा जाता है। कुछ लड़कियां अपना घर छोड़ने से डरती हैं और अपनी शिक्षा छोड़ दी हैं।'' इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ''उनमें विश्वास पैदा करना था ताकि वे धमकियों का सामना कर सकें और उम्मीद है कि स्कूल में वापस नामांकन कर सकें।''

एक प्रतिभागी वर्षा कहती हैं, ''मेरी मां मुझसे कहती हैं कि अपनी उंगलियों के बीच चाबी पकड़ो या अपने बैग में लाल मिर्ची ले जाओ। वह मुझे कक्षा से देर से आने पर

कार्यशाला में लड़कियों ने आत्मरक्षा के गुर सीखे।

अच्छी रोशनी वाले क्षेत्रों में चलने के लिए कहती है और अंधेरा होने के बाद मुझे बाहर नहीं जाने देती है। लेकिन उनकी यह युक्तियाँ मुझे कभी भी सुरक्षित महसूस नहीं कराती हैं। यह प्रशिक्षण मुझे आत्मविश्वास देगा'', वह आगे जोड़ती है। प्रशिक्षकों ने लड़कियों को आवश्यक होने पर खुद को बचाने के लिए पेंसिल, पानी की बोतलें और बैग जैसी वस्तुओं का उपयोग करने के लिए सिखाया है।

कार्यक्रम उन्हें अपने परिवेश के बारे में अधिक जागरूक होने और खतरे को जल्दी भांपने के लिए प्रशिक्षित करता है। कराटे में एक ब्लैक बेल्ट प्राप्त प्रशिक्षिका नंदिनी पुंडलिक बिराडे कहती हैं, ''तकनीकों के साथ मिलकर उन्हें संकट के समय में खुद को बचाने के लिए शारीरिक रूप से मजबूत बना देगा।''

आजीविका को समर्थन

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में चिपलुन हाल ही में गंभीर बाढ़ से तबाह हो गया था, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की संपत्ति और व्यापार का नुकसान हुआ। ढिल्लों कहते हैं, ''हमने उन 50 महिलाओं का डेटा एकत्र किया, जिन्होंने घर से ही जीविकोपार्जन के लिए सिलाई काम किया था। उन्हें अपना व्यवसाय फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए हम उनके पास पहुंचे।'' क्लब ने ₹2 लाख की 25 सिलाई मशीनों को प्रायोजित किया और अन्य 25 मशीनों को नेरूल जिमखाना क्लब द्वारा प्रायोजित किया गया था।■

रोटरी क्लब बॉम्बे सीसाइड के सदस्य बाढ़ पीड़िता को सिलाई मशीन देते हुए।

बालिका सशक्तिकरण के सूरमा

रयान हाइलैंड

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय ने 11 अक्टूबर, अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर छह सदस्यों को पीपल ऑफ एक्शन: चैंपियंस ऑफ गर्ल्स एम्पावरमेंट के रूप में सम्मानित किया। यह सम्मान लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सफाई संसाधनों तक पहुंच में सुधार के लिए रोटेरियनों की प्रतिबद्धता की पहचान करता है। लड़कियों का सशक्तिकरण रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता की प्रमुख पहलों में से एक है, और वह क्लबों एवं मंडलों को इस बात पर विचार करने हेतु प्रोत्साहित कर रहे है कि वे इस साल अपनी सभी सेवा परियोजनाओं के माध्यम से इसे कैसे पूरा कर सकते है। सम्मानित व्यक्तियों का मार्च में यूनिसेफ द्वारा रोटरी दिवस पर फिर से सम्मान किया जाएगा।

मोमताज़ चौधरी
रोटरी क्लब ढाका मैत्रिक्स, बांग्लादेश

मोमताज चौधरी बांग्लादेश के ढाका स्थित इंस्टिट्यूट फॉर शेल्टर, ट्रैनिंग एंड डेवलपमेंट ऑफ अन्डर्प्रिविलिज्ड गर्ल्स की उपाध्यक्ष है जो माध्यमिक विद्यालय के माध्यम से लड़कियों को आवास, भोजन और शिक्षा प्रदान करता है। यह संगठन व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है और लड़कियों के स्नातक होने पर, उन्हें नौकरी पाने में सहायता प्रदान करता है। चौधरी ने बांग्लादेश रुरल ऐड्वैन्स्मन्ट कमिटी एवं उनके परिवार की अपनी शैक्षणिक परोपकारी परियोजनाओं के माध्यम से भी लड़कियों की मदद की है। वह महिला उद्यमियों को आसानी से ऋण प्रदान करवाने हेतु बैंकों के साथ काम करती है। जिन महिलाओं ने कोविड-19 महामारी के कारण अपनी नौकरी खो दी है, उन्हें लघु व्यवसाय हेतु सहायता प्रदान करने के लिए वह बैंकों के साथ भी सहयोग करती है।

मिल्ड्रेड फ्रैंगेंट
रोटरी क्लब क्यूबाओ मेट्रो ऑरोरा, क्यूज़ोन सिटी, फिलीपींस

महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मिल्ड्रेड फ्रैंगेंटे ने अपने करियर में अथाह मेहनत की है। वह *वुमन्स डेस्क,* एक राष्ट्रीय टीवी कार्यक्रम, की निर्माता थी जो घरेलू शोषण की कहानियों पर वुमन एंड चिल्ड्रन प्रोटेक्शन सेंटर के साथ सहयोग करता था। फ्रैंगेंट ने लड़कियों को सशक्त बनाने हेतु काम करने वाले एक संसाधन एवं शिक्षा कार्यक्रम, *ऑरोरा,* और पत्रकारों एवं लेखकों को शोषण से पीड़ित लोगों के साथ जोड़ने वाले एक कार्यक्रम, *रिकनेक्ट,* की भी स्थापना की ताकि लेखक इन कहानियों को बेहतर ढंग से बता सकें। और उनके क्लब ने 2018 में शोषित लड़कियों के लिए एक सामुदायिक आश्रय का नवीनीकरण करने हेतु रोटरी संस्थान के वैश्विक अनुदान का उपयोग किया।

एलेन रूइज़
रोटरी क्लब सेनाडोर गिऑमर्ड, अक्रे, ब्राज़ील

एलेन रुइज़ *सोइंग द फ्यूचर* की निदेशक है जो आपराधिक न्याय प्रणाली में युवा महिलाओं को पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने वाली एक परियोजना है। यह लड़कियों को दर्जिन, कारीगर और सेवा कार्यकर्ता बनने हेतु प्रशिक्षित करता है जो उन्हें रिहा होने के बाद काम प्राप्त करने में मदद करता है और फिर से अपराध जगत में जाने की उनकी संभावना को कम करता है। रुइज़ लड़कियों और न्याय प्रणाली के बीच एक संपर्क के रूप में कार्य करती है और समुदाय में वित्तीय साझेदारी स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

लीडिया नजोरोगे
रोटरी क्लब किअम्बू, केन्या

लीडिया नजोरोगे HEART (हेल्थ एजुकेशन अफ्रीका रिसोर्स टीम) में एक कार्यक्रम प्रबंधक है जहाँ उन्होंने केन्या और पूर्वी अफ्रीका के अन्य हिस्सों में लगभग 300 लड़कियों को स्वस्थ रूप से स्कूल में रखने हेतु स्वच्छता उत्पाद प्रदान करके उनके जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। नजोरोगे ने इस मुद्दे पर गहन शोध किया है कि कैसे मासिक धर्म की चिंता लड़कियों की शिक्षा तक पहुंच को प्रभावित करती है। उन्होंने अमेरिका के रोटरी क्लबों के साथ एवं प्रॉक्टर एंड गैंबल की *ऑलवेज कीपिंग गर्ल्स इन स्कूल* पहल के साथ काम किया है जो

लड़कियों को संसाधन प्रदान करके शिक्षा प्राप्त करने में उनकी मदद करती है। ये कार्यक्रम 500 से अधिक स्कूलों में लड़कियों तक पहुँच चुके है और छात्राओं को परामर्श देने के लिए 10,000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुके है।

श्रीनिधि एस यू
रोटरेक्ट क्लब बैंगलोर सेशाद्रीपुरम, कर्नाटक

श्रीनिधि एस यू ने अपने समुदाय की महिलाओं एवं लड़कियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए अपना रोटरेक्ट कार्य समर्पित किया है। उन्होंने 2018 में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन सत्र के लिए परियोजना प्रमुख के रूप में कार्य किया और बाद में मासिक धर्म स्वच्छता, थायराइड, स्तन कैंसर और HPV सहित महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए प्रोजेक्ट स्त्री नामक एक स्थानीय समूह की स्थापना की। यह पहल नेतृत्व और सुरक्षा प्रशिक्षण भी प्रदान करती है। उन्होंने रेड डॉट टॉक्स के साथ बात की और उनका सहयोग किया है जिससे पुरुषों को मासिक धर्म के मुद्दों पर चर्चा करने हेतु प्रोत्साहन मिला। उनके काम ने 5,000 से अधिक लड़कियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में अधिक जागरूकता प्रदान की है।

मोटालिब वीजटर्स
रोटरी क्लब उडेन, द नीदरलैंड्स

मोटालिब वीजटर्स, जिन्हें डच माता-पिता ने गोद लिया था, अपने सगे परिवार या अपने गृह देश बांग्लादेश में जीवन के बारे में बहुत कम जानते थे। 1994 में, वह जन्म देने वाले अपने परिवार से मिले और अपने क्षेत्र के लोगों की जरूरतों को जाना। उन्होंने बांग्लादेश में जल और स्वच्छता परियोजनाओं पर काम किया और बाद में माताओं एवं बच्चों के लिए एक क्लिनिक की स्थापना की। उन्होंने एक सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर उपचार केंद्र भी स्थापित किया जो जरूरतमंद महिलाओं एवं लड़कियों को सेवाएं प्रदान करता है। इन पहलों से 21,000 से अधिक लोगों को मदद मिली है। इन क्लीनिकों को गैर सरकारी संगठनों और नीदरलैंड एवं बांग्लादेश के क्लबों द्वारा की गई रोटरी अनुदान परियोजनाओं के समर्थन से आर्थिक रूप से पोषित किया जाता है।

©Rotary.org

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोटरी संस्थान माह

नवंबर रोटरी संस्थान का महीना है। आपके नवंबर के कार्यक्रम सफल रहे यह सुनिश्चित करने के लिए यहां दिए कुछ उपायों पर गौर फरमाए:

- रोटेरियनों को संस्थान के इतिहास और परिवारों एवं समुदायों पर पड़ने वाले इसके प्रभावों के बारे में शिक्षित करें, रोटरी के काम को अपने सोशल मीडिया पर साझा करें, अनुदान परियोजनाओं का प्रचार करें जो अन्य क्लबों को प्रेरित कर सकें।
- पॉल हैरिस सोसाइटी और एव्री रोटेरियन एव्री ईयर जैसे संस्थान के कार्यक्रमों को बढ़ावा दीजिए और प्रत्येक रोटरी वर्ष में TRF के वार्षिक फंड में दान करने के लिए हर एक रोटेरियन को प्रोत्साहित कीजिए।
- नए प्रमुख दानकर्ताओं और पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्यों की पहचान करें और उनका धन्यवाद करें।
- संस्थान में पहली बार दान करने वाले रोटेरियनों का धन्यवाद करें।
- TRF में दान नहीं करने वाले क्लबों एवं सदस्यों को दान करने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।
- अपने क्षेत्र में रोटेरियनों को ऑनलाइन दान करने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

हमारा नवीनतम ध्यानाकर्षण क्षेत्र

पर्यावरण का समर्थन रोटरी का सबसे नवीनतम ध्यानाकर्षण क्षेत्र बन गया है, जो वैश्विक अनुदानों द्वारा समर्थित सेवा गतिविधियों की श्रेणियां है। यह शांति निर्माण और संघर्ष रोकथाम; रोग प्रतिरक्षण एवं उपचार; जल, स्वच्छता एवं सफाई; मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य; बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता; और सामुदायिक आर्थिक विकास के साथ जुड़ा है।

पिछले पांच वर्षों में पर्यावरण से संबंधित परियोजनाओं के लिए संस्थान के वैश्विक अनुदान कोष में 18 मिलियन डॉलर से अधिक का आवंटन किया गया है। पर्यावरण का समर्थन को एक अलग क्षेत्र बनाने से रोटरी सदस्यों को दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने और हमारे प्रभाव को बढ़ाने के नए तरीके मिलेंगे।

परियोजनाओं के लिए अनुदान आवेदन 1 जुलाई, 2021 से खुले है। नए ध्यानाकर्षण क्षेत्र को वैश्विक अनुदान सहायता प्रदान करने हेतु रोटेरियनों एवं अन्य व्यक्तियों से दान एवं प्रतिबद्धताएं मांगी जाएगी। पर्यावरण ध्यानाकर्षण क्षेत्र - प्रमुख उपहार पहल की TRF समिति में PDG गण अशोक पंजवानी और गौरी राजन शामिल है।

आपके गवर्नर्स

वी तिरुपति नायडू
बिल्डर, रोटरी क्लब होस्पेट, रो ई मंडल 3160

सैनिटरी नैपकिन और हैप्पी स्कूल, उनकी प्राथमिकता

लड़कियों का सशक्तिकरण उनके मंडल के क्लबों का मुख्य आकर्षण है। गुलबर्गा में रोटरी क्लब गुलबर्गा मिडटाउन ₹10-12 लाख की लागत से एक सैनिटरी नैपकिन संयंत्र स्थापित करेगा जिसकी उत्पादन क्षमता 2,500 यूनिट प्रति माह होगी। हम अपने चक्क्र् जागरूकता सत्रों के अंतर्गत स्कूलों और विशेष शिविरों में सैनिटरी पैड वितरित करेंगे'', थिरुपति नायडू कहते है। उनकी प्राथमिकता सूची में अगला नाम हैप्पी स्कूलों का है; कम से कम 25-30 सरकारी स्कूलों का नवीनीकरण किया जाएगा और उन्हें हैंडवाश इकाइयों, शौचालय खंडों और कक्षा के फर्नीचर जैसी अनेक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

होसपेट और संदूर तालुकों में दो पैथोलॉजी लैब स्थापित की जाएंगी (वैश्विक अनुदान: प्रत्येक के लिए ₹25-30 लाख)। एक मियादी उपहार की मदद से ब्लड बैंक बनाया जाएगा। हम ₹25 लाख लागत की एक एम्बुलेंस शुरू करेंगे जिसमें आईसीयू और आधुनिक जीवन-समर्थक प्रणाली शामिल है जो इस क्षेत्र को आपातकालीन चिकित्सा प्रदान करेगी।

12 ज़ोन वाले इस मंडल में 76 क्लब है जिनमें 2,400 से अधिक सदस्य है। नायडू 500 नए रोटेरियनों को शामिल करने और कम से कम 12 नए क्लबों को अधिकृत करने को लेकर आश्वस्त है।

प्रत्येक क्लब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वंचित परिवारों के लिए 4-5 चिकित्सा शिविर आयोजित करेगा। रोटरेक्ट के मोर्चे पर, ''मैं कम से कम 34 नए रोटरेक्ट क्लबों को आधिकृत करूंगा और पूरे वर्ष के दौरान मुझे 500 रोटारेकटरों को शामिल करने की उम्मीद है'', वह आगे कहते है। उनका कहना है कि पहले से ही अनेक क्लबों - रोटरी क्लब गुलबर्गा साउथ, रायचूर कृष्णा तुंगे, कोप्पल, कवाली और राजनपेट - ने वर्ष के लिए EOBO लक्ष्य को पार कर लिया है। साल के लिए उनका TRF लक्ष्य 500,000 डॉलर का है। अपने निर्माता-मित्र रोटेरियन एन शेषगिरी से प्रभावित होकर वह 1991 में अपने गृह क्लब से जुड़े।

शांतनु कुमार पाणि
शिक्षाविद, रोटरी क्लब बालासोर, रो ई मंडल 3262

वह एक 'सदस्यता चैंपियन' बनने की इच्छा रखते है

मंडल के लिए रो ई अध्यक्ष मेहता द्वारा 2,000 नए सदस्यों का लक्ष्य निर्धारण एक चुनौती है, शांतनु पाणि कहते है जिन्होंने पहले ही 60 क्लबों के लक्ष्य के खिलाफ 10 नए क्लब बनाए है। ''मुझे सदस्यता चैंपियन कहलाना अच्छा लगेगा। हम 500 महिला सदस्यों को शामिल करेंगे और कम से कम सात अखिल महिला क्लब बनाएंगे। हम रोटरी ट्रेनिंग अकादमी, भुवनेश्वर, में नए सदस्यों को भी प्रशिक्षण दे रहे है'', वह कहते है। मंडल शिविर कार्यालय में स्थापित रोटरी अकादमी नए रोटेरियनों को रोटरी और उसके पदानुक्रम के बारे में बुनियादी जानकारी प्रदान करती है और रो ई के नवीनतम विकास के बारे में पुराने सदस्यों और PDGयों को अपडेट करती है। मंडल प्रशिक्षक PDG सिबब्रत दास इस केंद्र के प्रमुख है।

जल्द ही, इस क्षेत्र के चार रोटरी आई हॉस्पिटल (ठएक) से 10 सैटेलाइट विजन केयर सेंटर (वैश्विक अनुदान: ₹80 लाख की लागत से) जोड़े जाएंगे। उन्होंने रोटरी क्लब सनराइज अरुणाचल, रो ई मंडल 3240, को अधिकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसका उद्घाटन अक्टूबर में किया गया और जिसमें वह क्लब सलाहकार है। वैश्विक अनुदान और CSR कोष के मिश्रण से जल्द ही दो दंत निरीक्षण वैन (₹1 करोड़ की लागत से) और एक मोबाइल कैंसर जांच इकाई (₹1.5 करोड़ की लागत से) शुरू की जाएगी।

उन्होंने 50 नए रोटरेक्ट क्लबों, 500 इंटरेक्ट क्लबों और 100 RCC शुरू करने की योजना बनाई है। अगले साल 500 नए रोटरेक्टर शामिल किए जाएंगे। TRF के लिए, वह 100,000 डॉलर इकट्ठा करने का प्रयास कर रहे है। एक पूर्व रोटरेक्टर होने के नाते, वह 1998 में रोटरी क्लब जेपोर से जुड़े, 1994 में वह दिल्ली गए और 2003 में रोटरी क्लब बालासोर से जुड़े।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

डॉ मोहन श्याम कोंवर
बाल रोग विशेषज्ञ, रोटरी क्लब तिनसुकिया, रो ई मंडल 3240

'बेहतर प्रबंधन हेतु मंडल का विभाजन करें'

मेरा ध्यान इस बात पर है कि असम के प्रत्येक शहर में कम से कम एक क्लब हो क्योंकि वर्तमान में 50 प्रतिशत से अधिक मंडल मुख्यालयों में रोटरी का प्रतिनिधित्व नहीं है'', डॉ मोहन कोंवर कहते है। वह यह भी चाहते है कि प्रभावी प्रशासन के लिए रो ई मंडल को विभाजित किया जाए और पूर्वोत्तर राज्यों के दूर-दराज के क्षेत्रों में अधिक क्लब बनाए जाएं। 101 क्लबों और 3500 से अधिक रोटेरियनों के साथ, उनका लक्ष्य इस वर्ष सदस्यता में 15 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि करना और कम से कम 15 नए क्लबों को आधिकृत करने का है। गुवाहाटी के कुंतल गोस्वामी मेमोरियल ट्रस्ट अस्पताल, में जल्द ही एक नया नेत्र क्लिनिक (वैश्विक अनुदान: 200,000 डॉलर की मदद से) खोला जाएगा'', वह कहते है। मंडल ने शिवसागर में विशाल ब्लड बैंक स्थापित करने हेतु एक वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया है। उनके गृह नगर तिनसुकिया स्थित रोटरी कम्युनिटी सेंटर में एक फिजियोथेरेपी इकाई स्थापित की जाएगी। कोवर ने क्लबों को कम से कम एक हैप्पी स्कूल परियोजना लागू करने के निर्देश दिए है। TRF में देने का उनका लक्ष्य 400,000 डॉलर का है।

क्लब के आधिकारिक दौरे के दौरान, वह कहते है, ''मुझे गंतव्यों तक पहुंचने के लिए 3-4 दिनों की यात्रा करनी पड़ती है क्योंकि पूर्वोत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी एक समस्या है। मुझे अपने स्थान तिनसुकिया से दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल, पहुँचने में तीन दिन लगे। रोटरी क्लब सनराइज अरुणाचल के अधिकरण ने रोटरी के लिए नए अवसर खोले है। 7-8 साल पहले अरुणाचल में एक क्लब शुरू करने का पहला प्रयास असफल रहा था क्योंकि इसे कुछ ही महीनों में बंद कर दिया गया था। PDG कीर्ति रंजन डे ने उन्हें 2001 में रोटरी से जुड़ने हेतु प्रेरित किया।

W M निर्मल राघवन
स्कूल प्रबंधक, रोटरी क्लब रानीपेट, रो ई मंडल 3231

एनेट से मंडल गवर्नर तक

15 वर्षीय एक एनेट के रूप में, निर्मल राघवन रोटरी से तब अवगत हुए जब उनके पिता महेंद्र वर्मन 1996 में रोटरी में शामिल हुए। अब 40 साल की उम्र में मंडल गवर्नर के रूप में, ''मैं रो ई अध्यक्ष मेहता से प्रेरित हूँ। और *प्रोजेक्ट विदियल* RWH (परिवर्तन) जिसमें सड़क किनारे के विक्रेताओं को 500 ठेलों का वितरण कर रहे हैं।

सामाजिक वानिकी की रचना के लिए पंद्रह लाख पौधे और एक करोड़ बांस के बीजों का उपयोग किया जा रहा है। शहरी वन और RWH इकाइयाँ दोनों को सदस्यों के योगदानों, DDF और प्रायोजनों के माध्यम से वित्त पोषित किया जा रहा है। वैश्विक योगदान (60,000 डॉलर), DDF और सदस्य योगदानों के मिश्रण के माध्यम से ठेले खरीदे गए है। 3,650 से अधिक सदस्यों वाले सभी 97 क्लबों ने महामारी के बाद व्यक्तिगत बैठकें, क्षेत्रीय परियोजनाएं और कार्यक्रम फिर से शुरू कर दिए है, वह कहते है। राघवन को अपने कार्यकाल के दौरान 1,500 नए रोटेरियनों को शामिल करने और 30 नए क्लबों को अधिकृत करने का विश्वास है। ''लगभग 400 रोटरेक्टरों के साथ केवल 28 सक्रिय रोटरेक्ट क्लब है; मैं रोटरेकटरों की संख्या को दोगुना कर दूंगा और 50 नए रोटरेक्ट क्लबों का गठन करूंगा।

TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 500,000 डॉलर का है। उनकी पत्नी नंदिनी रानीपेट के रोटरी ई-क्लब की चार्टर सदस्य है। राघवन RILM के बोर्ड के सदस्य भी है और ''भारत में 100 प्रतिशत साक्षरता लाने के लिए मेहता की इस नेक पहल से मैं बहुत प्रभावित हूं।'' वह 2009 में PDG सी आर चंद्रबॉब से प्रभावित होकर रोटरी में शामिल हुए थे।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

अनंत आकाश की तरह

माइल्स हावर्ड

ह्यूस्टन के वैश्विक चित्रपट की छाँव में, 2022 सम्मेलन में
रोटरी अपने भविष्य का निर्धारण करेगी

साथी यात्रियों के एक दल के साथ, मैं स्पेस सेंटर ह्यूस्टन में हूँ जो नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर स्थित एक संग्रहालय है। इसी स्थान पर अपोलो कार्यक्रम के अंतरिक्ष यात्रियों को जी-फोर्स सिम्युलेटर, एक मशीन जिसे सेंट्रीफ्यूज के रूप में जाना जाता है और जिसे अपोलो 11 के अंतरिक्ष यात्री माइकल कॉलिन्स ने 'शैतानी' कहा था, में अंतरिक्ष की उड़ान के लिए प्रशिक्षित किया गया था। आज आप अपोलो मिशन कंट्रोल सेंटर में जा सकते है, जहाँ नासा के अधिकारियों ने नील आर्मस्ट्रांग को चंद्रमा पर अपना पहला कदम रखते हुए देखा था। मैं एक चमचमाते हुए बक्से, जिसमें सब्जी उगाई जाती है, को गौर से देखता हूँ। एक दिन, मंगल ग्रह की किसी बस्ती में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। मुझे इसके अंदर अंकुरित हो चुके नन्ही पत्तियाँ दिखी है। शायद वह लेट्यूस है, या हो सकता है आर्गुला।

आपको इनक्यूबेटर खोलकर और नमूना लेने की अनुमति नहीं है, लेकिन 2022 में कुछ साहसी नियुक्तों को इसका अनुभव मिल सकता

है, जब नासा स्पेस सेंटर के एक हैंगर को एक कृत्रिम मंगल गृह की बस्ती में बदल देगा। एक स्वयंसेवी दल 1700 वर्ग फुट के मॉड्यूल के अंदर एक साल बिताएगा ताकि नासा ब्रह्मांडीय अन्वेषण के दौरान सामने आने वाले भौतिक एवं मनोवैज्ञानिक तनावों की तैयारी कर सके। यह स्पेस सेंटर में किए जा रहे अनेक अंतरिक्ष की उड़ान के प्रयोगों में से एक है: ह्यूस्टन की छत्रछाया में हमारे भविष्य का एक खाका यहीं आकार ले रहा है।

या फिर कहानी इसके उलट है? ह्यूस्टन अमेरिका का चौथा सबसे बड़ा शहर है जिसके

ह्यूस्टन एक सद्भावी बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक शहर है, यह वैश्वीकरण एवं अन्य कारकों के कारण हुए प्रवास से दुनिया भर के शहरों में आए व्यापक जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को भी दर्शाता है।

मेट्रो क्षेत्र में 7 मिलियन लोग रहते है। और हालांकि ह्यूस्टन में टेक्सास से जुड़ी सभी परिचित चीजें है-अंतरिक्ष शटल, ब्रिस्केट-पर मूल रूप से बोस्टन का निवासी होने के नाते, अपनी यात्रा शुरू करने के बहुत पहले से ही मुझे उस शहर से संकेत मिलना शुरू हो गए थे जो मेरी सोच से बहुत अलग साबित हुआ है। गल्फ कोस्ट से वियतनामी-अमेरिकी मछुआरों द्वारा पकड़ी गई क्रॉफिश की तस्वीरें जिसे गार्लिक बटर के साथ वियत-काजुन शैली में परोसा जाता है। शहर के एक बगीचे में एंथनी बॉर्डन का वीडियो जिसमें वह युवाओं के साथ उनकी कैंडी के रंगों वाली, एल्बो व्हील लगी स्लैब कारों के बारे में बात करते है, ह्यूस्टन की हिप-हॉप संस्कृति की एक नवरचना।

1982 के बाद से, राइस यूनिवर्सिटी के वार्षिक किंडर ह्यूस्टन एरिया सर्वे ने ह्यूस्टन के विकास को अमेरिका के सबसे नस्लीय और जातीय रूप से विविध शहरों में से एक के रूप में देखा है, जिसमें अश्वेत, हिस्पैनिक और एशियाई मूल के निवासी आधे से अधिक जनसंख्या का गठन करते है। 2019 के यूएस सेंसस ब्यूरो के सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 30 प्रतिशत ह्यूस्टनवासी संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर पैदा हुए थे। यह न केवल ह्यूस्टन को एक सद्भावी बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक शहर बनाता है, बल्कि यह वैश्वीकरण एवं अन्य कारकों के कारण हुए प्रवास से दुनिया भर के शहरों में आए व्यापक जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को भी दर्शाता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि 2022 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यहां आयोजित किया जाएगा।

इलाकों पर नज़र

637 वर्ग मील क्षेत्र के साथ, ह्यूस्टन बड़ा है - और पिछले दशक में इसकी आबादी में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नए निवासियों के लिए, ह्यूस्टन के पैमाने का अर्थ है अधिक आवासों एवं निर्माण व्यवसाय में अधिक अवसरों की उपलब्धता, जो ह्यूस्टन को न्यूयॉर्क या लॉस एंजिल्स जैसे शहरों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा में बढ़त देता है। लेकिन एक यात्री के लिए, ह्यूस्टन के आकार का अर्थ है कि आप शायद एक सप्ताहांत में इसका पूरा अनुभव नहीं कर सकते। इसके बजाय, आप ह्यूस्टन के कुछ इलाकों का चुनाव करते है, और आप उन्हें देखने जाते है।

ह्यूस्टन के प्रसार के साथ खुद को अनुकूल बनाने का एक प्रभावी तरीका है 'लूप' के भीतर स्थित इलाकों पर अपनी शुरुआती यात्रा को केंद्रित करना है। इस नाम से ह्यूस्टनवासी शहर के मूल भाग को संदर्भित करते है, जो इनर्स्टेट 610 से घिरा हुआ है। मैंने डाउनटाउन को अपना अड्डा बनाने का निर्णय लिया। एक तरह से, डाउनटाउन ह्यूस्टन की कहानी उसके वर्तमान स्वरूप, जिसमें शेवरॉन और किंडर मॉर्गन जैसी फॉर्चून 500 कंपनियों को बसाने वाली गगनचुंबी इमारतें शामिल है, से शुरू नहीं होती है, बल्कि जॉर्ज आर ब्राउन कन्वेंशन सेंटर के साथ शुरू होती है जो 2022 रोटरी सम्मेलन का प्रधान स्थल है।

20वीं सदी की शुरुआत में तेल की मांग ने डाउनटाउन में व्यापार और जीवन की शुरुआत की, लेकिन जब राजमार्गों ने नए उपनगरीय इलाकों को जन्म दिया, तो डाउनटाउन ने पलायन का अनुभव किया। यहां तक कि जब 1973 के तेल प्रतिबंध ने कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि की, तब ह्यूस्टन पर और अधिक तेल से प्राप्त धन की बरसात हुई, लेकिन इसके छींटें डाउनटाउन पर नहीं पड़े। एक दशक बाद, तेल की कीमतें गिर गईं, और परिणामस्वरूप आई तेल की मंदी से शहर के नेतृत्वकर्ताओं के बीच एक

नई सहमति बनी: डाउनटाउन को एक व्यापार केंद्र से कुछ अधिक होने की आवश्यकता है।

कन्वेंशन सेंटर 1987 में आई तेल मंदी के बाद उभरने वाले पहले मनोरंजक स्थानों में से एक था। इसके बाद आया मिनट मेड पार्क - ह्यूस्टन का पहला हटाई जा सकने वाली छत का स्टेडियम और बेसबॉल के एस्ट्रोस का घर - और फिर रेस्तरां, नाइट क्लबों एवं अपार्टमेंट के एक दौर की शुरुआत हुई। चूंकि ह्यूस्टन में क्षेत्रीकरण कानून नहीं है, इसलिए आवास और मनोरंजन यहाँ एक-दूसरे से टकराते रहते है।

डाउनटाउन में घूमते हुए आप इस सम्मिलन को देख सकते है, जो द लैंकेस्टर होटल में बैग रखने के बाद मेरा सर्वप्रथम कार्य था। बीसवीं सदी के दूसरे दशक के बाद से बुटीक होटल चलन में रहे है, और उसमें से कुछ अभी भी चल रहे है (सफेद संगमरमर, सोने के दरवाजे के कुन्दे और चेक-इन के समय शैम्पेन की कल्पना कीजिए।) होटल थिएटर डिस्ट्रिक्ट के कॉन्सर्ट हॉलों, असंख्य पैटीओ बार एवं रेस्टोरेंटों, और इन सबसे बढ़कर, डिस्कवरी ग्रीन, जहां शाम के समय मैं गया, से थोड़ी दूरी पर स्थित है। 125 मिलियन डॉलर की लागत से 2008 में एक गैर-लाभकारी भागीदार के साथ शहर द्वारा बनाया गया यह पार्क सम्मेलन स्थल के दरवाजों के ठीक सामने है, और 4 जून को मेजबान संगठन समिति द्वारा नियोजित उद्घाटन रात्रि के स्वागत समारोह के दौरान पार्क में एकत्रित उत्साहित रोटेरियनों एवं रोटरेकटरों की कल्पना आसानी से की जा सकती है। लूप के बाहर रहने वाले लोगों के लिए भी, इसके चारों ओर घूमना आकर्षक होता है।

यहां, मिलर आउटडोर थिएटर के पिरामिड आकार के मंडप के नीचे, मुझे और मेरे साथ एक अच्छी खासी भीड़ को सिलंबम ह्यूस्टन द्वारा शास्त्रीय भारतीय नृत्य प्रस्तुति देखने को मिली, जिसकी संस्थापक लावण्या राजगोपालन यूनाइटेड स्टेट्स में बसने से पहले अपने मूल शहर चेन्नई में बच्चों को नृत्य सिखाया करती थी। उज्ज्वल हरे रंग के कपड़े पहने जब एक नर्तकी तबले एवं सितार के संयोजन पर नृत्य करती है, तब मैं मंच के पास स्थित आरक्षित सीटों से उठकर ऊपरी लॉन में जाने का फैसला करता हूं, जहां अधिकांश लोगों ने सितारों के नीचे घास पर पिकनिक कंबल बिछाए हुए है। आपको पता चलता है कि लोग जितना नर्तकियों को देखने आते है, उतना ही किसी खूबसूरत चीज़ के लिए एकत्रित होने के अनकहे परमानन्द की अनुभूति के लिए भी आते है।

ह्यूस्टन के प्रसार के साथ खुद को अनुकूल बनाने का एक प्रभावी तरीका है 'लूप' के भीतर स्थित इलाकों पर अपनी शुरुआती यात्रा को केंद्रित करना है। इस नाम से ह्यूस्टनवासी शहर के मूल भाग को संदर्भित करते है, जो इनर्स्टेट 610 से घिरा हुआ है।

स्पेस सेंटर ह्यूस्टन में प्रदर्शित सैटर्न वी, एक रॉकेट प्रकार जिसने मनुष्य को चंद्रमा पर भेजा।

उड़ान मार्ग

अगली सुबह, मैं ट्रेन से ह्यूस्टन के म्यूज़ीअम डिस्ट्रिक्ट जाता हूं। इस हरे-भरे और चलने योग्य आवासीय इलाके में, 19 संग्रहालय आधुनिक कला से लेकर चिकित्सा विज्ञान, चेक संस्कृति और तो और स्विस मनोवैज्ञानिक कार्ल जंग के मानसिक अन्वेषणों तक विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक अंतर्वेशन पेश करते है। यह संग्रहालयों, मकानों और पार्कों की सघन भूलभुलैया है।

लेकिन 1970 के दशक में शुरू हुए मूलभूत सामुदायिक दृष्टिकोण से भी डिस्ट्रिक्ट को फायदा हुआ है। पास स्थित मोंटरोस के निवासियों ने अपना स्वयं का विकास संगठन गठित किया जिसने, अन्य लोगों के प्रयासों की मदद से, अधिक आवासों के निर्माण के साथ ही ह्यूस्टन के वांछनीय संग्रहों वाले संग्रहालयों को जोड़ने वाली सड़कों एवं फुटपाथों पर पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुधार परियोजनाओं का नेतृत्व

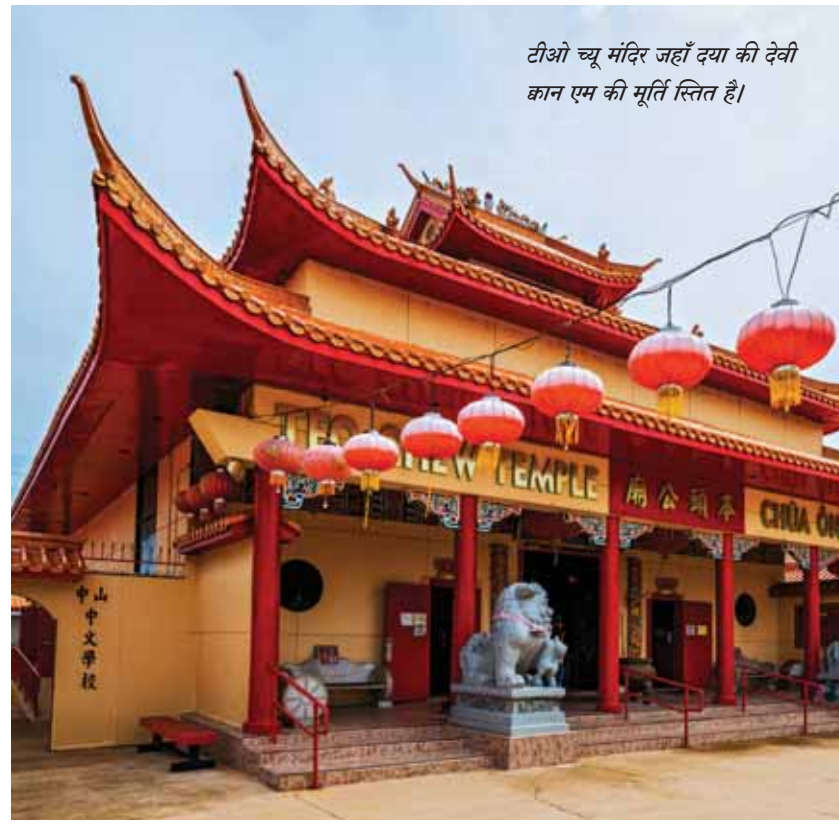

टीओ च्यू मंदिर जहाँ दया की देवी क्वान एम की मूर्ति स्तित है।

किया। 1989 में इस शहर द्वारा आधिकारिक तौर पर इस डिस्ट्रिक्ट को मान्यता मिली।

मैंने होलोकॉस्ट म्यूज़ीअम ह्यूस्टन से शुरूआत की। एक ह्यूस्टनवासी और होलोकॉस्ट उत्तरजीवी सिगी इज़ाकसन ने एक संग्रहालय के निर्माण के लिए धन और संसाधनों को एकत्रित करने हेतु एक स्वयंसेवक आंदोलन की शुरुआत की जहाँ उनके बचे हुए साथियों की कहानियों को संरक्षित करके पीढ़ियों तक साझा किया जा सकता था। संग्रहालय में घूमते हुए, एवं एक वास्तविक डेनिश नाव का निरीक्षण करते वक्त जो शायद यहूदी लोगों को स्वीडन में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाती थी, मुझे अप्रत्याशित रूप से एक नई मित्र मिली। उसका नाम ग्लोरिया था। वह एक स्वयंसेवी अभिवादनकर्ता है जो संग्रहालय में आगंतुकों का स्वागत करती है और प्रदर्शित वस्तुओं के विषय में जानकारी देती है। उसके मेरे पास आने और अपना परिचय देने के कुछ ही क्षणों में, हम इस बारे में बात कर रहे थे कि कैसे उसका परिवार 1920 के दशक के अंत में चेकोस्लोवाकिया से संयुक्त राज्य अमेरिका में आकर बस गया।

मैं संग्रहालय के उत्तर में काफी दूर घूमते हुए अंत में एक पुराने भूरे रंग की ईंट की इमारत में पहुंचा जो एक हाई स्कूल

L I F T O F F

Houston offers a near-endless array of stellar restaurants, museums, parks, and cultural attractions. Here are 31 destinations to help launch your visit.

1) **Sunny Flea Market**
8705 Airline Drive

2) **Crawfish & Noodles**
11360 Bellaire Blvd.

3) **Teo Chew Temple**
10599 Turtlewood Court

4) **Blood Bros. BBQ**
5425 Bellaire Blvd., Bellaire

5) **Art Car Museum**
140 Heights Blvd.

6) **Lei Low**
6412 N Main St.

7) **Mastrantos**
927 Studewood St.

8) **The Lancaster Hotel**
701 Texas Ave.

9) **Xochi**
1777 Walker St.

10) **Discovery Green**
1500 McKinney St.

11) **George R. Brown Convention Center**
1001 Avenida De Las Americas

12) **8th Wonder Brewery**
2202 Dallas St.

13) **Kâu Ba**
2502 Dunlavy St.

14) **Waugh Bridge Bat Colony**
Waugh Drive

15) **Buffalo Bayou Park Cistern**
105 Sabine St.

16) **Common Bond Bistro & Bakery (Montrose)**
1706 Westheimer Road

17) **The Menil Collection**
1533 Sul Ross St.

18) **Rothko Chapel**
3900 Yupon St.

19) **Buffalo Soldiers National Museum**
3816 Caroline St.

20) **Emancipation Park**
3018 Emancipation Ave.

21) **Doshi House**
3419 Emancipation Ave.

22) **Project Row Houses**
2521 Holman St.

23) **Smither Park**
2441 Munger St.

24) **The Orange Show**
2401 Munger St.

25) **Japanese Garden**
6000 Fannin St.

26) **Holocaust Museum Houston**
5401 Caroline St.

27) **Hermann Park**
6001 Fannin St.

28) **Miller Outdoor Theatre**
6000 Hermann Park Drive

29) **Turkey Leg Hut**
4830 Almeda Road

30) **Space Center Houston**
1601 E NASA Parkway

31) **Kemah Boardwalk**
215 Kipp Ave., Kemah

जैसी दिखती है। यह बफ़ेलो सोल्जर्स नेशनल म्यूज़ियम है, जो उन अश्वेत सैनिकों की कहानी बताता है जिन्होंने गृहयुद्ध के बाद सेना में सेवा दी थी - और कैसे इससे अश्वेत नौसेना अधिकारियों, पायलटों और अंतरिक्ष यात्रियों की नई पीढ़ियों का जन्म हुआ।

यह संग्रहालय म्यूजियम डिस्ट्रिक्ट के केंद्र में स्थित है और ह्यूस्टन के ऐतिहासिक अश्वेत क्षेत्रों में से एक - थर्ड वार्ड - में बसा हुआ है। यदि आप दोपहर में यहाँ जा रहे है, तो आप आसानी से संग्रहालय से टहलते हुए टर्की लेग हट जा सकते है, जहाँ सह-स्वामी लिन और नाकिया प्राइस बड़ी तेजी से धुआंदार टर्की लेग प्रस्तुत करते है, जिसके अंदर मसालेदार चावल भरे होते है और यह बेहतरीन सॉस और टॉपिंग्स, जैसे कि क्रॉफिश मैकरोनी, से ढका होता है।

मैंने वापस होटल जाने के लिए डूर्थी से कार ली और उसी से मैं थर्ड वार्ड में भीतर गया। मेरी मंजिल सफेद शाट्गन घरों की एक श्रृंखला है। सड़क से आप इसे नहीं जान पाएंगे, लेकिन कुछ घर ऐसे गलियारे है जिनमें स्थानीय या आगंतुक कलाकारों की घूर्णन प्रदर्शन वस्तुएं शामिल है। 1960 के दशक के सोफे और टेलीविजन सेट पर छाए हुए घरेलू पौधों की भरमार। फर्श से छत तक बने तेल रिफाइनरियों के छाया चित्रों के ऊपर स्थित स्वर्ण वृत्त।

ये प्रोजेक्ट रो हाउस है, जो थर्ड वार्ड के कलाकारों और समुदाय के नेतृत्वकर्ताओं के दिमाग की उपज है, जिन्होंने परित्यक्त घरों

भव्य लंकास्टर होटल जो 20 के दशक से मेहमानों का स्वागत कर रहा है।

लेकिन प्रोजेक्ट रोटरी हाउस एक जीती-जागती थीसिस भी है जो यह बताती है कि कला सामाजिक परिवर्तन का एक इंजन हो सकती है।

को संभावित इनक्यूबेटर एवं रचनात्मकता के मेजबान के रूप में देखा। लेकिन प्रोजेक्ट रोटरी हाउस एक जीती-जागती थीसिस भी है जो यह बताती है कि कला सामाजिक परिवर्तन का एक इंजन हो सकती है। अन्य रो हाउस युवा एकल माताओं के लिए अलग रखे गए है जहां वे अपने बच्चों की परवरिश एक सहायक, रचनात्मक वातावरण में कर सकती है। ये पुराने घर आधुनिक डुप्लेक्स घरों के बीच स्थित है, और ये घर एक सहयोगी संस्था, रो हाउस उऊउ, के स्वामित्व में है जो समुदाय के निवासियों को किफायती आवास प्रदान करता है।

प्रोजेक्ट रो हाउस विज़िटर सेंटर में, मैं एक भूतपूर्व निवासी ट्रिनिटी विलियम्स से मिला जो एक मिश्रित-मीडिया कलाकार है और वह पूर्वोत्तर से ह्यूस्टन में आकार बसी थी और उन्होंने अपने

तीन लड़कों की परवरिश इनमें से एक डुप्लेक्स में की थी। एक बच्चे को पालने के लिए एक बस्ती की आवश्यकता होती है और यह वहीं बस्ती है, एक अच्छी तरह भरे हुए सामुदायिक खाद्य फ्रिज को देखते हुए वह कहती है जिसे प्रोजेक्ट रो हाउस के अंतर्गत इस गर्मी में एक शॉटगन हाउस में स्थापित किया गया है। ट्रिनिटी ने प्रोजेक्ट रो हाउस के लिए एक गाइड सह शिक्षक के रूप में काम किया है। 2018 में, उनके बेटों के बड़े होकर बाहर चले जाने के बाद उन्हें मल्टीपल स्केलेरोसिस हो गया, जिसने उन्हें अपनी कला को पूर्णकालिक तौर पर आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। मेरे लिए, यह उपचार का एक तरीका है, वह बताती है। उनकी रचनाएं, जिनमें कैनवास और फ़ोटोग्राफ़ी पर मिश्रित मीडिया के साथ-साथ पुरानी वस्तुओं से बनी मूर्तियां शामिल है, ह्यूस्टन की प्रदर्शनियों एवं उत्सवों में दिखाई एवं बेची जाती है।

थर्ड वार्ड के पूर्वी किनारे के पास, मुझे इस प्रकार की एक अन्य सामूहिक परियोजनाओं को देखने का मौका मिल: स्मिथर पार्क, एक घास का मैदान जिसका महत्व कम हो जाता यदि इसे अविश्वसनीय चमकदार मोज़ेक के लिए नहीं जाना जाता जिसे कलाकारों द्वारा रास्तों, दीवारों एवं छतरियों पर इस्तेमाल किया गया है। कांच, बरतन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के रंगीन टुकड़ें बाघों, परियों, मछलियों एवं बिना नाम वाले जीवों को चित्रित करते है।

गर्मियों में, ह्यूस्टनवासी अपने बाहरी कार्यों को दिन की शुरुआत या अंत में करते है जब सूरज की गर्मी प्रचंड नहीं होती। सूर्यास्त के समय, मैं बफ़ेलो बेउ पार्क में जॉगिंग के लिए जाता हूँ, जो 160 एकड़ क्षेत्रफल में फैला सरू और कपास के पेड़ों का गलियारा है जिसमें निर्मल धराएं बहती है, दलदली भूमि का एक संरक्षित क्षेत्र जिसपर ह्यूस्टन बसाया गया था। मैंने पहाड़ी की ढलान पर भीड़ देखी जो पार्क के केंद्रीय जलमार्ग को पार करने वाले एक साधारण पुल को देख रही थी। वॉ ब्रिज, वो पुल जिसे हम देख रहे है, 250,000 लंबी पुंछ वाली मैक्सिकन चमगादड़ों का घर है, और सूर्यास्त के समय, चमगादड़ कीड़ों का भक्षण करने का सुख प्राप्त करने हेतु पुल के खांचों से बाहर निकलते है।

कन्वेंशन सेंटर के बाहर, 30 फुट लंबी गतिज मूर्तिकला विंग्स ओवर वॉटर में 1,488 वर्ग फुट का पानी का फव्वारा शामिल है।

रोथको चैपल में लोग किसकी पूजा करने आते है? आसान शब्दों में कहे तो, सामाजिक न्याय की।

भविष्यवादी दृष्टिकोण

मोंटरोस ह्यूस्टन के अधिक उदार इलाकों में से एक है जिसमें औपनिवेशिक शैली के घरों एवं आधुनिक कॉन्डो, बगीचों, बिस्ट्रो, पेटियो बार और कलागृहों की भरमार है। यहाँ पर मैं रोथको चैपल की ओर जाता हूँ, जो एक गैर-सांप्रदायिक पूजा घर और कला का एक नमूना है। इसकी आंतरिक दीवारों में मार्क रोथको द्वारा बड़े पैमाने पर बनाई गई ओब्सीडियन पेंटिंग लगी हुई है, जिनमें बैंगनी रंग और सोने के हल्के निशान मौजूद है। एक रोशनदान शांत कक्ष को रोशन करता है।

तो लोग यहाँ किसकी पूजा करने आते है? आसान शब्दों में कहे तो, सामाजिक न्याय

की। रोथको चैपल में नियमित रूप से नागरिक अधिकार कार्यकर्ता एवं आध्यात्मिक नेता आते है, जो भलाई के आम लक्ष्य के लिए एकजुट होते है। मानवाधिकारों को बरकरार रखने या उन्हें उन्नत करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने हेतु, चैपल उन्हें साल में दो बार ऑस्कर रोमेरो पुरस्कार प्रदान करता है, जिसका नाम 2018 में पोप फ्रांसिस द्वारा संत की उपाधि से विभूषित की गए साल्वाडोरन बिशप के नाम पर रखा गया था जिनकी हत्या कर दी गई थी।

मुझे ह्यूस्टन के बीचों-बीच इस तरह के मंदिर को देखकर आश्चर्य नहीं हुआ। यहाँ 48 घंटे बिताने के दौरान, मैंने प्राकृतिक और मानव निर्मित सुंदरता देखी जो इस शहर की स्थानीय पारिस्थितिकी और अंतर्राष्ट्रीय विरासत को दर्शाती है। मैंने जाना कि क्या होता है जब आप दुनिया भर के लोगों को लाकर उन्हें गल्फ कोस्ट के एक महानगर में रखते है। एक साथ अपना दिमाग लगाकर वे नई चीजें बनाते है, और क्लासिक खाद्य पदार्थों, कला और मनोरंजन पर अपना तड़का लगाते है जिससे जीवन दिलचस्प लगता है।

एक पर्यटक के रूप में, आप सीधे उनकी कार्यशालाओं में जा सकते है, जैसा कि मैंने अपने रोथको के दौरे के बाद काउ बा नामक एक वियतनामी-अमेरिकी बिस्ट्रो में जाकर करता हूँ। आप यहां कुछ पारंपरिक ब्रंच ऑर्डर कर सकते है - फैंसी अंडे, मिमोसा आदि - या आप 'दादी माँ की सब्सिडी' शीर्षक वाले पकवान भी खाकर देख सकते है कि उसमें क्या खास है (जैसा मैंने किया)। यह शेफ निक्की ट्रान की दादी को दी गई एक श्रद्धांजलि है, जिन्होंने 1975 में साइगॉन के पतन को सहन करने के साथ ही रसोई घर की फुटकर चीजों के साथ पौष्टिक भोजन बनाना सीखा। यह एक मजेदार स्वादिष्ट मिश्रण है जो दिखने में सामान्य परंतु बनाने में अधिक जटिल होता है।

एक घंटे के अंदर मुझे जॉर्ज बुश इंटरकांटिनेंटल हवाई अड्डे पर पहुंचना है, लेकिन जाने को लेकर हतोत्साहित महसूस करने के बजाय, मुझे उन लोगों से ईर्ष्या है जिन्होंने अभी तक ह्यूस्टन में कदम भी नहीं रखा है। यह ऐसा शहर है जिसके बारे में आप दूसरों को बताना चाहते है।

मैं ह्यूस्टन अध्याय को अधूरा छोड़ना चाहता हूँ ताकि अगली बार जब मैं यहाँ आऊँ, तो नई जगहों के किस्सों के साथ इसे आगे बढ़ा सकूँ। इसलिए सीधे हवाई अड्डे पर जाने के बजाय, मैं दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ गया, लूप से बाहर निकलकर चाइनाटाउन (जिसे अब अक्सर एशियाटाउन कहा जाता है) गया, जहाँ ब्लड ब्रोस इइट के मालिक बड़े हुए। अपार्टमेंट और मॉल से गुजरते हुए मैं टेओ च्यू मंदिर पहुंचा। ईंट रंग की गुंबददार छतें; दया की देवी क्वान एम की एक मूर्ति; और अगरबत्ती की शानदार सुगंध के साथ-साथ कागज़ की लालटेन की श्रृंखला इस दृश्य में चार चाँद लगा देते है। प्रवेश द्वार के दाईं ओर एक आंगन में युवा मार्शल आर्ट की एक शैली का अभ्यास करते है, मंदिर के आंतरिक हिस्से में उनकी लाठियों की आवाज गूँजती है। बौद्ध देवताओं की एक परिषद ने मेरा मन मोह लिया, जैसा कि चित्रों और मूर्तियों में उन्हें प्रदर्शित किया जाता है। ऐसा लगता है मानो वे कह रहे हो कि हम फिर मिलेंगे।

माइल्स हॉवर्ड बोस्टन के एक लेखक है।

© Rotary

लकड़ी एक दूसरी पारी की हकदार

प्रीति मेहरा

स्थायी रूप से रहना केवल हरित ऊर्जा पैदा करने, पानी की कटाई और अपने कचरे को अलग करने के बारे में नहीं है। यह एक पूरी नई जीवन शैली को गले लगाने और समझदार बनने में कि क्या यह हमारे ग्रह के लिए हानिकारक होगा और क्या रहने के हर पहलू में एक दोस्ताना कार्रवाई होगी, चाहे फ़िर यह अपने भोजन, अपनी अलमारी, अपनी चादरें, अपने उपकरण, अपने बरतन, अपनी कलाकृतियां, या हमारा फर्नीचर हो सकता है।

आइए इस बार आखिरी पहलू-फर्नीचर के बारे में विचार करते हैं। 100 में से 99 बार हर घर में मौजूद फर्नीचर लकड़ी से बना है, जो कीमती पेड़ से आता है। यह मूल इकाई है जो हमें जंगल प्रदान करते हैं- जो कि पृथ्वी के फेफड़े हैं - और मनुष्यों और अन्य जीवित प्राणियों को ऑक्सीजन, उनकी आवश्यक जीवन शक्ति, प्रदान करते हैं। पेड़ सचमुच सूर्य, हवा, और बारिश के प्रभाव को हलका करते हैं।

लेकिन इसका आपसे क्या लेना-देना है, आप पूछ सकते हैं? बहुत कुछ, यदि आप घर हिला रहे हैं; सोफा सेट, अलमारी या डाइनिंग टेबल को बदल रहे हैं। यदि आप ताज़ी लकड़ी से बने फर्नीचर को इस्तेमाल करने के प्रलोभन का विरोध करते हैं, आप पेड़ों की कटाई की मांग को कम करने में अपना योगदान देंगे।

जब मैं 1980 के दशक में मुंबई (तब बॉम्बे) में स्थानांतरित हुआ, तो मैं ऐसे फर्नीचर की खोज में निकला, जिसका मूल्य उचित हो पर उसका एक चरित्र हो। एक पुराने पारसी बाजार में, मैं एक सुंदर रानी आकार के पलंग (आसानी से 40 वर्ष पुराना) से टकराया, जिसे आसानी से खोलकर एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जा सकता था और जिसपर एक मच्छर-दानी लगाई जा सकती थी। इस ठोस (मैंने इसे सागवान माना) टुकड़े के साथ पूरी तरह से प्यार में पड़कर मैं इसे घर ले आया।

जब हमारे बेटे का जन्म हुआ, तो हमने इस पलंग के पैरों को छोटा कर दिया था, क्योंकि नवजात बच्चे के मुताबिक या काफ़ी ऊंचा था। इस पलंग ने बॉम्बे से चेन्नई से दिल्ली तक हमारे साथ यात्रा की और आज 2021 में यह एक युवा मित्र, जिन्होंने पिछले ही साल शादी की, के घर में सुंदरता से रखा गया है। पारसी पलंग आज भी वैसे ही मनोहर दिखता है, जैसे हमने इसे खरीदा था। बस एक बड़ा पेंच जो खो गया था, उसे बदल दिया गया है।

यह कहानी इस बात का उदाहरण है कि फर्नीचर का एक टुकड़ा कितना कालातीत हो सकता है। बेशक, ऐसे क्षण होंगे जब आप एक ही रूप या अपने घर के आयामों से थक जाते हैं। पुराने वफादार से छुटकारा पाने का फैसला करने से पहले यहां कुछ विकल्प दिए गए हैं: आप इसे नए कपड़े के साथ फिर से सजा सकते हैं, इसके तकिये बदल सकते हैं और एक बिल्कुल नए रूप में ला सकते हैं। वैकल्पिक

रूप से, आप इसे एक सुंदर बदलाव या एक क्लासिक विंटेज उपस्थिति देने के लिए एक पेशेवर डिज़ाइनर की सहायता भी ले सकते हैं।

हाल ही में, फर्नीचर में स्टार्ट-अप्स ने हरित-विकल्प खोल दिए हैं। भारत में सबसे प्रगतिशील में से एक है, एक युवा उद्यमी अजथ मोहन करीमपान द्वारा संचालित हाउस ऑफ किराया (एचओके)। इसमें ऑनलाइन फर्नीचर की दुकानें फर्लेन्को और फर्बिकल शामिल हैं। यह उन लोगों से व्यवहार करता है जो कार्बन पदचिह्न छोड़ने से इनकार करते हैं - यह उचित लागत पर व्यावसायिक रूप से नवीनीकृत फर्नीचर प्रदान करता है। Unlmtd नामक उप-ब्रांड फर्नीचर को सदस्यता सेवा और मासिक किराये पर प्रदान करता है।

आपका पुराना फर्नीचर उस कंपनी को वापस चला जाता है, जो आपको एक मुफ्त सेवा के रूप में अपने नए गंतव्य स्थान पर वैसा ही फर्नीचर प्रदान करता है। वास्तव में, आप सिर्फ अपने कपड़ों के साथ एक नए घर में प्रवेश करते हैं और पूरे फर्नीचर को किराए पर ले सकते हैं, जिनसे आपको अपना घर शुरू करने की ज़रूरत है, जिसमें सोफे, बिस्तर, टेबल, वर्कस्टेशन, स्टोरेज और उपकरण शामिल हैं।

ऑनलाइन बिक्री के अलावा हर शहर का अपना पुराना फर्नीचर मार्केट है। दिल्ली, मुंबई के ओशीवारा बाजार को अपने स्वयं के अमर कॉलोनी के दुकानों से तुलना कर सकता है, जहां आप सबसे दिलचस्प फर्नीचर पा सकते हैं। हमने वहां से दो पुराने ज़माने की लेखन-टेबल्स उठाईं। बेंगलुरु, चेन्नई और अन्य शहरों में भी इनके समकक्ष फर्नीचर मिल जायेंगे, पर इन क्लासिक्स को खोजना अपने आप में एक अभियान है।

वास्तव में फर्नीचर, कई अलग-अलग तरीकों से हमारी कल्पना को गुदगुदा सकते हैं। मेरा एक दोस्त है, जिसने अपनी पुरानी

कार टायर को उत्कृष्ट बैठक-स्टूल में बदल दिया है, पारंपरिक केरल धातु उरुली पर शीशा रखकर इसे एक फैशनेबल कॉफी टेबल में बदल दिया है। उन्होंने कपड़े सुखाने के लिए एक पुरानी साइकिल को स्टैंड में बदल दिया है।

एक अन्य मित्र ने अपने पैतृक घर में छोड़ी गई सभी लकड़ी की पुरानी संदूकों और अपनी दिवंगत दादी के नक्काशीदार खजानेनुमा संदूकों की मांग की। एक पेशेवर की मदद से उसने इन्हें बेडसाइड टेबल, वार्डरोब, यहां तक कि एक बुकशेल्फ़ और बार टेबल में परिवर्तित कर दिया।

यदि ये प्रयोग आपके लिए नहीं बने हैं और आप नए सामान के लिए जाना चाहते हैं, तो अपने पुराने फर्नीचर को बेचने का प्रयास करें, इसे कचरे की तरह ना फेंके। इसे किसी ऐसे व्यक्ति को दान करें जो इन महत्वपूर्ण पॉइंट्स में विश्वास करता है- रीसायकल, पुन: उपयोग, पुन: उद्देश्य, ग्रह को बचाने के लिए नए खरीदने से इनकार करता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो आपका फर्नीचर - चाहे वह लकड़ी, प्लास्टिक, धातु से बना हो - वास्तव में उस जगह खत्म हो जाएगा, जहां आप इसे नहीं देखना चाहेंगे - शहर के लैंडफिल या समुद्र पर तैरते मलबे के रूप में।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

संगीत और माधुर्य

बांसुरी से जादू का सृजन

हरिप्रसाद चौरसिया

वी रामनारायण

बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया में एक आनुवंशिक विषमता प्रतीत होती है - एक उत्कृष्ट और विश्व-प्रसिद्ध संगीतकार, एक पहलवान पिता और गृहिणी मां की संतान हैं। हरी मुश्किल से चार साल के थे जब माँ की मृत्यु हो गई थी और पिता ने अपने बेटों के पहलवान बनने और अखाड़े में नाम रोशन कर, धन और प्रसिद्धि अर्जित करने का सपना देखा था। हरिप्रसाद, सबसे छोटा, 1 जुलाई 1938 को इलाहाबाद में पैदा हुआ था, हालांकि, बचपन में ही संगीत में आनंद खोज निकाला और उनके मन में इस क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की तीव्र इच्छा जाग उठी। पहलवानी में छेदी लाल पहलवान का बड़ा नाम होने के बावजूद या शायद इसी वजह से कुश्ती के प्रति उनमें अरुचि पैदा हुई थी, वे सिर्फ अपने पिता के डर से अखाड़े जाते थे, हाँ, एक सक्षम पहलवान के अनुरूप, मजबूत और फिट रहने के लिए उन्होंने ईमानदारी से सब कुछ किया। वह तैरते, दौड़ते, व्यायाम करते और बढ़िया खाना खाते थे।

अभिभावकों के मना करने के बाद भी, पड़ोसियों और मंदिर के पुजारियों के प्रोत्साहित करने से, जिन्हें उसकी मीठी आवाज पसंद थे, नन्हा हरि पास के मंदिर में भजन मंडली के साथ गाने लगा। इसके कुछ ही दिनों बाद, अचानक गली में एक बच्चा अपनी वह बांस की छोटी सी बांसुरी पर एक दर्द भरी धुन बजाता जा रहा था जिस की मधुर आवाज़ के पीछे हरी अनायास ही खिंचता चला गया । अगर हम लोगों की बात पर विश्वास करें तो हरि ने वास्तव में मुरलीवाले से बांसुरी उड़ा ली थी।

हरि ने पिता की नापसंद के बावजूद संगीत की शिक्षा ग्रहण की थी - और शायद वो इस बात से अनजान भी रहे। उनके पहले संगीत शिक्षक पंडित राजा राम जो एक प्रतिष्ठित ध्रुपद गायक से उन्होंने संगीत की बारीकियां सीखीं। ध्रुपद ने निश्चित रूप से उस बालक के सामने काफी चुनौतियाँ खड़ी की होंगी जो केवल भक्ति संगीत की धुनों को जानता था।

हरि को एक आयुर्वेदिक चिकित्सक और पड़ोसी कैलाशनाथ चतुर्वेदी के सान्निध्य से भी लाभ हुआ, जिनके परिवार को संगीत

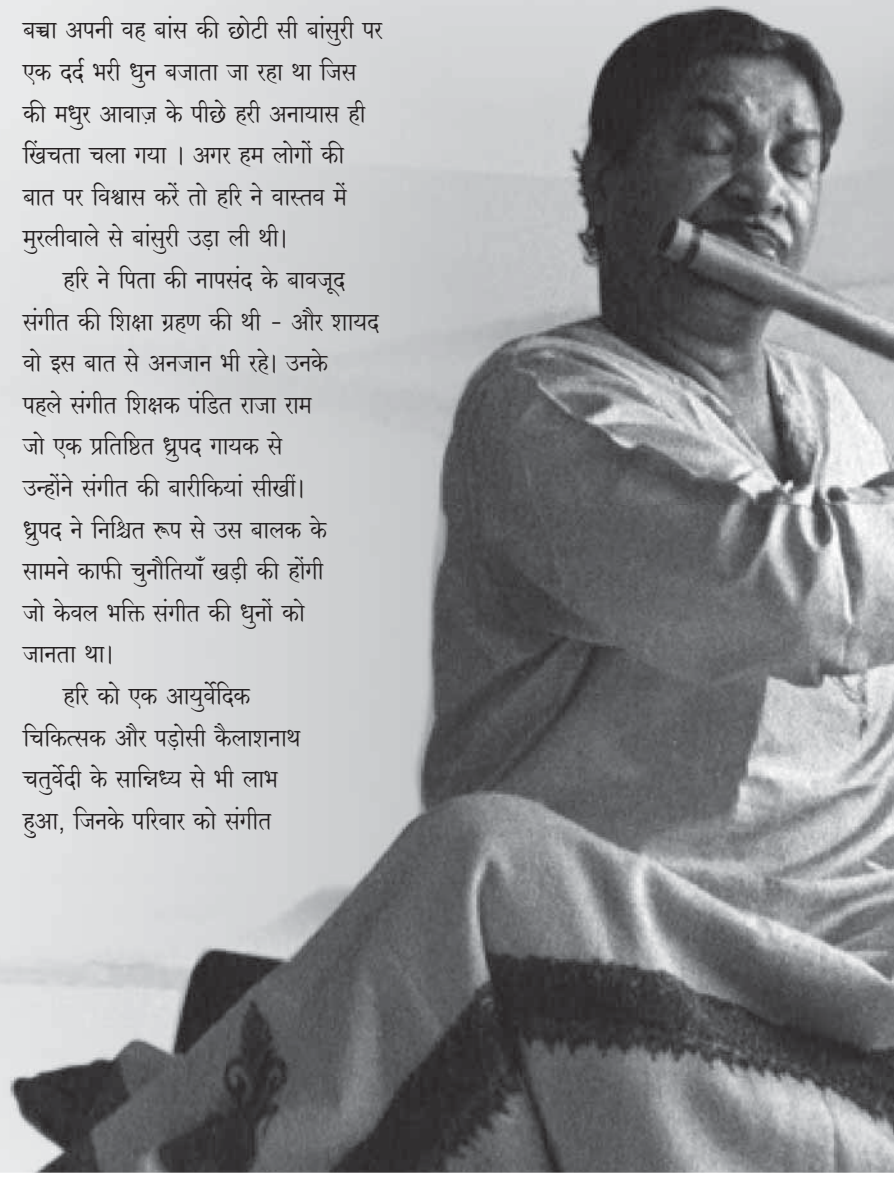

का शौक था। वे भी चतुर्वेदी के घर अभ्यास सत्रों में अक्सर जाने लगे जहां पिता और उनके दो बेटे हारमोनियम और तबले के साथ गायन और वादन किया करते थे।

हरिप्रसाद जल्द ही मंदिर में एकल गायन करने लगे। चौरसिया की जीवनी की लेखिका उमा वासुदेव के अनुसार, (*रोमांस ऑफ द बैंबू रीड,* शुभी, 2005) छेदीलाल के कई पड़ोसियों ने ''मौन षड्यंत्र'' रचते हुए पिता की नज़रों और कानों से हरि के संगीत कारनामों को छिपा कर रखा था, क्योंकि वे जानते थे कि वह तो हरी के लिए कुश्ती में करियर की तलाश कर रहे थे, और कभी नहीं मानेंगे विशेष रूप से इसलिए क्योंकि एक रहस्यमय बीमारी की वजह से उनके सबसे बड़े बेटे शिवप्रसाद की मृत्यु 17 साल में हो गई थी।

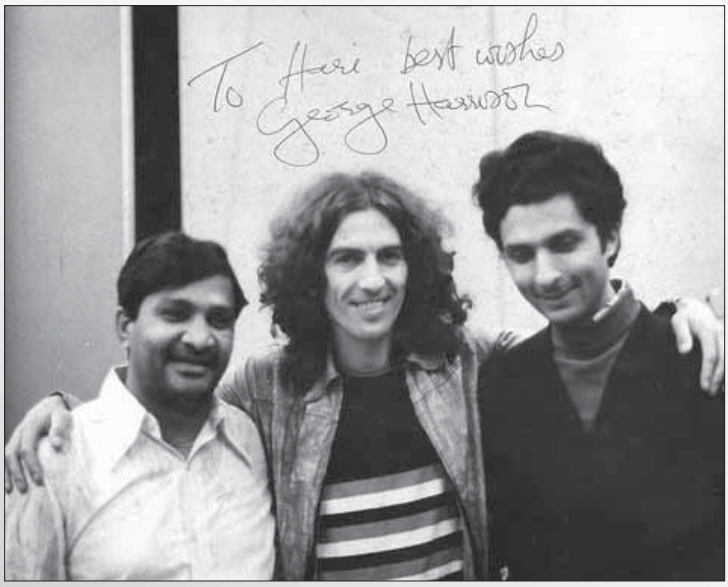

पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, बीटल्स के प्रमुख गिटारवादक जॉर्ज हैरिसन और संतूर कलाकार शिवकुमार शर्मा।

हरिप्रसाद ने कला संकाय में कॉलेज से डिग्री ली, हालांकि एक बार वो वह अति उत्साह में बिना सोचे समझे घर और कुश्ती से दूर भाग कर और बॉम्बे सिनेमा में अपना भाग्य आजमाने चले गए थे। किसी भले आदमी ने उन्हें अच्छी सलाह दी और उन्हें घर वापस भेज दिया इससे पहले उन्होंने अपने दोस्त के साथ कई फिल्म स्टूडियो के दरवाजे खटखटाए थे। पिता ने भी बेटे को माफ कर दिया और सब कुछ ठीक ठाक हो गया।

छेदीलाल काफी समझदार थे, हरि को टाइप राइटिंग क्लास में दाखिला दिला दिया। बीए की डिग्री और टाइपिंग में तीव्र गति की वजह से, हरि को पहले प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के कार्यालय में और बाद में इलाहाबाद मिलिंग कंपनी में एक टाइपिस्ट की नौकरी मिली। सब कुछ ठीक चल रहा था, हरिप्रसाद अपनी नियमित नौकरी के साथ सामंजस्य बिठा रहे थे, जब तक कि एक दिन उन्होंने रेडियो पर आकाशवाणी कलाकार पंडित भोलानाथ का बांसुरी संगीत कार्यक्रम नहीं सुन लिया, जिसने उनके पैर संगीत की जादुई दुनिया की तरफ वापिस मोड़ दिए। वह भोलानाथ से मिलने आकाशवाणी कार्यालय

हरिप्रसाद ने कला संकाय में कॉलेज से डिग्री ली, अति उत्साह में बिना सोचे समझे घर से दूर भाग कर बॉम्बे सिनेमा में अपना भाग्य आजमाने चले गए थे।

में गए। उन्होंने भोलानाथ को इतना प्रभावित किया कि अंततः उन्होंने हरी को अपना *शागिर्द* बना ही लिया।

अपना ऑडिशन टेस्ट पास करने के बाद, हरिप्रसाद को ग्रेड 'बी' आकाशवाणी कलाकार के रूप में स्वीकार किया गया, जो उनकी उम्र के किसी भी युवा के लिए गौरव की बात थी। इस समय तक, हरिप्रसाद संगीत में अच्छी तरह से तल्लीन हो चुके थे, दोपहर में उनके भोजन के समय और दिन का काम ख़त्म करने के बाद वे अभ्यास किया करते थे। उनके संगीत के कारनामों का रहस्य आखिरकार छेदीलाल के सामने खुल ही गया जब स्थानीय प्रेस में उनके संगीत कार्यक्रमों की समीक्षा देखी। संगीत में अपने बेटे को मिली नई सफलता से खुश होकर, और नौकरी में उनके पैर जम ही चुके थे, इसलिए पहलवान ने हरि को कुश्ती से छूट दे दी।

इलाहाबाद अब हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक प्रमुख केंद्र बन चुका था, जिसका पूरा श्रेय विष्णु दिगंबर पलुस्कर द्वारा स्थापित गंधर्व महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित संगीत समारोहों और सम्मेलनों को जाता है। हरि ने इन समारोहों में भाग लिया और अमीर खान और डीवी पलुस्कर जैसे कुछ महान कलाकारों के संगीत में डूब गए, हालांकि एक अफसोस ज़रूर रहा कि उन्हें पन्नालाल घोष के एक भी बांसुरी कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर नहीं मिला, यकीनन बांसुरी वादन कला के सबसे महान कलाकार। कला अभिनय प्रदर्शन पर मासिक पत्रिका श्रुति, संगीत समीक्षक - पत्रकार

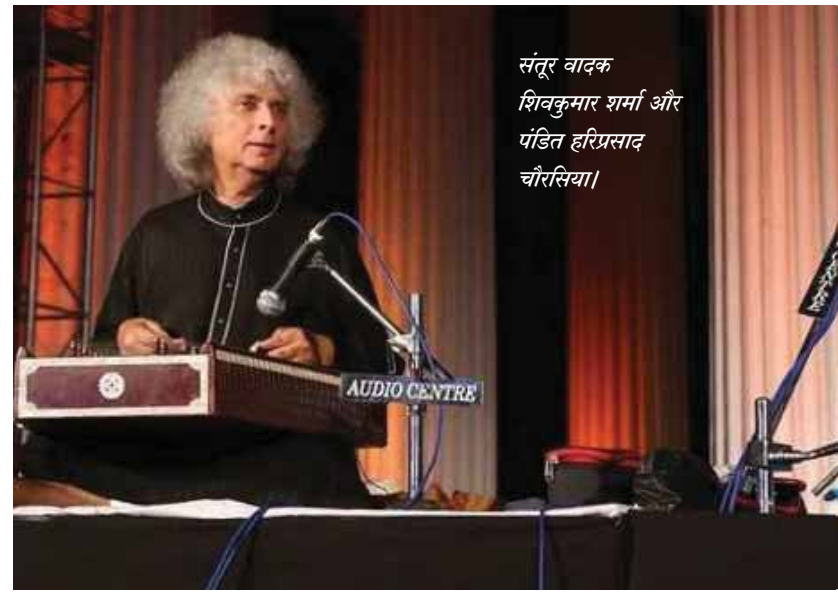

संतूर वादक शिवकुमार शर्मा और पंडित हरिप्रसाद चौरसिया।

हरिप्रसाद चौरसिया ने अपने साथी संगीतकारों की सदैव प्रशंसा की और उनका सम्मान किया है, चाहे वे उनके कनिष्ठ, समकक्ष हों या वरिष्ठ।

तबला वादक उस्ताद अल्ला रखा के साथ।

शिवप्रिया कृष्णन के के अनुसार, चौरसिया ने इन में से एक सम्मेलन के दौरान होटल में ठहरे प्रख्यात संगीतकार और गुरु अलाउद्दीन खान से मिलने का साहस किया, जिन्होंने उन्हें उनकी बेटी सुरबहार विशेषज्ञ, अन्नपूर्णा देवी से सीखने के लिए मैहर स्थित अपने प्रसिद्ध गुरुकुल में प्रवेश की सलाह दी।

''इलाहाबाद से मैहर का प्रवास उस युवक के लिए दूर का सपना था, लेकिन अलाउद्दीन खान का निमंत्रण हरिप्रसाद के दिल और दिमाग में हमेशा छाया रहा, साथ ही 1960 के दशक में हिंदी फिल्मों में गीत संगीत देते हुए अपने आप को एक बांसुरी वादक के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाते रहे। सितार

शामिल किया गया, कलाकार द्वारा बांसुरी वादन की प्रस्तुति और जिस तरह से इसके श्रोताओं द्वारा कर सुना जाता था इस में भी क्रांतिकारी बदलाव आया।''

उनके टाइपिंग और आशुलिपि कौशल से उन्हें जिला नियोजन कार्यालय में सरकारी नौकरी मिल गई , हरिप्रसाद बचा हुआ सम्पूर्ण समय संगीत अभ्यास को समर्पित करते थे, परन्तु अब पिता की अनैच्छिक स्वीकृति के साथ। AIR इलाहाबाद के लिए एक नियमित कलाकार के रूप में कार्य करते हुए जब कार्यक्रम अधिकारी शांतिमय घोष ने उन्होंने AIR लखनऊ या कटक में स्थायी नौकरी का प्रस्ताव दिया तो उन्होंने तुरंत आवेदन कर दिया। चौरसिया की किस्मत खुल गई थी , उस समय उन्हें यह नहीं पता था, हालांकि कटक उनकी दूसरी पसंद थी। एक स्थायी सरकारी नौकरी के लालच में छेदीलाल ने हरि को अपना गृहनगर इलाहाबाद छोड़ने की अनुमति दे दी।

चौरसिया के संगीत करियर में निर्णायक मोड़ आकाशवाणी कटक के स्टेशन निदेशक पी वी कृष्णमूर्ति (PVK) के कारण आया, जो स्वयं एक प्रतिभाशाली संगीतकार थे।

तबला वादक उस्ताद ज़ाकिर हुसैन के साथ।

वादक रविशंकर से वैवाहिक सम्बन्ध विच्छेद होने के बाद अन्नपूर्णा देवी वैराग्य का जीवन जी रही थीं। चौरसिया को जवाब में ना तो मंजूर ही नहीं थी और उन्होंने वहीं धरना दे दिया, अपने अथक प्रयास और अनुरोधों से हाँ करवा के ही छोड़ी। लेकिन हाँ के साथ साथ कुछ शर्तें भी जुडी थीं, नई शुरुआत से पहले अभी तक जो ज्ञान प्राप्त किया था, सब भूलना होगा; दूसरी यह कि वह बाएं हाथ से बांसुरी बजाते थे, उन्हें अब दाएं हाथ से बांसुरी बजाना होगी, टुकड़ों में असंबद्ध रीति से बजाने की अपेक्षा, अधिक से अधिक समय तक लगातार बजाना ; प्रत्येक राग में पारंगत होने की अपेक्षा उसकी गहराई में उतरना। विचित्र रूप से, उनकी बात मानते हुए हरिप्रसाद ने अपने गुरु के प्रति श्रद्धा स्वरुप दाएं हाथ से भी बांसुरी बजाना शुरू कर दिया। अन्नपूर्णा देवी के इस शिष्य की प्रतिभा और निखरती चली गई और उनके संगीत में जादुई आभास होने लगा। इस प्रकार, मैहर घराने को अंगीकार करते हुए, चौरसिया ने बांसुरी संगीत में कई नए आयाम जोड़े, जिसमें बांसुरी वादन को गायकी और वाद्य दोनों शैलियों को

म्यूज़िक कंडक्टर ज़ूबिन मेहता के साथ।

इस प्रकार एक अनोखा जुड़ाव शुरू हुआ, भारतीय शास्त्रीय संगीत इतिहास के गलियारों में ऐसा संरक्षक-शिष्य संबंध शायद ही देखा गया हो। चौरसिया ने दशकों पहले आकाशवाणी छोड़ दी थी, लेकिन उन्होंने और PVK दोनों ने पहली मुलाक़ात के दशकों बाद भी एक दूसरे के प्रति सम्मान और स्नेह बनाए रखा, जैसा कि चेन्नई में PVK के 90 वां जन्मदिन समारोह पर साफ़ नज़र आया था जब चौरसिया ने अपने संरक्षक देवदूत की प्रशस्ति में भरपूर गुणगान किया था। उन्होंने उनके 100 वें वर्ष पर पुनः दोहराने का भी वादा किया था, लेकिन PVK 2019 में अपने शतक से वर्ष पूर्व ही सिधार गए।

1960 के दशक में हिंदुस्तानी संगीत के अधिकांश श्रोताओं के लिए, उस्ताद रविशंकर, निखिल बनर्जी और अली अकबर खान के सितार और सरोद सरीखे वाद्य यंत्रों बड़े आकर्षण थे, जबकि पन्नालाल घोष जैसे बांसुरी वादक को सुनने के मौके कम ही मिलते थे और रिकॉर्डिंग के माध्यम से ही उपलब्ध थे। एक नई तरह की जादुई पेशकश की गई जब बेस्टसेलिंग एलपी *कॉल ऑफ द वैली* कई युवा प्रशंसकों के दिलो दिमाग पर छ गया पर कब्ज़ा कर लिया, जो अभी तक फिल्म संगीत से शास्त्रीय संगीत की तरफ झुकने की दहलीज पर खड़े थे।

इस रिकॉर्ड में चौरसिया (बांसुरी), शिवकुमार शर्मा (संतूर) और बृज भूषण काबरा (गिटार) में तीन बेहतरीन वादक थे। चौरसिया की बांसुरी तार वाले दो वाद्ययंत्रों के उत्तेजक धुनों के साथ सामंजस्य बिठाते हुए उनकी बांसुरी, एक सुरम्य शान्ति का अनुभव कराते हुए लहरियां बिखेरती है और अपनी स्वतंत्र उपस्थिति का अहसास कराती है। उस रिकॉर्ड में राग भूप को जितनी खूब सूरती से पेश किया गया है शायद ही किसी पवन वाद्य यंत्र द्वारा

कभी प्रस्तुत किया गया हो। अपने अद्भुत कौशल में पारंगत होने के अलावा उस वक़्त चौरसिया अपने रचनात्मक सर्वश्रेष्ठ पर थे और बाद में उन्हें नई तकनीकी विविधताओं का सृजन करना था। हाथों में थमी बांसुरी से उनकी दमदार सांस जब इस की विलक्षण बारीकियों से गुजरती है, राग पहाड़ी अत्यंत खूबसूरती से अपने शास्त्रीय संगीत के आरोह अवरोह से गुजरता हुआ अपने उत्कर्ष पर पहुंचता है।

उन्होंने और उनके सहयोगी ज़ाकिर हुसैन, शिवकुमार शर्मा और अमजद अली खान की तिकड़ी ने धुनों में युवा ताजगी भर कर, अपनी विरासत में मिले उपहार से 1972-73 के आसपास संगीत की शानदार प्रस्तुति दी और हैदराबाद पर छा गए। भारत और विदेशों में संगीत कार्यक्रम के

एक नई तरह की जादुई पेशकश की गई जब बेस्टसेलिंग एलपी *कॉल ऑफ द वैली* कई युवा प्रशंसकों के दिलो दिमाग पर छ गया पर कब्ज़ा कर लिया, जो अभी तक फिल्म संगीत से शास्त्रीय संगीत की तरफ झुकने की दहलीज पर खड़े थे।

मंच पर और रिकॉर्ड के लेबल पर शिव-हरि एक सफल जोड़ी बन कर छा गए। अंततः उत्कृष्ट संगीतकारों के रूप में अपनी व्यक्तिगत पहचान को और मजबूत करने के लिए इस जोड़ी ने अलग होने का निश्चय किया लेकिन उस से पहले उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में संगीत निर्देशकों के रूप में भी काम किया है, जिनमें *सिलसिला* और *लम्हे* फिल्म विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

चौरसिया प्रतिष्ठित हो चुके थे, वे अपनी मिलनसारिता, वाक्पटुता के लिए भी जाने जाते थे। 1982 में चेन्नई स्थित कलाक्षेत्र, अकादमी में प्रस्तुति देने एक प्रमुख कलाकार के रूप में आये थे, उन्होंने बांसुरी से ऐसी अद्भुत और मंत्रमुग्ध कर देने वाली लहरियां बिखेरी कि एक श्रोता तो भाव विव्हल हो कर उन्हें आधुनिक कृष्ण पुकार उठा, जिसने उस शाम बृंदावन बने कलाक्षेत्र में गोपियों से भरे हॉल पर अपना जादू बिखेरा था और जब एक युवा महिला श्रोता ने उनकी प्रशंसा की तो अपनी आंखों में चमक लिए बांसुरी वादक

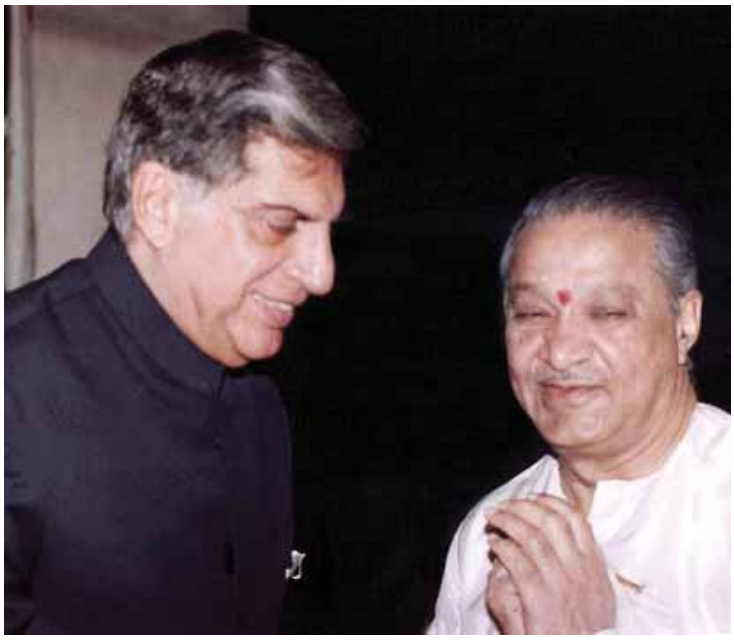

उद्योगपति रतन टाटा के साथ।

तपाक से बोले, ''आप जानती हो, मैंने ये धुन विशेष रूप से आपके लिए ही बजाई थी।'' वह संगीत कार्यक्रम से पहले भी उतने ही सहज रहते थे, जब एक अन्य प्रशंसक ने उनसे हेमंत राग बजाने के लिए कहा, बोले, ''मैं अभी तक उस राग से परिचित नहीं हूँ, अगली बार यहां संगीत कार्यक्रम में आने से पहले इसे अपने गुरु से सीख कर आऊंगा'', उन्होंने पूरी गंभीरता से कहा। उनके परिहास का एक और उदाहरण: एक संगीत कार्यक्रम के बीच में वो बोले, इंटरवेल, पैंतालीस मिनट की घोषणा की। जब दर्शकों ने सामूहिक उच्छ्वास भरी तो तुरंत बोले : और चाय का इंटरवेल, पाँच मिनट।)

ऐसे विनम्र संगीतकार चौरसिया ने दक्षिण भारतीय मूल के कुछ रागों, चारुकेशी और हंसध्वनी सहित रागों को अपनी बांसुरी में पिरोकर कई शानदार प्रस्तुतियां दी हैं। प्रातः काल के रागों पर उन्हें महारत हासिल है। आखिरकार उन्होंने अनगिनत बार फिल्मों में एक नई सुबह की शुरुआत करने के लिए उनका प्रयोग भी तो किया है; बस हम ही नहीं जानते थे कि पहाड़ों और झरनों के बीच उन खूबसूरत दृश्यों का अवतरण अक्सर ऐसे प्रतिष्ठित संगीतकार द्वारा किया जाता था।

हरिप्रसाद चौरसिया ने अपने साथी संगीतकारों की सदैव प्रशंसा की और उनका सम्मान किया है, चाहे वे उनके कनिष्ठ, समकक्ष हों या वरिष्ठ। और वह समर्पित भाव के साथ अपने वृंदावन गुरुकुल के माध्यम से उनका सम्मान करते रहते हैं, उनके मुंबई स्थित निवास पर आये दिन आयोजित निजी कार्यक्रमों में, हिंदुस्तानी संगीत के वास्तविक प्रेमी इसका आनंद उठाते हैं। उन्होंने इसकी भुवनेश्वर शाखा की स्थापना की है, ओडिशा को 'धन्यवाद' कहने का उनका अपना अंदाज़ है, वो राज्य जिसने आकाशवाणी कटक और झतघ के माध्यम से संगीत की दुनिया में उन्हें महत्वपूर्ण ब्रेक दिया। उनकी संगीत यात्रा शायद अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है - एक शांत, गंभीर और गहन मोड़।

लेखक श्रुति पत्रिका के पूर्व संपादक हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Wordsworld

Present 'purr'fect

Sandhya Rao

Life lessons from the comfort of friendship between a man and his cat.

There are a few people in my life with whom no conversation is complete without a discussion about books: What are you reading now? Have you read this one? How did you like that other one? So, when I opened a surprise package the other day, my response to its contents was entirely in the spirit of this relationship.

Normally, I allow packages to rest for a couple of days before ripping them open; this time that rule was ignored, don't-know-why. Inside, to my utter, utter delight, were four books: *New Kings of the World: Dispatches from Bollywood, Dizi, and K-Pop* by Fatima Bhutto; *Holy Cow! An Indian Adventure* by Sarah MacDonald; *Patriots & Partisans* by Ramachandra Guha; and *Island of a Thousand Mirrors* by Nayomi Munaweera. The blurbs made it clear that each book was unique in style and theme: 'a vast cultural movement… emerging from outside the Western world… about the new arbiters of mass culture — India's Bollywood films, Turkey's soap operas, or *dizi*, and South Korea's pop music'; 'Kathy Lette* meets Tom Robbins** on a slow train to Varanasi with Bill Bryson*** supplying the onion bhajis… very very funny'; a collection of essays defending 'the liberal centre against the dogmas of left and right…with style, depth and polemical verve; and a 'sweeping yet intimate saga' set in a time of a terrible, divisive civil war. Such a sweep of voices, from Pakistan, Australia, India and Sri Lanka! I couldn't have asked for a better delivery.

However, you're still in for a treat: *The Travelling Cat Chronicles* by Hiro Arikawa; but first, the back story. My sister will soon celebrate a milestone birthday and her family and friends have been confabulating over what we can do to make it special given that she lives in faraway London and we are hostage to a pandemic. She has two pets, Socks and Diego, who are Norwegian Forest cats, and animal lovers will tell you their pets are human, more than human. So, any celebratory activity would have to have something 'cat'chy. Since she also loves to read, the first item on the list was reading material. Google threw up several suggestions, among them Hiro Arikawa. The book arrived (at my address, to be sent on later) and I was so captivated by the delicate, Japanese-chic cover, I began reading it instantly.

I was actually going to talk about something else in this column (with an interesting back story as well), but Hiro's storytelling bowled me over. Reviewer Lynn Truss says on the back cover, 'Anyone who has ever unashamedly loved an animal will read this book with gratitude, for its understanding of an emotion that ennobles us as human beings, whether we value it or not.' Writer Fiona Melrose says, 'The uniqueness of this book is its subtle yet persistent charm that insinuates itself into your heart.' 'Bewitching and

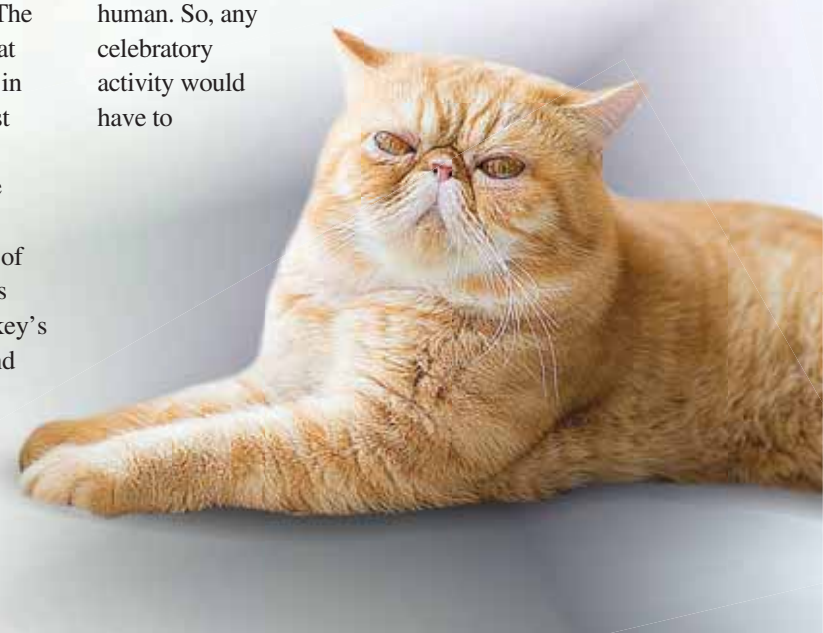

comforting' says the *Sunday Telegraph*.

The Travelling Cat Chronicles is all this and more. Translated from the Japanese by Philip Gabriel (and I have no way of knowing how true it is to the Japanese), the story reads the way we generally perceive Japanese art, and anything Japanese, really: simple, spare, aesthetic, functional, sophisticated to the point of Zen… The bare bones of the storyline go something like this: Satoru is orphaned as a boy and he goes to live with his aunt. He is sad but finds refuge in a deep love for cats and the love he receives in return from them. When he is older, he rescues a cat whom he adopts and names Nana, apparently Japanese for the number seven because the cat's tail is shaped like a '7'. Then, one day, Satoru and Nana set off in a silver van to visit various of Satoru's friends from childhood and youth, ostensibly to find Nana a new home because Satoru can no longer keep Nana. We don't know why. In the process we travel back and forth between the past and the present as the journey takes the two through different seasons in different regions of Japan meeting the different kinds of people Satoru's childhood friends have grown up to become. Each journey and each encounter bring something new into the lives of Nana and Satoru. Through all this, Nana's voice reaches us with its observations and comments on humans and life and the experience of being a cat. The interplay of human voice and cat voice reaches to the readers a rich sense of life and learning with gentle and affirming affection.

It is a feel-good book with the sensibility of life's immense possibilities. As you read, you sigh with agreement, you are moved to tears, you laugh out loud. You see what Nana means when he arches his back or his fur stands on end, you understand what he communicates when he rubs himself against your leg, you unravel the whole dynamic between cats and dogs and how some people are dog people and some are cat people. In other words, you learn a great

deal about being a cat, or a dog, and, most definitely, about being a human being.

For instance, there's a passage about them coming across horses in a field, so they stop to look at them. Satoru says: *'Look, they're watching us, Nana'*. And Nana says: *Not just watching but carefully checking us out. They wanted to see if we were a danger to them. If we had been close enough for them to realize we were just a human and a cat, they would have been relieved. Given their size, I didn't think they needed to worry. But animals have an instinct. Whatever their size, horses are grass eaters, and grass eaters have a long history of being hunted by meat eaters. This makes them timid and skittish. On the other hand, we cats may be small, but we're hunters. And hunters are fighters. We're on our guard, too, with creatures we don't know, but when it comes to a fight, we're more than willing to face up to animals much bigger than us. That's why when dogs meddle with cats for fun, they end up whimpering, their tails between their legs. A dog ten times our size? Bring it on!*

There's mystery too because we don't know why Satoru wants to give Nana away. Every time Satoru tries to give Nana away, something happens and he doesn't, much to the relief of both. This melody plays right through the book, through all the events described and scenarios painted. That's the word. The book, at one level, is like a delicate watercolour painting depicting the reality of the landscape that's being traversed but exuding a magical aura at every turn. By the time you reach the end of the novel, you are filled with a sense of peace in an ever-expanding space.

As a bookseller from Waterstones, a well-known chain of book stores, says: 'This is the book I am giving everyone.'

The columnist is a children's writer and senior journalist.

*According to Goodreads, Kathy Letter divides her time being a fulltime writer, demented mother and trying to find a shopping trolley that doesn't have a clubbed wheel. **Tom Robbins' novels are complex, often wild stories with strong social undercurrents, a satirical bent, and obscure details. ***According to Wikipedia, Bill Bryson writes on travel, the English language, science and other nonfiction books.

Rotary

SERVE TO CHANGE LIVES

Mahabs 21

FEEL THE HERITAGE

ROTARY INSTITUTE 2021

Zone 4,5,6 & 7 | 10-12 Dec 2021 | Mahabalipuram | Tamil Nadu

LAST DATE FOR REGISTRATION

15th NOVEMBER

REGISTRATION OPEN FOR NON RI OFFICERS
FOR TRF DINNER & SEMINAR

REGISTER NOW

www.riinstitutemahabs21.org

PDG MURUGANANDAM M (MMM)
Chairman | +91 - 93825 50001

PDG SURENDRA BOMMIREDDY
Co-Chair | +91 - 98481 05690

PDG KANNAN RVN
Chair-Registration | +91 - 73737 66666

PDG MADHAV CHANDRAN R
Secretary | +91 - 98460 31667

PDG PINKY PATEL
Chair-Promotion | +91 - 9376210325

www.riinstitutemahabs21.org | registrations@riinstitutemahabs21.org

Mahabs 21

FEEL THE HERITAGE

Explore the Heritage sites & Ancient Temples

Plan & make your visit a memorable one

SPECIAL DAY TRIP FOR SPOUSES

Mahabalipuram

Local Site Seeing
10:00 am to 1:00 pm
Saturday: 11.12.21

Puducherry

Aurobindo Ashram
Beach, Auroville
10:00 am to 5:00 pm
Saturday: 11.12.21

Kanchipuram

Kamakshi Amman Temple
Kanchipuram Silk House
10:00 am to 5:00 pm
Saturday: 11.12.21

POST INSTITUTE TRIP TO TIRUPATHI

Start Date & Time	Return Date & Time
13.12.2021 (Monday) 5:00 am from Mahabalipuram	13.12.2021 (Monday) 9:00 pm to Chennai

CHAIR MMMs OFFICE

PRIMARY SUPPORT

Rtn Sareesh Agarwal: +91 - 90255 05051

SECONDARY SUPPORT

Rtn Pavithra: +91 - 91599 90345

Rtn Afroze : +91 - 75029 77555

महाबलीपुरम में रिचार्ज और रिबूट

किरण ज़ेहरा

लाल मिर्च और नमक के साथ लेपित कच्चे आम के स्वादिष्ट फांकों का स्वाद लें, क्योंकि आपकी आंखें 2021 ज़ोन संस्थान के स्थल महाबलीपुरम में विशाल पत्थर के खभों (मोनोलिथ) और स्मारकों की ओर दावत देती हैं। चेन्नई से 60 किमी दूर, बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित समुद्र तट शहर अपने रॉक-कट मोनोलिथ, स्मारकों, मिथकों, संस्कृति, एक प्राचीन समुद्र तट, ताजा समुद्री भोजन और उपद्रवी बंदरों के लिए जाना जाता है। जब तक आप डर के मारे उन पर अपना नाश्ता नहीं फेंक देते, तब तक कितनी भी चेतावनियाँ या इशारे उन्हें डरा नहीं सकते!

विदेशी और घरेलू पर्यटकों से गुलजार, यह सुंदर समुद्र तटीय शहर कॉटेज की दुकानों से भरा हुआ है, जो कई विरासत कलाकृतियों और यादगार वस्तुओं को बेचते हैं। कृष्ण की बटर बॉल नामक 250 टन के बोल्डर को ढलान से नीचे धकेलने वाले युवाओं के एक उत्साहित समूह को पहली बार कोई यात्री देखकर आश्चर्यचकित हो जाता है। किंवदंती है कि भगवान कृष्ण ने मक्खन का एक विशाल बूँद गिराया, जो एक विशाल पत्थर में बदल गया। 20 फुट ऊंची, 16.5 फुट चौड़ी चट्टान लगभग 1,200 वर्षों से गुरुत्वाकर्षण-विरोधी स्थिति में है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह प्रतिष्ठित चट्टान एक छोटे से आधार पर अपना संतुलन कैसे बनाए रखती है। ऐसा कहा जाता है कि 2004 की सुनामी ने कई स्मारकों और चट्टानों को उजागर किया है जो सदियों से समुद्र के नीचे छिपे हुए थे!

महाबलीपुरम यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है क्योंकि 7-8 वीं शताब्दी के दौरान पल्लवों द्वारा रॉक मूर्तियां, मंदिर और स्मारक बनाए गए थे। गुफा मंदिरों के माध्यम से चलने से आप अर्जुन की तपस्या नामक एक शानदार 100 फीट लंबे मोनोलिथ तक पहुंच जाएंगे। यहां आप अपनी आंखों से जो देखते हैं, उसके साथ कोई भी अच्छी तस्वीर न्याय नहीं कर सकती। शिलाओं की नक्काशियों पर कैनवास में देवता और मनुष्य,

कृष्ण की मक्खन गेंद

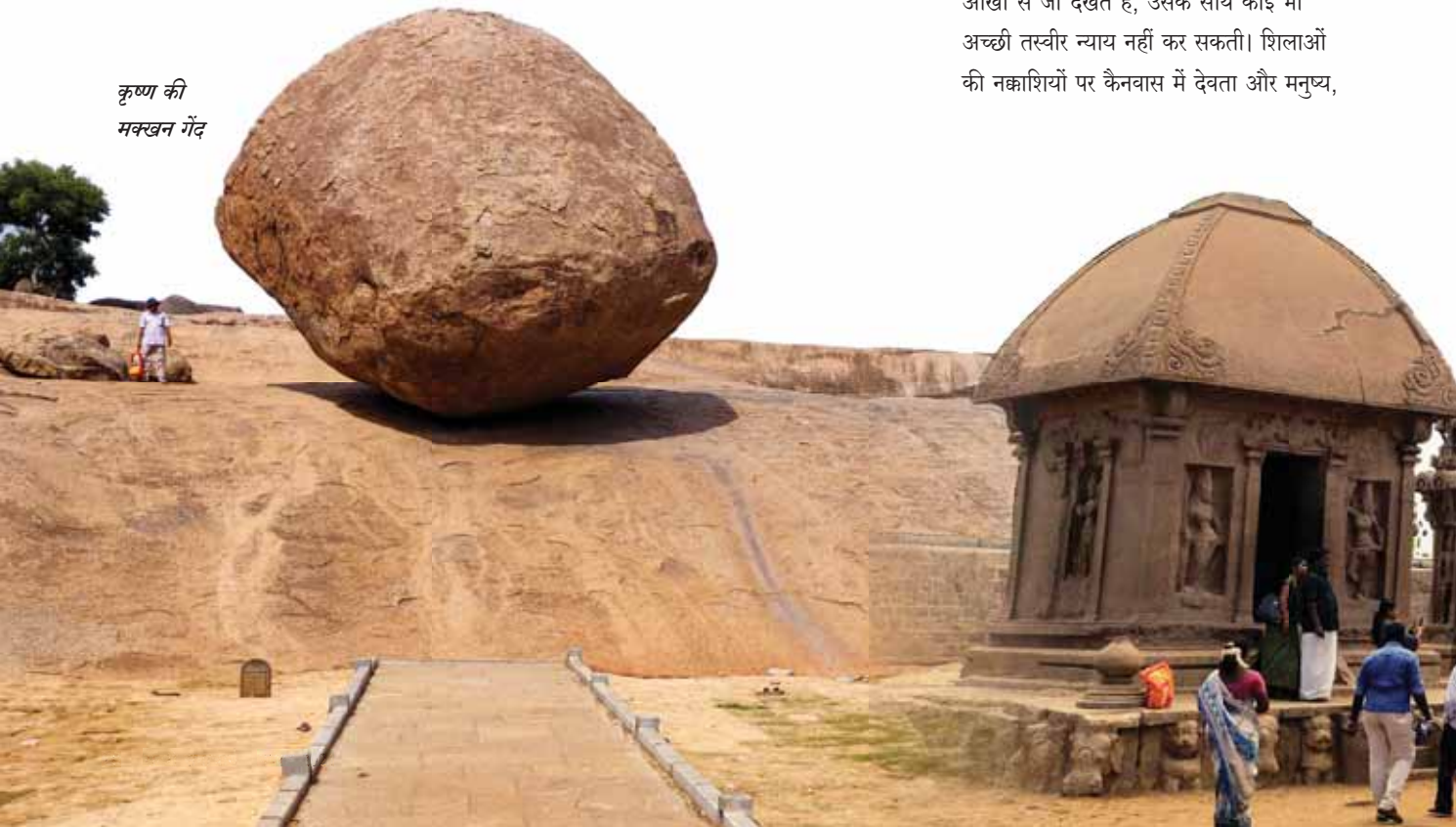

अंतिम शेष तट मंदिर।

सांप और हाथी, तथा वास्तविक और आकाशीय दोनों दुनिया को दर्शाती पौराणिक मूर्तियाँ शामिल हैं। जहाँ आप नक्काशी की सुंदरता को आत्मसात कर रहे होते हैं, वहीं पल्लव वास्तुकला का ओपन-एयर संग्रहालय आपके लिए पंच रथ खोल देता है। संरचनाएं आपको यह सोचने पर मजबूर कर देंगी कि कैसे, उस उम्र और समय में जब तकनीक का कोई अस्तित्व नहीं था, कैसे उन्होंने इतनी उत्कृष्ट वास्तुकला का निर्माण किया।

पानी के किनारे पर स्थित समुद्र-तट मंदिर, कृष्णा बटर बॉल से 10 मिनट की पैदल दूरी पर है। पांच मंजिला चट्टान-कट मंदिर राजा नरसिम्हा वर्मा द्वितीय के शासनकाल के दौरान बनाया गया था और यह दक्षिणी भारत में सबसे पुरानी पत्थर से निर्मित संरचनाओं में से एक है। तीन अलग-अलग मंदिरों का यह परिसर पूरी तरह से प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले ग्रेनाइट चट्टान पर खड़ा है और शिव और विष्णु दोनों को समर्पित है। कहा जाता है कि बंगाल की खाड़ी के सामने यह मंदिर सात-मंदिर परिसर का हिस्सा है, जिनमें से छह समुद्र के नीचे चले गए थे। यहां आपका टूर गाइड आपको सूचित करेगा कि मार्को पोलो ने अपनी यात्रा पुस्तक में इस मंदिर का उल्लेख सात पगोड़े के हिस्से के रूप में किया है।

प्रकाशस्तंभ, प्राकृतिक पत्थर से बना गोल चिनाई वाला एक टॉवर भी देखने के लिए एक दिलचस्प जगह है और इसके ऊपर से बंगाल की खाड़ी का दृश्य बड़ा मनमोहक होता है। चहल-पहल भरे बाज़ार से होकर वापस लौटना रोमांचक और खतरनाक दोनों है। नारीकुरुवास (जिप्सी परिवार) समूहों में एक साथ आपको हाथ से बने मोतियों और गोले से बने अन्य सामान

पंच रथ, एक अखंड पल्लव वास्तुकला

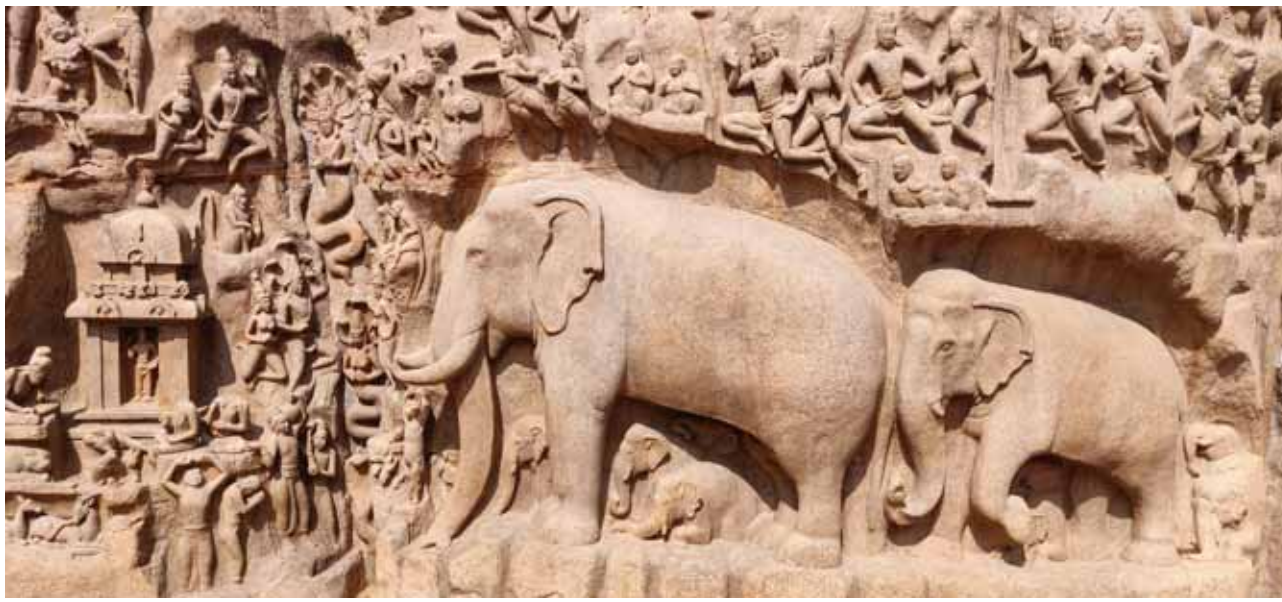

अर्जुन की तपस्या, एशिया में सबसे बड़ी रॉक नक्काशी।

एक निरिकुरव लड़की।

खरीदने के लिए परेशान करते हैं। रास्ते में दुकानें आपको विभिन्न एवं आकर्षक, प्राचीन आभूषण, पत्थर की मूर्तियों और ग्रेनाइट से उकेरी गई स्मृति चिन्हों के साथ लुभाएंगी। बुद्ध और हाथी तेजी से बिकने वाले सामान हैं। यदि आप वास्तु कछुआ की तलाश में हैं तो आप इस पर विचार कर सकते हैं, इसकी कीमत ₹150 है। शोरूम की कीमत ₹700 है। राजेंद्रन, एक मूर्तिकार, एक टुकड़े को आराम करने के लिए बगल में रखते हुए कहता है, जिसपर वह परिश्रमपूर्वक नक्काशी कर रहा था। स्मारकों के आसपास शॉपिंग एम्पोरियम हास्यास्पद रूप से महंगे हैं। छोटी दुकानों और फेरीवालों से खरीदना सबसे अच्छा है, जो सौदेबाजी के लिए खुले हैं। जैसे ही वह हाथियों की चार छोटी मूर्तियों के मेरे आदेश को लपेटता है, मैं उससे पूछता हूँ कि उसने मूर्तिकला कहाँ से सीखी।

मामल्लापुरम में मूर्तिकला (जैसा कि स्थानीय लोग इसे कहते हैं) एक पारिवारिक व्यवसाय है। मेरे पिता नक्काशी करते थे और मेरे दादा भी करते थे। मेरा 12 साल का बेटा आसानी से शिवलिंग बना सकता है, वे कहते हैं। तो क्या वह चाहते हैं कि उनका बेटा भी मूर्तिकार बने? नहीं, ''वह स्कूल जाता है और मैं चाहता हूं कि वह डॉक्टर बने, वह जवाब देते हैं।''

महाबलीपुरम में समुद्र-तट रिसॉर्ट्स में रिचार्ज और रिबूट। कैसुरीना ग्रोव्स के बीच बसे कुछ रिसॉर्ट्स एक पूर्ण वेलनेस रिट्रीट हैं।

अपने रिसॉर्ट में अनुरोध पर स्पा उपचार, योग, ध्यान और समग्र सत्र सहित उपचारों की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल हों, या बस कुछ विदेशी शराब की चुस्की लेते हुए समुद्र तट पर बैठें। आप 'महाब' जैसा कि इसे प्यार से कहा जाता है, में जो कुछ भी करते हैं, आप यहां तरोताजा और जवान महसूस करते हैं।

चित्र: किरण ज़ेहरा

Rotary at a glance

Rotary clubs	:	36,922
Rotaract clubs	:	10,609
Interact clubs	:	16,673
RCCs	:	11,875
Rotary members	:	1,196,404
Rotaract members	:	227,177
Interact members	:	383,479

As on October 18, 2021

Membership Summary

As on October 1, 2021

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians (%)	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	131	6145	7.70	40	52	234
2982	76	3551	7.24	46	98	71
3000	135	5350	9.21	89	259	213
3011	124	4620	27.12	70	117	36
3012	131	4122	27.05	64	76	61
3020	77	4676	7.31	29	166	350
3030	96	5073	15.04	116	237	362
3040	102	2639	14.70	48	81	196
3053	67	2747	16.67	31	48	118
3054	183	7411	20.36	102	175	563
3060	111	5155	15.00	62	70	147
3070	123	3289	15.66	38	23	59
3080	97	4113	13.20	128	157	115
3090	89	2279	4.26	37	46	123
3100	104	2351	11.27	10	19	146
3110	134	3678	11.01	14	17	106
3120	90	3616	16.48	60	31	55
3131	139	5477	23.79	105	227	131
3132	90	3604	10.90	31	122	165
3141	117	6360	27.01	134	177	102
3142	103	3681	20.57	78	137	80
3150	113	4138	13.07	75	135	118
3160	76	2461	6.79	14	20	82
3170	137	6092	14.43	82	238	171
3181	86	3418	8.86	33	194	115
3182	84	3401	9.73	42	124	104
3190	158	6768	18.44	153	201	70
3201	152	5924	9.20	98	87	61
3203	91	4701	8.10	72	233	36
3204	61	1971	6.09	17	22	13
3211	145	4778	7.81	7	24	133
3212	143	5246	12.68	74	204	153
3231	97	3671	8.12	28	81	419
3232	152	7493	17.00	112	212	99
3240	101	3541	15.90	59	405	216
3250	106	3955	19.97	63	73	185
3261	90	3169	18.52	14	23	44
3262	122	4092	14.37	65	48	86
3291	167	4130	23.22	133	95	647
India Total	**4,400**	**168,886**		**2,473**	**4,754**	**6,185**
3220	76	2364	16.41	86	131	75
3271	129	2110	16.92	91	134	24
3272	161	1963	17.17	64	21	47
3281	303	8128	18.95	263	147	208
3282	175	3995	11.86	196	47	47
3292	153	6039	17.25	167	127	127
S Asia Total	**5,397**	**193,485**		**3,340**	**5,361**	**6,713**

Source: RI South Asia Office

अपने भीतर के पथिक को खोजें - वेगस तंत्रिका

भरत और शालन सवुर

क्या आपने यह कहावत सुनी है? 'कुछ खो जाने के लिए भटकते हैं और कुछ खुद को पाने के लिए।' यह एक सुंदर रूप से उपयुक्त अवलोकन है क्योंकि हमारा आंतरिक पथिक हमारे साथ लुका-छिपी खेलता है, अगर हम अपने तनावपूर्ण रिश्तों, नकारात्मक विचारों, अप्रिय मुठभेड़ों और वह भोजन जिसे हमारा पाचन तंत्र प्रक्रिया नहीं कर सकता की वजह से हमारी कल्याण की कविता-लय को परेशान करते हैं।

भावनात्मक वेगस तंत्रिका वह आंतरिक पथिक है जो इस तरह के मामलों पर काफ़ी गर्म और परेशान हो जाता है। इसका नाम वेगस लैटिन से मिलता है, और इसका अर्थ है घूमना, भ्रमण करना या टहलना। यह मस्तिष्क में शुरू होता है और फिर रास्ते में विभिन्न अंगों से जुड़ते हुए दक्षिण की ओर हमारी आंत तक जाता है। यह नसों की मिसिसिपी है - राजसी, लंबी, बड़ी और किसी भी नदी की तुलना में अधिक जटिल, जिसमें फिलामेंट जैसी सहायक नदियों की अधिकता है।

और अगर हमारी योगस तंत्रिका संबंधी गतिविधि कमजोर है, तो हम विचलित, चिंतित, उदास हो सकते हैं, सिरदर्द, गर्दन में दर्द से पीड़ित हो सकते हैं यह गठिया, सूजन, मिर्गी के लक्षणों को भी खराब कर सकता है। चूंकि यह हमारे दिल की धड़कन को नियंत्रित करने में भी भूमिका निभाता है, इसलिए यह टैचिकार्डिया भी पैदा कर सकता है - जहां दिल तेजी से और अनियमित रूप से धड़कना शुरू कर देता है।

इसलिए, कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कि जब आप अपने वेगस तंत्रिका की देखभाल करते हैं, तो आप अपने शरीर-मन के स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। यदि आप इसकी भलाई में रुचि लेते हैं, तो आप पाएंगे कि आपका स्वास्थ्य, आपके स्वभाव में विभिन्न सूक्ष्म तरीकों से सुधार हो रहा है। आप अपनी प्रतिक्रियाओं में अचानक आवेग से कम और अधिक आराम से ज़्यादा पेश आयेंगे, उन लोगों और परिस्थितियों के साथ अधिक सहज होंगे जो आपको पहले परेशान करते थे, जहां आप कठोर थे, वहां अधिक लचीले होंगे।

गर्दन की एक अच्छी मालिश। बात यह है कि अपने समग्र अस्तित्व को सरल एवं आसान तरीकों से संभालना है। जब आप अपनी गर्दन की मालिश करते हैं, तो आपको अच्छा महसूस होता है क्योंकि वेगस तंत्रिका को अच्छा लगता है। निश्चित रूप से, मालिश क्षेत्र में रक्त परिसंचरण में सुधार करती है, गर्दन और कंधों में तनावग्रस्त मांसपेशियों को आराम देती है, लेकिन यह प्रतिक्रियाशील वेगस तंत्रिका है जो आपके सिर के पीछे के माध्यम से मधुर और उपचारकारक झुनझुनी भेजती है।

एक सेल्फी गर्दन और कंधे की मालिश बहुत आराम देती है। हम इसकी सलाह देते हैं! तनावपूर्ण क्षणों में, इन क्षेत्रों की मालिश करते रहें, आप बेहतर, संतुलित और चीजों को प्रबंधित करने में अधिक सक्षम महसूस करेंगे। यह यहीं समाप्त नहीं होता है क्योंकि प्रेरणा की वह चमक, एक विचार की वह प्रतिभा तभी आती है जब आप पूरी तरह से तनावमुक्त हो जाते हैं। इसके लिए वेगस तंत्रिका को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले और अधिक शोध किए जाने की आवश्यकता है। ऐसा कहने के बाद, शोधकर्ता यह प्रस्तुत करते हैं कि ,वेगस' आराम और पाचन के बारे में है।'

ऐसा कहा जाता है कि 494 BC पूर्व में, रोम को आम लोगों और शासक अभिजात वर्ग के बीच गृहयुद्ध के कगार पर लाया गया था। आम नाराजगी यह थी कि अभिजात वर्ग ने कुछ नहीं किया। जब कौंसल ने नागरिकों को एक शिक्षण कथा सुनाई तो शांति बहाल हुई। यह ऐसा है: एक समय आया जब शरीर के सदस्य सामूहिक रूप से पेट से नाराज हो गए। वह वहीं बैठ गया, कुछ न किया, और औरों ने उसके पास भोजन लाने के लिथे परिश्रम किया, और पेट ने अपने लिथे भोजन मोल लेने का काम न किया। तो, शरीर के अन्य सदस्यों ने फैसला किया कि वे अब पेट में भोजन नहीं लाएंगे। हाथ इसे मुंह तक नहीं उठाते, दांत इसे चबाते नहीं, गला इसे निगलता नहीं और यह उस आलसी पेट को सबक सिखाएगा।

पूरा शरीर कमजोर होने लगा और सदस्यों ने जान लिया कि शरीर की ऊर्जा और स्वास्थ्य के लिए भोजन को पचाना और उसका उपयोग करना उतना

ही महत्वपूर्ण है जितना कि उसे प्राप्त करना। शासकों का समाज में स्थान था जैसा कि शरीर में पेट का था। एक खतरनाक स्थिति टल गई थी।

वेगस के पाचन संदेश। इस संदर्भ में, वेगस तंत्रिका निश्चित रूप से हमारे अंदर एक मिनी-वार पैदा कर सकती है, यदि हम अपने पेट को ऐसा भोजन दें जिसे वह पचा ना सके। यह तंत्रिका मस्तिष्क से आंत तक चलती है और इसके संदेश दोतरफा संचरित होते हैं। इसलिए हमेशा शांत, अनुकूल परिस्थितियों में भोजन करें। भोजन करते समय सुखदायक वाद्य संगीत चालू करें। पेट की कोशिकाएं और पाचन तंत्र शाब्दिक रूप से नहीं सुन सकते हैं, लेकिन कान संगीत को अंदर ले जाते हैं, इसे मस्तिष्क में भेजते हैं और वेगस इसे पेट और वापस मस्तिष्क तक ले जाती है। साथ ही ऐसा भोजन करें जिसे आपका सिस्टम आसानी से पचा सके। छोटे या मध्यम आकार के निवालों को ग्रहण करें।

पोषण विशेषज्ञ कहते हैं कि वेगस नर्व को सकारात्मक तरीके से उत्तेजित करने वाले खाद्य पदार्थ जैसे अलसी के बीज, ओमेगा -3 वाली मछली, चाय में पॉलीफेनोल्स, दूध और दही हैं। उन खाद्य पदार्थों से बचें, जो आपको किसी भी प्रकार की प्रतिकूल प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे कि सूजन, त्वचा पर दाने, सिर में स्पंदन, अपच, चक्कर आना या मतली।

मिलने को मधुर रखना सुनिश्चित करें। हममें से कितने लोग इंसान को इंसान से जोड़ते हैं? यह हमारे स्वास्थ्य की कुंजी है। और वेगस तंत्रिका जोर देती है: जब भी हम सामूहीकरण करते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए कि यह एक सुखद मुलाकात हो। 'मित्र जय के अनुसार, एक लंबी तीर्थ यात्रा पर, हाल ही में कहा, जीवन का

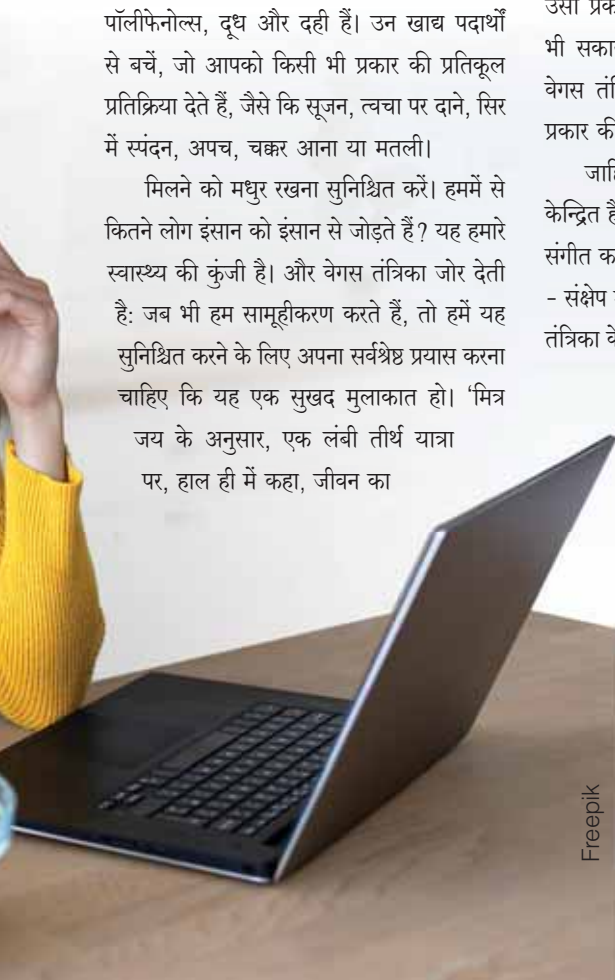

Freepik

एक सेल्फी गर्दन और कंधे की मालिश बहुत आराम देती है। तनावपूर्ण क्षणों में, इन क्षेत्रों की मालिश करते रहें, आप बेहतर, संतुलित और चीजों को प्रबंधित करने में अधिक सक्षम महसूस करेंगे।

सबसे मधुर क्षण मुस्कुराते हुए एक विनम्र नमस्ते कहने से नहीं आता है, बल्कि इस भावना से आता है कि कोई वास्तव में अपने दिल से आपके लिए सबसे अच्छा चाहता है।

हर बैठक को आज एक सद्भावना बैठक बनाएं ताकि यह कल के लिए सुखद स्मृति बन जाये। इस बीच, 'केन कीज़ जूनियर' के अनुसार, जब आप अपराध करते हैं, तो आप दुनिया में दुखों को जोड़ते हैं, उसी प्रकार जब आप अपराध को सहते हैं।' कुछ भी सकारात्मक, प्रेमपूर्ण, आनंददायक, मनभावन, वेगस तंत्रिका को आराम देता है। यह किसी भी प्रकार की शत्रुता नहीं सह सकता।

जाहिर है, वेगस तंत्रिका हमारी भलाई के लिए केन्द्रित है - प्यार करने, संबंध बनाने, सीखने, सुंदर संगीत का आनंद लेने, प्रेरित होने की हमारी क्षमता - संक्षेप में, मानव होने के सभी उच्च कार्य इस महान तंत्रिका के माध्यम से होते हैं। यही कारण है कि जब हम सोचते हैं और प्यार से, स्वेच्छा से, पूरे दिल से कुछ भी करते हैं, जब हम कुछ नया सीखने पर 'वाह! का अनुभव करते हैं, जब हम बीथोवेन ट्रैक या लुभावने सूर्योदय पर परमानंद महसूस करते हैं, या कविता के एक सुंदर टुकड़े से प्रेरित होते हैं, एक लत्ता-से-धन की कहानी ... यह हमारी 'वाह' तंत्रिका है!

इसके अलावा, जब हम सुरक्षित महसूस करते हैं, सम-दिमाग वाले होते हैं, जब हम हंसते हैं, प्यार करते हैं, जब हमारा मन स्वीकृति और आनंद में उज्ज्वल हो जाता है, तो यह भी आनंदित हो जाता है और हमारे उपचार और रचनात्मक प्रक्रियाओं को सूक्ष्म रूप से प्रोत्साहित करता है। इसके बिना, हम एक दूसरे के साथ जुड़ने में असमर्थ होंगे। लेकिन बेहतर तरीके से काम करने के लिए हमें सुरक्षित, प्यार करनेवाला और सकारात्मक महसूस करने की जरूरत है।

वेगस तंत्रिका के लिए व्यायाम। इसे उत्तेजित करने वाले कुछ सरल व्यायाम हैं: धड़ मोड़ना, पेट में ऐंठन, उदर क्षेत्र की गोलाई में मालिश करना - प्रत्येक तरफ़ 30 बार। एक और प्यारी गतिविधि है: अपनी हथेलियों को एक साथ मजबूती से दबाएं - अपनी कोहनी को कंधे के स्तर पर - जब तक कि आप उन्हें बल से कंपन महसूस न करें। साथ ही, अपनी सांस रोक कर रखें। जब आप इसे और अधिक नहीं पकड़ सकते, तो हथेलियों को दबाना बंद कर दें और हवा के लिए ऊपर आने वाले गोताखोर की तरह विस्फोटक रूप से सांस लें। यह आश्चर्यजनक है।

चूंकि वेगस तंत्रिका गले से होकर गुजरती है, इसलिए इसे नामजपना, गुंजन, गायन, गरारे - सभी या कोई भी के एक अच्छे सत्र के साथ क्रियान्वित करें। अपने चेहरे पर ठंडे पानी के छींटे मारें। शॉवर के नीचे खड़े हो जाएं और इसे अपनी गर्दन को ठंडे पानी से स्प्रे करने दें। जब भी आप गर्म और परेशान महसूस करें, तो एयर-कंडीशनर या खुले रेफ्रिजरेटर की ओर मुंह करके खड़े हो जाएं। सिर और गर्दन पर आइस पैक भी बेहतरीन तंत्रिका टोनर होते हैं। वेगस ठंड से प्यार करता है और इसके प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया करता है।

अंत में, कृपया तनाव कम करें, अधिक सांस लें। तीर्थयात्री जय की ओर से एक और रत्न: 'बॉस, बस खुश रहने का समय आ गया है। क्रोधित होना, उदास होना और अधिक सोचना अब बिलकुल भी कीमती नहीं हैं। बस जीवन को बहने दो।' बिलकुल।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

कोरिया में अध्यक्षीय सम्मेलन

टीम रोटरी न्यूज़

कोरिया के ग्योंगजू हवाई अड्डे पर रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता (बाएं से तीसरे) और राशि का ध्यक्षीय सम्मेलन के लिए स्वागत।

इस रोटरी वर्ष के लिए पहला अध्यक्षीय सम्मेलन कोरिया के नॉर्थ ग्योंगसांग प्रांत के ग्योंगजू में आयोजित किया गया। रोटरी के दो ध्यानाकर्षण क्षेत्रों-रोग की रोकथाम और उपचार एवं पर्यावरण देखभाल - पर चर्चा की गई। रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता मुख्य अतिथि थे और उन्होंने पोलियो फंड के लिए जीते गए 100 मिलियन वॉन (84,000 डॉलर) के योगदान हेतु लोकप्रिय दक्षिण कोरियाई बॉय-बैंड BTS के एक सदस्य पार्क जी-मिन को सम्मानित किया।

अध्यक्ष मेहता ने कोरियाई रोटेरियनों से रोटरी की सदस्यता को मजबूत करने और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए अपनी सेवा पहल पर ध्यान केंद्रित करने हेतु हर एक लाए एक (EOBO) पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

सम्मेलन के अन्य उल्लेखनीय वक्ताओं में पूर्व पर्यावरण मंत्री किम म्युंग-जा, एहवा महिला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चो जे-चुन, कोरिया पर्यावरण निगम के पूर्व अध्यक्ष चुन ब्युन्ग-सियोंग, कोरिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चोई जे-वूक और सेवरेंस अस्पताल के रोग नियंत्रण विभाग के अध्यक्ष डॉ जॉन एल्डरमैन लिंटन शामिल थे।

पूरे कोरिया से 60,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसे धीर्र्लिश पर लाइव स्ट्रीम किया गया था। अध्यक्ष मेहता ने बाद में ग्योंगजू में जोन 11 और 12 के जोन इंस्टीट्यूट में भाग लिया।■

मच्छरों को रोकने के लिए फॉगिंग मशीन

रोई मंडल 3090 के तहत, रोटरी क्लब बाघा पुराण ने मच्छर नियंत्रण के लिए एक वैन में एक हैंडी फॉगिंग मशीन लगाई है और इसका उद्घाटन डीजी परवीन जिंदल ने किया। वेक्टर बीमारी के खिलाफ अपने अभियान के हिस्से के रूप में क्लब द्वारा एक नारा, 'कोई मच्छर नहीं, कोई डेंगू नहीं' गढ़ा गया था।

वैन के साथ-साथ फॉगिंग मशीन की कीमत ₹1.3 लाख है। डीजी जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि मच्छर नियंत्रण परियोजना काफी मायने रखेगी क्योंकि हर दिन डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे थे। इस परियोजना को स्थानीय लोगों ने भी सराहा, इस प्रकार इस इलाके में क्लब की सार्वजनिक छवि को बढ़ाया। क्लब अध्यक्ष सुखराज सिंह और सचिव जसवंत सिंह को प्रोजेक्ट को लागू करने में रोटेरियन मुनीष गर्ग, केवल कृष्ण गर्ग, राकेश कटारिया और राजेश बब्बर ने समर्थन दिया।■

Now you can scan this QR code to pay your magazine subscription

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

BHARATQR

Scan here to pay

All Bharat QR / BHIM UPI Apps accepted.

Pay with PAYZAPP

BHIM

G Pay

Paytm UPI

PhonePe

MobiKwik

& more

ROTARY NEWS TRUST
TID NO. 62244014

HDFC BANK

mastercard

BHIM RuPay

VISA

Please share the acknowledgement with us immediately after transferring your subscription dues.

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब पॉन्डिचेरी व्हाइट टाउन - रो ई मंडल 2981

क्लब ने गंभीर अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित एक छोटे बच्चे के माता-पिता को ₹ 35,000 का दान दिया। इस राशि का उपयोग उसके स्टेम सेल प्रत्यारोपण हेतु किया गया।

रोटरी क्लब होसुर - रो ई मंडल 2982

कोविड रोगियों को सेवा प्रदान करने वाली लगभग 300 नर्सों को सम्मानित किया गया। क्लब ने मथिगिरी पुलिस स्टेशन के उपयोग के लिए 21 सीसीटीवी कैमरों (₹ 1.25 लाख) को प्रायोजित किया।

रोटरी क्लब चिन्नामनूर - रो ई मंडल 3000

क्लब के सदस्यों द्वारा एक अनाथालय को कपड़े और मिठाइयां दान किए गए।

रोटरी क्लब दिल्ली सफ़दरगंज - रो ई मंडल 3011

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ और ग्रेटर कैलाश के रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से वन महोत्सव मनाया गया। क्लब ने देशी पेड़ों की 550 प्रजातियां रोंपी है।

रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन - रो ई मंडल 3012

क्लब ने ब्रेक पार्ट्स इंडिया के साथ मिलकर एक नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया जिसमें 180 लोगों की जांच की गई। ऑपरेशन के लिए तीन लोगों की पहचान की गई।

रोटरी क्लब विशाखापटनम - रो ई मंडल 3020

क्लब द्वारा आयोजित एक शतरंज प्रतियोगिता में 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विजाग चिल्ड्रन क्लब ने इस आयोजन का समर्थन किया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब कल्वन - रो ई मंडल 3030

इक्कीस उत्कृष्ट शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और पद्मश्री से सम्मानित नीलिमा मिश्रा मुख्य अतिथि थीं।

रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर - रो ई मंडल 3054

क्लब अध्यक्ष नरेंद्र मल माथुर ने झुंझुनू में एक वंचित युवा लड़की के लिए हृदय सर्जरी (₹ 75,000 की लागत से) प्रायोजित की। माथुर ने अब तक छह बच्चों की सर्जरी का निधीयन किया है।

रोटरी क्लब इंदौर प्रोफेशनल्स - रो ई मंडल 3040

गांधी जयंती पर 21 अन्य रोटरी क्लबों, लायंस क्लब, भारत विकास परिषद अहिल्या नगरी और ब्रह्मा कुमारियों के साथ संयुक्त रूप से एक विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। DG महेंद्र मिश्रा ने शिविर का दौरा किया।

रोटरी क्लब जालंधर सेंट्रल - रो ई मंडल 3070

क्लब अध्यक्ष अमित दुरेजा और PDG परविंदर जीत सिंह के नेतृत्व में रोटेरियनों ने कुष्ठ आश्रम नामक एक कुष्ठ केंद्र का दौरा किया और अन्नपूर्णा दिवस के अवसर पर 150 सहवासियों के लिए भोजन प्रायोजित किया।

रो ई मंडल 3053

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि ने जोधपुर के रोटरी ब्लड सेंटर और रोटरी थैलेसीमिया डे केयर सेंटर का दौरा किया।

रोटरी क्लब अंबाला मिडटाउन - रो ई मंडल 3080

गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सुल्तानपुर, को चालीस डेस्क-बेंच दान किए गए जिससे एक मंडल परियोजना के तहत 80 विद्यार्थियों को फायदा होगा जिसका लक्ष्य इस साल स्कूलों को 10,000 दोहरी बेंच प्रदान करना है।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब श्री गंगानगर मारवाड़ - रो ई मंडल 3090

झुग्गी बस्ती और सरकारी स्कूलों के छात्रों को दो हजार नोटबुक वितरित की गई।

रोटरी क्लब नवी मुंबई - रो ई मंडल 3142

दो रक्तदान शिविरों में 150 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित किया गया - एक में थैलेसीमिया रोगियों के लिए और दूसरे में कैंसर रोगियों के लिए।

रोटरी क्लब मुरादाबाद अचीवर्स - रो ई मंडल 3100

मनोकामना मंदिर और मुरादाबाद के पुराने बस स्टैंड पर दो वाटर कूलर स्थापित किए गए।

रोटरी क्लब नेल्लोर - रो ई मंडल 3160

कोथुरु गांव में दलित परिवारों को ₹ 15,000 कीमत की चावल की बोरियाँ वितरित की गई। बच्चों को अल्पाहार दिया गया।

रोटरी क्लब बीबवेवड़ी - रो ई मंडल 3131

एक क्लब अपने एक वर्ष-लंबे अभियान के अंतर्गत 250 कंप्यूटर टैब, 4 लाख सैनिटरी नैपकिन, 12,500 स्वयं सहायता पुस्तिकाएं, विटामिन की 2,500 बोतल और काली मिर्च स्प्रे के 1,250 बोतल प्रदान करेगा।

रोटरी क्लब हुबली ईस्ट - रो ई मंडल 3170

डिफीट डायबीटीज अभियान के अंतर्गत क्लब ने हुबली की पांच अलग-अलग जगहों पर एक दिन में 540 मरीजों की जांच की।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब हसन रॉयल - रो ई मंडल 3182

कट्टे ग्राम पंचायत कार्यालय, हसन तालुक, में एक विशेषज्ञ की मदद से कार्यालय प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। जिला न्यायाधीश रविनाथ मुख्य अतिथि थे।

रोटरी क्लब अलेप्पी ग्रेटर - रो ई मंडल 3211

ओणम उत्सव की पूर्व संध्या पर मंडल परियोजना एंटे ग्रामम के तहत गोद लिए गए दो गांवों की 100 वंचित महिलाओं को ₹ 50,000 की लागत से नए कपड़े दिए गए।

रोटरी क्लब बैंगलोर लैकसाइड - रो ई मंडल 3190

मित्र ज्योति के दृष्टिबाधित सहवासियों को जन सहयोग के माध्यम से एक बहुभाषी रीडिंग डिवाइस और एक पोर्टेबल ऑनलाइन प्लेयर-रिकॉर्डर दान किया गया।

रोटरी क्लब नागरकोइल सुप्रीम - रो ई मंडल 3212

DG जेसिंथा धर्म ने नगर निगम के साथ साझेदारी में कोविड टीकाकरण अभियान का उद्घाटन किया जिसमें 500 से अधिक रोटेरियनों और उनके परिवार के सदस्यों को टीका लगाया गया।

रोटरी क्लब पेराम्बवूर सेंट्रल - रो ई मंडल 3201

नगर निगम के अध्यक्ष साकिर हुसैन ने ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने में विद्यार्थियों की मदद करने हेतु उन्हें क्लब द्वारा प्रायोजित स्मार्टफोन दान किए।

रोटरी क्लब आडंबक्कम - रो ई मंडल 3232

क्लब ने एक नेत्र जांच शिविर आयोजित करने के लिए राजन आई केयर अस्पताल के साथ हाथ मिलाया। 165 लाभार्थियों में से 17 की मोतियाबिंद सर्जरी हेतु पहचान की गई।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

IPL:
प्रदर्शन बनाम परिणाम

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

हर साल आयोजित किया जाने वाला आईपीएल क्रिकेट समारोह अपने प्रशंसकों को एक वार्षिक दुविधा में ला खड़ा करता है: क्या आप उस टीम का समर्थन करते हैं जिस का नामकरण उस शहर पर किया गया है जहां आप रहते हैं या फिर उस टीम का जिसका नाम आपके 'गृहनगर' पर रखा है? उदाहरण के लिए, क्या मुझे अपने गौरवशाली तमिल नाम होने की वजह से चेन्नई टीम का समर्थन करना चाहिए या दिल्ली की टीम का क्योंकि मैं 1958 से दिल्ली में रह रहा हूं?

यह कशमकश बंगालियों, महाराष्ट्रीयनों, पंजाबियों, कन्नड़ियों, राजस्थानियों, आंध्र प्रदेशियों को काफी भी परेशान करती है, यदि वो किसी ऐसे शहर में रहते हों जिस के नाम से आईपीएल टीम भी है। इसी तरह के अंतर्द्वंद्व से जूझ रहे अधिकाँश लोग इस समस्या को नज़रअंदाज़ कर इस बारे में चर्चा नहीं करते। लेकिन कभी कभी आप की मुलाक़ात किसी ऐसे व्यक्ति से हो जाती है जो एक ऐसी टीम का समर्थन करने पर जोर देता है जिसकी वैसे तो आपको कोई परवाह नहीं लेकिन वो आपकी 'होमटाउन' टीम है।

मेरे साथ ऐसा कई बार हुआ है जब कोई मुझसे पूछता है कि मैं किस टीम का समर्थन करता हूं। हर बार मेरा एक ही जवाब रहता है। मैं कहता हूं कि मैं अंक तालिका के क्रम में सबसे निचली टीम का समर्थन करता हूं, फिर वो चाहे किसी भी शहर की हो। जब वे पूछते हैं कि मैं दिल्ली या चेन्नई का समर्थन क्यों नहीं करता, मैं कहता हूं कि जैसे ही वो पेंदे से टकराएंगी, मैं उनका भी समर्थन करने लगूंगा। आमतौर पर ये जवाब चल जाता है और मेरे साथी मुझे परेशान करना बंद कर देते हैं।

लेकिन एक दिन यह सवाल एक 10 साल के लड़के, मेरे दोस्त के पोते ने पूछा। बच्चा अड़ा हुआ था और मेरा कोई भी उत्तर उसके गले नहीं उतर रहा था क्योंकि वो ये नहीं समझ पा रहा था कि कोई भी व्यक्ति सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली टीम का समर्थन कैसे कर सकता है या अपनी 'होमटाउन' टीम या उस शहर की टीम का समर्थन क्यूँ नहीं कर सकता जिसमें वह रहता था। मैंने उसे समझाने की बहुत कोशिश की, पहले मजाक में, फिर गंभीरता से और अंत में गुस्से से।

ऐसा आपके साथ भी बच्चों के साथ कभी ना कभी ज़रूर हुआ होगा, लड़का निराश हो गया और लगभग रुआंसा हो गया। उसके दादाजी उसके पास गए और मुझे लड़के को परेशान करने के लिए मना किया, जोकि मैं वास्तव में नहीं कर रहा था। मैं तो बस उसे ये समझाने की कोशिश कर रहा था कि, एक सीमा के बाद, खेल में या वास्तव में किसी भी ऐसे प्रयास में निष्ठा दिखाने का कोई मूल्य नहीं है जिसमें हुनर की आवश्यकता होती है। मेरा मतलब है, वास्तव में, जब तक आप शानदार खेल देख रहे होते हैं, तब तक कौन परवाह करता है कि आप किस टीम से हैं? मैं लड़के के भेजे में सही बात डालने की कोशिश कर रहा था, अर्थात्, परिणाम के बजाय अपना ध्यान व्यक्तिगत खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर केंद्रित करे, जिसके कोई मायने नहीं हैं जब तक कि आप सट्टेबाजी ना करते हों।

एक छात्र के 99 प्रतिशत अंक आते हैं लेकिन फिर भी अपने पसंदीदा कॉलेज में उसे प्रवेश नहीं मिलता क्योंकि किसी और के 99.01 प्रतिशत अंक हैं।

इसके बाद का किस्सा मजेदार है। अब लड़का ये समझ ही नहीं पा रहा था कि मैं जो कह रहा था, इसकी भी उम्मीद की जानी चाहिए। वैसे भी वो बच्चा ही था। लेकिन उसके दादाजी को भी ये बात समझ नहीं आना जरा अचरज की बात थी। इस विषय में मैंने ये तर्क दिया कि प्रदर्शन की तुलना में परिणाम, ज़्यादातर भाग्य पर निर्भर करता है। सचिन तेंदुलकर ने कई शानदार पारियां खेली हैं फिर भी भारत मैच हार गया क्योंकि भाग्य अन्य एक या दो प्रमुख खिलाड़ियों के साथ नहीं था। यही चीज आपको अन्य सभी खेलों में नज़र आएगी। और देखा जाए तो व्यावहारिक रूप से आप इसे सभी प्रतिस्पर्धी गतिविधियों में भी देख सकते हैं। एक छात्र के 99 प्रतिशत अंक आते हैं लेकिन फिर भी अपने पसंदीदा कॉलेज में उसे प्रवेश नहीं मिलता क्योंकि किसी और के 99.01 प्रतिशत अंक हैं। मानो या न मानो ऐसा हर जगह, हर बार होता है, विशेषकर तब जब आवेदकों की तादाद उतनी बड़ी हो जितनी भारत में है।

हुनर बनाम किस्मत का सबसे अच्छा उदाहरण गेंदबाज और बल्लेबाज, पेश करते हैं। एक गेंदबाज एक ओवर की छह में से पांच गेंदों से शानदार गेंदबाजी करता है, लेकिन अगर छटी गेंद ज़रा भी इधर उधर हुई, तो उस गेंद पर छक्का लग सकता है। इसके विपरीत ठीक यही बात बल्लेबाजों पर भी लागू होती है। सिर्फ ज़रा सी बदकिस्मती होनी चाहिए। पर ये बात एक दस साल का बच्चा कैसे समझेगा वो तो बहुत छोटा है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि उसके दादाजी समझ जायेंगे और अंततः लड़के को परिणामों के बजाय उपलब्धियों पर ध्यान देने पर ज़ोर देंगे। ■

संक्षेप में

रोटेरियन को कोविड-राहत कार्य के लिए सम्मानित किया गया

रोटरी इंडिया कोविद टास्क फोर्स के अध्यक्ष PRID अशोक महाजन को महाराष्ट्र सरकार द्वारा कोविद राहत और बाल चिकित्सा हृदय सर्जरी में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ भारती पवार ने सम्मानित किया। भारत में रोटरी क्लबों ने कोविद के खिलाफ दो मिलियन से अधिक भारतीयों का टीकाकरण करने के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ भागीदारी की है।

एक पर्यावरण के अनुकूल रंगाई प्रक्रिया

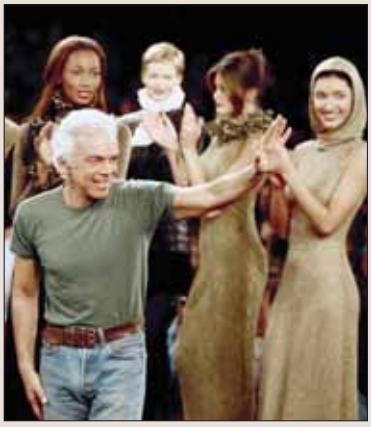

अमरीकी फैशन ब्रांड राल्फ लॉरेन ने कपास को रंगने का एक नया तरीका पेश किया है, जिसमें 90 फीसदी कम रसायन, 40 फीसदी कम ऊर्जा और आधे पानी का इस्तेमाल होता है। चार अन्य कंपनियों के सहयोग से, क्लोदिंग डिज़ाइनर ने कपास के रंग या बनावट से समझौता किए बिना पानी, रसायन और ऊर्जा की मात्रा को कम करने का एक तरीका विकसित किया है। 'कलर ऑन डिमांड' नाम की यह नई तकनीक कारखानों में पहले से मौजूद रंगाई उपकरणों का उपयोग करके, शून्य अपव्यय के साथ, रंगाई प्रक्रिया से सभी पानी के पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग को सक्षम करेगा।

रूसी फिल्म दल पृथ्वी पर अंतरिक्ष से लौटा

एक रूसी महिला अभिनेता और फिल्म निर्देशक एक अंतरिक्ष फिल्म की शूटिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 12 दिन बिताने के बाद पृथ्वी पर लौट आये। अभिनेता, निर्देशक और अंतरिक्ष यात्री एंटोन श्काप्लेरोव को मिलाकर तीन-व्यक्ति दल नासा के नेतृत्व वाली परियोजना से आगे निकल गया, जिसका उद्देश्य फ़िल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' की अगली कड़ी के दृश्यों को शूट करना था । यह दल 16 अक्टूबर को आधी रात के बाद कजाकिस्तान के बैकानौर कोस्मोड्रोम पर उतरा। यह परियोजना वाणिज्यिक अंतरिक्ष बाजार में फिल्म निर्माण को शामिल करने जैसे एक विस्तार का प्रतीक है।

कांगो में फलते-फूलते ग्राउर गोरिल्ला

3,800 के पिछले वैश्विक अनुमान के मुकाबले, ग्रूअर के गोरिल्लाओं की संख्या, दुनिया की सबसे बड़ी गोरिल्ला उप-प्रजाति की लगभग दोगुनी होकर 6,800 हो गई है। 2016 में वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी के नेतृत्व में पिछले सहकर्मी की समीक्षा किए गए पेपर में इन गोरिल्लाओं की आबादी में लगभग 80 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी। संशोधित अनुमान सितंबर 2021 में पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में किए गए हालिया क्षेत्रीय सर्वेक्षणों से आता है, जो कि जानवरों का सबसे बड़ा शेष निवास स्थान है, एक ऐसा क्षेत्र जो पहले सर्वेक्षणों के लिए दुर्गम था।

स्पेन में एक रोने का कमरा

2019 में, स्पेन में 3,671 लोगों ने आत्महत्या की, जो देश में प्राकृतिक कारणों के बाद मृत्यु का दूसरा सबसे आम कारण है। एक सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 10 किशोरों में से एक को मानसिक बीमारी का पता चला है, जबकि कुल आबादी का 5.8 प्रतिशत चिंता से ग्रस्त है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को दूर करने के लिए स्पेन ने एक प्रोजेक्ट शुरू किया है जिसका नाम है *'ला लोरेरिया'*, या रोने का कमरा। कोई भी व्यक्ति इस कमरे में आ सकता है और रो सकता है या विशेषज्ञ की सलाह लेने के लिए हेल्पलाइन पर कॉल कर सकता है। यह पहल स्पेनिश प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के 100 मिलियन यूरो (116 मिलियन डॉलर) के मानसिक स्वास्थ्य अभियान का हिस्सा है।

किरण ज़ेहरा द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा।

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23 | issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

ADVT.

MAKE YOUR AMBITIONS
A REALITY.

IIS (deemed to be University), Jaipur
Offers a range of Undergraduate, Postgraduate & Professional Programmes
It has been highly effective in helping students achieve successful careers.

ASPIRE. ACHIEVE.

www.iisuniv.ac.in

Gurukul Marg, SFS, Mansarovar, Jaipur-302020
+91 141 2400160, 2400161

IIS (deemed to be UNIVERSITY) JAIPUR